



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-28102021-230803
CG-DL-E-28102021-230803

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 322]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 28, 2021/कार्तिक 6, 1943

No. 322]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 28, 2021/KARTIKA 6, 1943

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 2021

मामला सं. एडी (एसएसआर) 15/2021

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये “एलॉय अथवा नॉन-एलॉय स्टील का वायर रॉड” के आयातों के संबंध में निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 7/17/2021—डीजीटीआर.—समय समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे “अधिनियम” कहा गया है) और समय समय पर यथासंशोधित उसके सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिसे आगे “पाटनरोधी” “नियमावली” अथवा “ए डी नियमावली” कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

क. मामले की पृष्ठभूमि

- दिनांक 02 जून, 2016 को निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे “प्राधिकारी” कहा गया है) ने चीन जन. गण. (जिसे आगे “संबद्ध देश कहा गया है”) के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये “एलॉय अथवा नॉन एलॉय स्टील का वायर रॉड” (जिसे आगे “संबद्ध वस्तु” अथवा “विचाराधीन उत्पाद” अथवा “पी यू सी” कहा गया है) के संबंध में घरेलू उद्योग पर पाटन और उसके क्षतिकारक प्रभाव की प्रकृति और सीमा की जांच करने के लिए एक जांच शुरू

की गई थी। पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के लिए मूल याचिका मैसर्स स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमि., मैसर्स राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, मैसर्स टाटा स्टील लॉग प्रॉडक्ट्स लिमि. (पूर्व में मैसर्स ऊषा मार्टिन लिमिटेड) और मैसर्स जे एस डब्ल्यू स्टील लिमि. द्वारा दायर किया गया था।

2. प्राधिकारी ने 27 सितंबर, 2016 को अधिसूचना सं. 14/17/2016 – डी जी ए डी के माध्यम से प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किया और संदर्भ कीमत के रूप में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश की। केंद्र सरकार ने दिनांक 2 नवंबर, 2016 को अधिसूचना सं. 51/2016 – सीमा शुल्क (ए डी डी) के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं पर छः महीने की अवधि के लिए अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया।
3. प्राधिकारी ने 30 अगस्त, 2017 को अधिसूचना सं. 14/17/2016 – डी जी ए डी के माध्यम से अंतिम जांच परिणाम जारी किया और पांच वर्षों के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश की। उपर्युक्त जांच परिणामों के आधार पर, केंद्र सरकार ने दिनांक 9 अक्टूबर, 2017 की अधिसूचना सं. 48/2017 – सीमा शुल्क (ए डी डी) के माध्यम से संदर्भ कीमत के रूप में 2 नवंबर, 2016 से पांच वर्षों की अवधि के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया।
4. इस अधिनियम की धारा 9क (5) के संदर्भ में लगाया गया पाटनरोधी शुल्क, यदि पूर्व में निरस्त नहीं किया गया हो, का इस प्रकार के शुल्क लगाये जाने की तिथि से 5 वर्षों के समाप्त होने पर प्रभावी नहीं रहेगा और प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य की समीक्षा करें कि क्या पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप पाटन और क्षति जारी रहने अथवा उसके फिर से उत्पन्न होने की संभावना है। इसके अलावा इस नियमावली के नियम 23 (1ख) में निम्नलिखित प्रावधान है :

“... इस अधिनियम के अंतर्गत लगाया गया कोई निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क इसके लगाये जाने की तिथि से अधिकतम पांच वर्षों की अवधि के लिए लागू रहेगा यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी उस अवधि के समाप्त होने के पूर्व उचित समयावधि के भीतर अपनी स्वयं की पहल पर अथवा घरेलू उद्योग द्वारा किये गये विधिवत प्रमाणित अनुरोध अथवा घरेलू उद्योग की ओर से किये गये अनुरोध पर उस अवधि के पूर्व शुरू की गई समीक्षा पर इस निष्कर्ष पर पहुंचते हों कि उक्त पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है।”

5. उपर्युक्त के अनुसार प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह घरेलू उद्योग के द्वारा अथवा उसकी ओर से किये गये विधिवत प्रमाणित अनुरोध के आधार पर इस बात की समीक्षा करें कि क्या पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से जारी रहने की संभावना है।
6. और जबकि, उपर्युक्त प्रावधानों के संदर्भ में भारतीय इस्पात संघ ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमि., स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमि. और जे एस डब्ल्यू स्टील लिमि. (जिसे आगे “आवेदक” अथवा “आवेदक कंपनी” अथवा “घरेलू उद्योग” भी कहा गया है) की ओर से निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करने के लिए सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार एक आवेदन दायर किया। इस याचिका का समर्थन टाटा स्टील लॉग प्रॉडक्ट्स लिमि., जिंदल स्टील एंड पावर लिमि. और एलाय प्रोड्यूसर एसो. ऑफ इंडिया द्वारा किया गया है।
7. और जबकि, आवेदक द्वारा दायर किये गये विधिवत प्रमाणित आवेदन को देखते हुए, प्राधिकारी ने इस तथ्य की जांच करने के लिए कि क्या उक्त शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार चीन जन. गण. से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 28 जुलाई, 2021 की अधिसूचना सं. 7/17/2021 – डी जी टी आर के माध्यम से एक आम सूचना जारी की।
8. निर्णायक समीक्षा की शुरुआत के अनुसरण में, पाटनरोधी शुल्क दिनांक 1 अगस्त, 2021 की अधिसूचना सं. 42/2021 के माध्यम से 31 जनवरी, 2022 तक बढ़ाया गया है।

9. वर्तमान समीक्षा के कार्यक्षेत्र में दिनांक 30 अगस्त, 2017 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/17/2016- डी जी ए डी जिसने संबद्ध देश के मूल अथवा वहां से निर्यात किये गये संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश की थी, के सभी पहलू शामिल हैं।

ख. प्रक्रिया

10. नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण इस जांच में किया गया है :

- i. प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 28 जुलाई, 2021 की अधिसूचना सं. 7/17/2021 – डी जी टी आर के माध्यम से संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्कों की निर्णायक समीक्षा शुरू की।
- ii. प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 28 जुलाई, 2021 की जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी। हितबद्ध पक्षकारों को यह सलाह दी गई थी कि वे निर्धारित रूप में और तरीके से संगत सूचना उपलब्ध करायें तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने अनुरोध के बारे में लिखित रूप में अवगत करायें।
- iii. प्राधिकारी ने ऊपर में उल्लिखित नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों तथा दूतावास को आवेदन के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति उपलब्ध कराई।
- iv. भारत में संबद्ध देश के दूतावास से यह भी अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का जवाब देने के लिए अपने देश के निर्यातकों/ उत्पादकों को सलाह दें। उत्पादकों/ निर्यातकों को भेजे गये पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी संबंधित संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों के नाम और पते के साथ भेजी गई थी।
- v. प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए इस नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक की प्रश्नावलियां भेजीं:
 - क. जिउक्वान आयरन एंड स्टील (ग्रुप) कं. लिमि.
 - ख. हंडन आयरन एंड स्टील ग्रुप कं. लिमि.
 - ग. लिआन्युआन आयरन एंड स्टील ग्रुप कं. लिमि.
 - घ. बायोस्टील ग्रुप कोर्प
 - ङ. विस्को – वूहान आयरन एंड स्टील (ग्रुप) कं.
 - च. बेन्क्सी आयरन एंड स्टील (ग्रुप) स्पेशल स्टील कं. लिमि.
 - छ. लिआन्युआन आयरन एंड स्टील (ग्रुप) कं. लिमि.
 - ज. शौगांग चांगझी आयरन एंड स्टील लिमि.
 - झ. हांगजो आयरन एंड स्टील ग्रुप कंपनी
 - ञ. तियानजिन जुबोयुआन आयरन एंड स्टील ट्रेडिंग कं. लिमि.
 - ट. तियानजिन जुबोयुआन आयरन एंड स्टील ट्रेडिंग कं. लिमि.
 - ठ. जियांसू शगांग मेटेरियल ट्रेड कं. लिमि.
 - ड. जियांसू शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लिमि.
 - ढ. सिनोमेटेरियल इंटरनेशनल कं. लिमि.
 - ण. ज़ेनिथ स्टील ग्रुप कं. लिमि.
 - त. बेन्क्सी बीताई गासु स्टील वायर रॉड कं. लिमि.

- थ. जियांग्यिन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लिमि.
 द. जियांसू योंगगांग ग्रुप कं. लिमि.
 ध. फूजियन शगांग मिंगगुआंग कं., लिमि.
 न. बेन्क्सी बीताई हाई-स्पीड वायर रॉड कं., लिमि.
 प. जिंगताई आयरन स्टील कोर्पो. लिमि.
 फ. झांगजियाआंग शाझिंग स्टील कं. लिमि.
 ब. मिनमेटेल्स थिंगकाउ मिडियम प्लेट कं., लिमि.
 भ. झांगजियाआंग रांगशेंग स्टील कं. लिमि.
 म. गुआंगडोंग शाओगांग सोंगशान कं., लिमि.
 य. जिआंगजि फंगडा स्टील ग्रुप कं. लिमि.
 कक. वेनएन स्टील आयरन कं. लिमि.
- vi. किसी भी विदेशी उत्पादक/ निर्यातक ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
- vii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/ उपभोक्ताओं/ प्रयोक्ता संघों को अधिसूचना की एक प्रति अग्रेषित की और उन्हें सलाह दी कि वे नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत करायें।
- क. ए. ए. इंटरनेशनल
 ख. अग्रवाल इम्पेक्स
 ग. डी. पी. वायर्स प्रा. लिमि.
 घ. गर्ग इनोक्स लिमिटेड
 ङ. एच. डी. वायर प्रा. लिमि.
 च. इंडियन वायर एंड स्टील प्राइवेट्स
 छ. जे. एस. इंडस्ट्रीज प्रा. लिमि.
 ज. कादिमि स्पेशल स्टील्स प्रा. लिमि.
 झ. लक्ष्मी कार्ड क्लोथिंग मेनिफेक्चरिंग कं. प्रा. लिमि.
 ञ. मकालू ट्रेडिंग लिमि.
 ट. निर्मल वायर प्रा. लिमि.
 ठ. ओसेनिक ओवरसेज
 ड. पंकज स्टील कोरपोरेशन
 ढ. आर. के. स्टील्स
 ण. स्टर्लिंग टूल्स लिमि.
 त. ट्रांसनेशनल
 थ. उदय इंडस्ट्रीज
 द. ऊषा मार्टिन लिमि.
 ध. वी. एन. सी. इलेक्ट्रोडेज
 न. विधि इम्पेक्स

- प. वेल्डवेल इलेक्ट्रोडेज
- फ. यतिन स्टील्स इंडिया प्रा. लिमि.
- ब. जरहाक स्टील्स लिमि.
- viii. किसी भी आयातक/ प्रयोक्ता ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया अथवा वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में आयातक/ प्रयोक्ता प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया।
- ix. स्टील वायर मेनिफेक्चर्स एसो. ऑफ इंडिया ने अपने आप को एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में पंजीकृत किया परंतु जांच की प्रक्रिया के दौरान कोई अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है।
- x. वर्तमान समीक्षा के उद्देश्य से जांच की अवधि 1 अक्टूबर, 2019 से 31 मार्च, 2021 (18 महीने) है। क्षति की जांच की अवधि 2017-18, 2018-19, 2019-20 तक की अवधि और जांच की अवधि के रूप में माना गया है।
- xi. वाणिज्यिक सूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) को पिछले तीन वर्षों और जांच की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरे की व्यवस्था करने के लिए अनुरोध किया गया था जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गया था। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा और मूल्य की गणना तथा क्षति के विश्लेषण के लिए डी जी सी आई एंड एस के आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है।
- xii. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और आंकड़े का सत्यापन उस सीमा तक किया गया था जिस सीमा तक उसे आवश्यक माना गया। जहां कहीं भी लागू हो आवश्यक संशोधन के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर इन अंतिम जांच परिणामों के उद्देश्य से विश्वास किया गया है।
- xiii. उत्पादन की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत (जिसे आगे 'एन आई पी' कहा गया है) तथा सामान्य रूप से स्वीकार की गई लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं को बनाने और उसे बेचने की लागत को इस प्रकार से तय किया गया है जिससे की यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगा।
- xiv. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार, मौखिक रूप से सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर उपलब्ध कराने के वास्ते 16 सितंबर, 2021 को मौखिक सुनवाई की। मौखिक सुनवाई कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न विशेष परिस्थितियों को देखते हुए वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थी। मौखिक सुनवाई में घरेलू उद्योग द्वारा भाग लिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे लिखित अनुरोध और प्रतिउत्तर प्रस्तुत करें।
- xv. जांच और मौखिक सुनवाई की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोधों पर इन अंतिम जांच परिणामों में उस सीमा तक ध्यान दिया गया है जिस सीमा तक उसे प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया।
- xvi. चूंकि संबद्ध देश के किसी उत्पादक अथवा निर्यातक ने कोई अनुरोध अथवा प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की ही जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय और सार्वजनिक रिकार्ड में प्रकट न की गई सूचना के रूप में माना गया है। जहां कहीं भी संभव हुआ, यह निदेश दिया गया है कि गोपनीय सूचना पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर में उपलब्ध कराया जाना है।
- xvii. इस नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी ने मामले के आवश्यक तथ्यों जो 20.10.2021 को प्रकटन विवरण के रूप में इसके जांच परिणामों का आधार बनेगा, प्रकट किया। हितबद्ध पक्षकारों टिप्पणियों पर प्राधिकारी द्वारा संगत सीमा तक विचार किया गया है और उन पर इन जांच परिणामों में ध्यान दिया गया है।

- xviii. इस अंतिम जांच परिणामों में *** गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा वैसी मानी गई सूचना का द्योतक है।
- xix. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा लिया गया विनियम दर 1 यू एस डालर = 74.34 भारतीय रुपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ग. 1 घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोध

11. घरेलू उद्योग अथवा किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

ग. 2. प्राधिकारी द्वारा जांच

12. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद का कार्यक्षेत्र वही है जो दिनांक 30 अगस्त, 2017 को मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों में प्राधिकारी द्वारा लिया गया था।
13. विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित है :

“आयरन अथवा नॉन एलॉय स्टील अथवा एलॉय स्टील का अनियमित रूप से मुड़े हुए क्वायल में बार्स और छड़, हॉट रॉलड (सामान्य रूप से “वायर रॉड्स) के रूप में ज्ञात।

ये उत्पाद प्राथमिक और अप्राथमिक श्रेणी के हैं और सभी आकारों के हैं। ये उत्पाद विभिन्न गुणवत्ता के स्टील जिसमें इलेक्ट्रोरोड, फ्री कटिंग, फोर्जिंग, कोल्ड हैडिंग अथवा निम्न / मध्यम / उच्च कार्बन स्टील, आरेखण, बाल बेयरिंग स्टील, केस हार्डनिंग स्टील, स्प्रिंग स्टील, जंगरोधी स्टील, अपक्षय स्टील, संरचनात्मक स्टील और कई अन्य गुणों के स्टील शामिल हैं लेकिन वहीं तक सीमित नहीं हैं, के अनुरूप हैं। हालांकि, निम्नलिखित उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है :

क. अभिस्थापन, रिब्स, ग्रूव्स अथवा अन्य विरूपण वाले बार्स और छड़ जिसका उत्पादन टैरिफ मद 72131090 के अंतर्गत आने वाली रोलिंग प्रक्रिया के दौरान किया गया हो (सामान्य रूप से रिबार्स अथवा टी एम टी बार्स के रूप में ज्ञात)

ख. प्रशुल्क शीर्ष 7221 के अंतर्गत आने वाला स्टेनलैस स्टील का बार्स और छड़

ग. प्रशुल्क मद 72271000 के अंतर्गत आने वाले हाई स्पीड के इस्पात का बार्स और छड़”

14. विचाराधीन उत्पाद का उपयोग कई प्रयोगों और क्षेत्रों में किया जाता है जैसे ऑटोमोटिव संघटक, वेल्डिंग इलेक्ट्रोड, स्टिक वायर मैस, फास्टनर्स जिसमें निर्माण उद्योग के लिए नट और बाल्ट, कील, रेलवे स्लिपर, सामान्य अभियांत्रिकी, बांधने के लिए तार, आमर्ड केबल आदि शामिल है।
15. यह नोट किया जाता है कि भारत को निर्यात की गई संबद्ध वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं के समान हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देश से आयात किये गये वस्तुओं से वस्तुओं के तकनीकी विनिर्देशों, निर्माण की प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा प्रशुल्क वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय है। ये दोनों का तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किये जा सकते हैं। तदनुसार, वर्तमान जांच के उद्देश्य से, संबद्ध देश द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को संबद्ध देश से आयात की जा रही संबद्ध वस्तुओं के “समान वस्तु” के रूप में माना जा रहा है।

घ. घरेलू उद्योग और आधार

16. पाटनरोधी नियमावली का नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :

“(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”

घ. 1. घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोध

17. आवेदक द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित अनुरोध किये गये हैं :

- क. घरेलू उत्पादक जो घरेलू उद्योग है में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और जे एस डब्ल्यू स्टील लिमिटेड शामिल है। घरेलू उद्योग के पास जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के कुल भारतीय उत्पादन में 30-40 प्रतिशत हिस्सा है।
- ख. भारत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन का एक बहुत बड़ा अनुपात लघु और मध्यम आकार के उपक्रमों (एम एस एम ई) है। पाटनरोधी शुल्कों को लगातार लगाये रखने के लिए वर्तमान आवेदन का समर्थन एलॉय इस्पात उत्पादक संघ (ए एस पी ए) द्वारा किया गया है। संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में शामिल अनेक लघु और मध्यम आकार के उत्पादक ए एस पी ए के सदस्य हैं। पाटनरोधी शुल्क को लगातार लगाये रखने से एम एस एस ई क्षेत्र के हितों को भी सुरक्षा मिलेगी।
- ग. घरेलू उद्योग का हिस्सा पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार कुल घरेलू उत्पादन में बहुत बड़ा हिस्सा है।
- घ. निर्णायक समीक्षा आवेदन का समर्थन टाटा स्टील लॉग प्रॉडक्ट्स लिमि., जिंदल स्टील एंड पावर लिमि. द्वारा किया गया है। घरेलू उद्योग और समर्थकों को मिलाकर हिस्सा संबद्ध वस्तुओं के कुल भारतीय उत्पादन में 40-50 प्रतिशत है।
- ङ. ऊषा मार्टिन लिमि. मूल जांच में घरेलू उद्योग का एक घटक था। ऊषा मार्टिन लिमि. के इस्पात प्रभाग का अब अधिग्रहण टाटा स्पोंग आयरन लिमि. द्वारा 9 अप्रैल, 2019 को किया है। टाटा स्पोंग आयरन लिमि. का नाम बदलकर 20 अगस्त, 2019 को टाटा स्टील लॉग प्रॉडक्ट्स लिमि. कर दिया गया था और यह वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में एक समर्थक है।

घ. 2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोध

18. किसी अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

घ. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

- 19. यह आवेदन भारतीय इस्पात संघ द्वारा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमि., स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमि. और जे एस डब्ल्यू स्टील लिमि. द्वारा दायर किया गया है। संगत जांच और दस्तावेज प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित आवेदक संघ द्वारा उपलब्ध कराया गया है। इस आवेदन का समर्थन टाटा स्टील लॉग प्रॉडक्ट्स लिमि., जिंदल स्टील एंड पावर लिमि. और एलॉय स्टील एसोशियन ऑफ इंडिया द्वारा किया गया है।
- 20. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का जांच की अवधि के दौरान कुल भारतीय उत्पादन में 30-40 प्रतिशत हिस्सा है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि समर्थकों के साथ साथ घरेलू उद्योग का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 40-50 प्रतिशत है।
- 21. राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमि., स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमि. और जे एस डब्ल्यू स्टील लिमि. ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का न तो आयात किया है और न ही उनका संबंध संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक अथवा आयातक से है। यह नोट किया जाता है कि आवेदक संघ ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच के उद्देश्य से आवश्यक सूचना दी है।
- 22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग अपने बल पर और समर्थकों को शामिल करते हुए कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़े अनुपात का उत्पादन करता है।
- 23. प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक इस नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग है और वह यह मानता है कि आवेदन ने इस नियमावली के नियम 5(3) के संदर्भ में आधार के मानदंड को पूरा किया।

ड. गोपनीयता**ड. 1. घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोध**

24. घरेलू उद्योग ने कुछ सूचना जिसे यह गोपनीय और व्यापार संवेदनशील प्रकृति की सूचना मानता है के संबंध में गोपनीयता का दावा किया है। गोपनीय सूचना का पर्याप्त अगोपनीय सारांश उसमें निहित सूचना के तथ्य को उचित तरीके से समझने की अनुमति देने के लिए उपयुक्त स्थानों पर उपलब्ध कराया गया है।

ड. 2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोध

25. किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने गोपनीयता के दावे के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

ड. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

26. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया।

27. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नानुसार प्रावधान है :

“गोपनीयता सूचना : (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।”

28. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की विधिवत जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट न की गई सूचना माना गया है। जहां कहीं भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि उन्हें गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सभी हितबद्ध पक्षकारों ने अपने व्यापार से संबंधित संवेदनशील सूचना के गोपनीय होने के रूप में दावा किया है।

29. सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डी जी टी आर की वेबसाइट पर उन सभी को सभी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोध का अगोपनीय रूपांतर ई-मेल करने के अनुरोध के साथ अपलोड किया गया था क्योंकि सार्वजनिक फाइल को चल रही वैश्विक महामारी के कारण भौतिक रूप से प्राप्त नहीं किया जा सकता था।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण**च. 1. सामान्य मूल्य**

30. इस अधिनियम की धारा 9क (1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

क. समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

ख. उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत।

परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

च. 2. घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोध

31. घरेलू उद्योग द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित अनुरोध किये गये हैं :

- क. संबद्ध वस्तुओं के चीन के उत्पादक गैर बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के अधीन कार्य कर रहे हैं। चीन के उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य चीन जन. गण. में घरेलू बिक्री कीमत और स्वचलित लागत के आधार पर नहीं हो सकती है यदि यह नहीं दर्शाया गया हो कि चीन के उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था की शर्तों के अधीन कार्य कर रहे हैं।
- ख. मूल जांच में भी प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला था कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक/निर्यातक गैर बाजार अर्थव्यवस्था की शर्तों के अधीन कार्य कर रहे हैं।
- ग. यूरोपीय आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बाजार विलुप्ताओं की जांच की है जो चीन जन. गण. में विशिष्ट क्षेत्रों में मौजूद है। यूरोपीय आयोग ने यह पाया है कि चीन जन. गण. में भूमि, ऊर्जा, पूंजी, कच्चा माल और अन्य सामग्री इनपुट और श्रमिक से संबंधित राष्ट्रव्यापी बाजार विलुप्ताएं हैं।
- घ. यूरोपीय आयोग की रिपोर्ट ने इस्पात, एल्यूमिनियम, रसायनिक पदार्थ और कुछ सिरेमिक उद्योगों सहित विशिष्ट क्षेत्रों में मौजूद हैं की भी जांच की है। इन उद्योगों के भीतर, यूरोपीय आयोग ने यह पाया कि बाजार विलुप्ताएं राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और निगम स्तरों सहित विभिन्न योजना और नियामक निदेशों के माध्यम से सरकार के सभी स्तरों के द्वारा चीन की सरकार के हस्तक्षेपों के कारण हुई थी।
- ड. आवेदक के पास पैरा 7 में पहली दो पद्धतियों के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपेक्षित सूचना तक पहुंच नहीं है। इस कारण से, सामान्य मूल्य को निम्नलिखित तरीके से माना गया है।

पद्धति I : इस पद्धति में, सामान्य मूल्य को निम्नलिखित तरीके से माना गया :

- i. **कच्चा माल :** प्रमुख कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमत को सामान्य मूल्य को तय करने के लिए अपनाया गया है और विचार किया गया है। प्रमुख कच्चे मालों की खपत मापदंड घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर लिया गया है। अन्य कच्चे माल को घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर लिया गया है।
- ii. **उपयोगिताएं :** उपयोगिता लागत पर विचार घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर किया गया है।
- iii. **परिवर्तन लागत :** परिवर्तन लागत पर विचार घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर किया गया है।

- iv. **एस जी ए लागत और वित्तीय लागत :** एस जी ए लागत और वित्तीय लागत पर विचार घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर किया गया है।
- v. **लाभ मार्जिन:** 5 प्रतिशत के लाभ मार्जिन पर विचार सामान्य मूल्य तय करने के लिए किया गया है।

पद्धति II : कोरिया गणराज्य चीन जन. गण. के बाद भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश है। इस कारण से घरेलू उद्योग ने समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतर्देशीय भाड़ा, रख-रखाव शुल्क, कमीशन और बैंक शुल्क आदि के समायोजन के बाद भारत में कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतों पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

- च. डी जी सी आई एंड एस के आयात संबंधी आंकड़ों, संगत समायोजनों के अनुसार गणना की गई सी आई एफ निर्यात कीमत से एक्स फैक्ट्री निर्यात कीमत तय किया गया है।
- छ. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना के आधार पर इस प्रकार से निर्धारित पाटन मार्जिन सकारात्मक और वास्तविक है।
- ज. यह भी अवश्य नोट किया जाना चाहिए कि चीन जन. गण. के उत्पादकों/ निर्यातकों ने भाग नहीं लिया है। इस कारण से, प्राधिकारी को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन. गण. से निर्यातों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए आगे की कार्यवाही करनी चाहिए।
- झ. जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से भारत में औसत निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिन सकारात्मक है। हालांकि, जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से औसत निर्यात कीमत स्टीक नहीं हो सकती है क्योंकि अन्य देशों से आयात कीमत 2017-18 से 2019-20 के दौरान चीन जन. गण. से आयात कीमत की तुलना में निरंतर रूप से अधिक रहा है लेकिन चीन जन. गण. से जांच की अवधि दौरान आयात कीमत तीसरे देशों से आयात कीमत की तुलना में अधिक है। संबद्ध देश से औसत निर्यात कीमत में पिछले वर्ष से तुलना किये जाने पर जांच की अवधि में बहुत अधिक हद तक बढ़ोतरी हुई है। अलग अलग उत्पादकों/ निर्यातकों की निर्यात कीमत का सत्यापन नहीं किया जा सकता है क्योंकि किसी भी उत्पादक/ निर्यातक ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग नहीं लिया है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से उत्पादक/ निर्यातक को निर्णायक समीक्षा की सही अवधि के बारे में जानकारी नहीं थी और इस कारण से यह उनके लिए संभव नहीं था कि वे भारत को उनके निर्यातों के लिए औसत कीमत को उच्चतर रख सकें।

च. 3. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोध

- 32. किसी भी निर्यातक/ आयातक/ अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इन जांच में भाग नहीं लिया है।

च. 4. प्राधिकारी द्वारा जांच

- 33. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं जिसमें उन्हें सलाह दी गई थी कि वे प्राधिकारी द्वारा निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना उपलब्ध करायें।
- 34. चूंकि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक/ निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दाखिल नहीं किया है, अतः संबद्ध देश से सभी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है, जो नीचे दिए गए हैं।

च. 5. सामान्य मूल्य का निर्धारण

- 35. डब्ल्यू टी ओ में चीन के एक्सेशन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नानुसार व्यवस्था है :

"जी ए टी टी 1994 का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य करार, 1994 "पाटनरोधी करार" (के अनुच्छेद-VI का कार्यान्वयन संबंधी करार और एससीएम करार किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य में चीन के मूल के आयातों में शामिल कार्यवाही में निम्नलिखित के संगत लागू होगा :

- क. जीएटीटी, 1994 के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी करार के अंतर्गत कीमत तुलनीयता के निर्धारण में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:
- यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।
 - आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त तुलना पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग के लिए लागू नहीं हैं।
- ख. एससीएम समझौते के भाग II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राज्य हायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए ऐसी पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखा जाए कि चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों के उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को समायोजित करना चाहिए।
- ग. आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैराग्राफ (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी प्रक्रिया समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को सब्सिडी तथा प्रतिसंतुलनकारी उपायों संबंधी समिति को अधिसूचित करेगा।
- घ. आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के तहत चीन के एक बार बाजार अर्थव्यवस्था सिद्ध हो जाने पर, उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) के प्रावधान समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते कि आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में एक्सेशन की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान एक्सेशन की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा, आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए लागू नहीं होंगे।"
36. यह नोट किया जाता है कि जबकि अनुच्छेद 15 (क) (ii) में निहित प्रावधान 11.12.2016 को समाप्त हो गए हैं। एक्सेशन प्रोटोकालो के अनुच्छेद 15 (क) (i) के अंतर्गत दायित्व के साथ पठित विश्व व्यापार संगठन के अनुच्छेद 2.2.1.1 के अंतर्गत प्रावधान में इस नियमावली के अनुबंध । के पैरा 8 में निर्धारित मानदंड को बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने के संबंध में पूरक प्रश्नावली में दी गई सूचना/ आंकड़ों के माध्यम से पूरा किया जाना अपेक्षित है। यह नोट किया जाता है कि चूंकि चीन जन. गण. के उत्तर देने वाले उत्पादक/ निर्यातक ने निर्धारित रूप में और तरीके से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, सामान्य मूल्य का परिकलन इस नियमावली के अनुबंध । के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है।
37. तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण इस नियमावली के अनुबंध । के पैरा 7 के अनुसार किया गया है। रिकार्ड पर अन्य पद्धतियों जिन्हें इस नियमावली के अनुबंध । के पैरा 7 में उल्लेख किया गया है के संबंध में पर्याप्त सूचना के अभाव में, प्राधिकारी ने "किसी अन्य तर्कसंगत आधार" पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। इस कारण से प्राधिकारी ने (क) प्रमुख कच्चे मालों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, (ख) उपभोग मापदंड व अन्य कच्चा सामग्री लागत और परिवर्तन लागत, एस जी ए और घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर वित्त लागत, तथा (ग) उचित लाभ के आधार पर चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य संरचित किया है। इस प्रकार से संरचित सामान्य मूल्य को पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

च. 4.2 निर्यात कीमत का निर्धारण

38. चूंकि चीन जन. गण. के किसी भी उत्पादक/ निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। अतः चीन जन. गण. निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार जांच की अवधि के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य पर विचार करते हुए किया गया है। समायोजन, समुद्री भाड़ा, अंतर्देशीय भाड़ा, बीमा, रख-रखाव शुल्क, क्रेडिट लागत, कमीशन, बैंक शुल्क और अप्रतिदाय मूल्यवर्धित कर के लिए किया गया है।

च. 5 पाटन मार्जिन

39. जैसा ऊपर स्पष्ट किया गया है, निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. के लिए पाटन मार्जिन, नियमावली के तहत केवल निर्धारित न्यूनतम सीमा से ही अधिक नहीं हैं बल्कि काफी अधिक हैं।

देश	उत्पादक/ निर्यातक	सामान्य मूल्य (भारतीय रु./ मी. ट.)	एन ई पी (भारतीय रु./ मी. ट.)	पाटन मार्जिन (भारतीय रु./ मी. ट.)	पाटन मार्जिन %	रेंज
चीन जन. गण.	कोई भी उत्पादक/ निर्यातक	***	37,658	***	***	10-20%

छ. क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच**छ. 1 घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोध**

40. घरेलू उद्योग का क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में अनुरोध नीचे दिया गया है :

- क. मूल जांच में प्राधिकारी ने पहले ही पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित किया है, इस कारण से निर्णायक समीक्षा में, जांच करने वाले प्राधिकारी को शुल्क के समाप्त होने और पाटन एवं क्षति के फिर से होने की संभावना के बीच संबंध अवश्य स्थापित करना चाहिए और समीक्षा के दौरान नये सिरे से पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित करने की कोई आवश्यकता नहीं है।
- ख. चीन जन. गण. से किसी भी उत्पादक/ निर्यातक ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग नहीं लिया है, जबकि 35 उत्पादकों/ निर्यातकों ने मूल जांच में निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर दाखिल किया था।
- ग. चीन जन. गण. के उत्पादकों/ निर्यातकों की भागीदारी प्राधिकारी को भारत को वास्तविक निर्यात कीमत का सत्यापन करने की अनुमति दी होती। चीन जन. गण. के किसी उत्पादक/ निर्यातक द्वारा भागीदारी के अभाव में प्राधिकारी को उपलब्ध प्रतिकूल तथ्यों को लागू करना चाहिए और यह निष्कर्ष निकालना चाहिए कि डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों के आधार पर चीन जन. गण. से आयात कीमत अविश्वसनीय है और यह नोट करना चाहिए कि जांच की अवधि के दौरान डी जी सी आई एंड एस आयात आंकड़ों में दर्शायी गई उच्चतर आयात कीमत का चीन जन. गण. से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति की संभावना और पाटन, क्षति के आकलन पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ता है।
- घ. संबद्ध देश से आयात पूर्ण रूप में तथा भारत में कुल आयातों की तुलना में दोनों में बहुत अधिक है और भारतीय मांग पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद भी अधिक है।
- ङ. संबद्ध देश के पास बहुत अधिक क्षमताएं और सीमित अथवा स्थिर मांग है। उन्हें निर्यात बाजार की आवश्यकता है और भारत बहुत अधिक मांग के साथ सबसे बड़ा बाजार है। यह भारतीय बाजार में आयातों के प्रवाह को सृजित करेगा यदि शुल्क को वापस ले लिया जाता है। इसके अलावा, अनेक प्रशुल्क और व्यापार उपचारात्मक उपाय वर्तमान में अलग अलग निर्यात बाजारों में संबद्ध देश के विरुद्ध लागू है। यदि मौजूदा शुल्कों का आगे विस्तार नहीं किया जाता है तब भारत बिना किसी व्यापार उपचारात्मक उपाय के संबद्ध देश के लिए एकमात्र प्रमुख निर्यात स्थल होगा।

- च. कोविड-19 महामारी के कारण जांच की अवधि के दौरान आयातों में गिरावट आई है। यह आशा की जाती है कि आयात कोविड-19 की स्थिति में सुधार होते ही बढ़ जायेगा।
- छ. चीन जन. गण. से कीमत में कटौती नकारात्मक है। यह उल्लेख करना संगत है कि चीन जन. गण. से कीमत में कटौती मूल जांच की जांच अवधि के दौरान भी नकारात्मक थी। संबद्ध वस्तुओं के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया जो जांच की अवधि के दौरान लागू रहा है और वह संदर्भ कीमत तंत्र के आधार पर हुआ है। संबद्ध देश से उत्पादकों/ निर्यातकों ने पाटनरोधी शुल्क के भुगतान से बचने के लिए उपर्युक्त संदर्भ कीमत स्तर से कीमतों को अधिक रखा।
- ज. कोई निश्चयात्मक निष्कर्ष प्राधिकारी द्वारा जांच की अवधि के दौरान उच्चतर आयात कीमतों और जांच की अवधि के दौरान सकारात्मक पाटन मार्जिन, कीमत में कटौती अथवा कम कीमत पर बिक्री के नहीं होने अथवा उसके कम होने के आधार पर नहीं निकाला जाना चाहिए। इसकी संभावना की जांच में, प्राधिकारी को आयात कीमतों पर इस प्रकार से विचार करना चाहिए मानो उन्हें (i) मूल जांच के समय मौजूदा स्तर तक कम किया गया था अथवा (ii) प्राधिकारी द्वारा निर्धारित संदर्भ कीमत से कम किया गया था।
- झ. चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत और घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमत के बीच तुलना संगत नहीं है। प्राधिकारी को पाटनरोधी शुल्क समाप्त किये जाने की स्थिति में पाटन और क्षति की संभावना की जांच कर संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क को लगातार लगाये जाने की आवश्यकता की जानी करनी चाहिए।
- ञ. पाटनरोधी शुल्क के आधार पर संदर्भ कीमत के मामले में, वास्तविक आयात कीमत पर कीमत में कटौती करने का निर्धारण करने के लिए विश्वास नहीं किया जा सकता है क्योंकि पाटनरोधी शुल्क का तत्व संबद्ध देश के आयात/ निर्यात कीमत में विद्यमान है। इस कारण से, कीमत में कटौती का आकलन आयात कीमत में “विद्यमान” पाटनरोधी शुल्क की कटौती करने के बाद किया जाना चाहिए। यदि प्राधिकारी औसत पाटनरोधी शुल्क का अपवर्जन करते हैं जैसा कि मूल जांच के दौरान गणना की गई है, कीमत में कटौती बहुत अधिक हद तक सकारात्मक हो जायेगी।
- ट. जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से औसत निर्यात कीमत स्टीक नहीं हो सकती है क्योंकि अन्य देशों से आयात कीमत 2017-18 से 2019-20 के दौरान चीन जन. गण. से आयात कीमत की तुलना में निरंतर रूप से अधिक रही है। जबकि, जांच की अवधि के दौरान, चीन जन. गण. से आयात कीमत अन्य देशों से आयात कीमत की तुलना में अधिक है। संबद्ध देश से औसत निर्यात कीमत में पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में बहुत अधिक हद तक वृद्धि हुई है। अलग अलग उत्पादकों/ निर्यातकों की निर्यात कीमत सत्यापन के योग्य नहीं है क्योंकि कोई भी उत्पादक/ निर्यातक ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग नहीं लिया है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से उत्पादकों/ निर्यातकों को निर्णायक समीक्षा की सही अवधि के बारे में जानकारी थी और इस कारण से उनके लिए यह संभव था कि वे भारत को अपने निर्यातों के लिए उच्चतर औसत कीमत रखें। प्राधिकारी को इस तथ्य की जांच करनी चाहिए कि क्या निर्यात कीमत में वृद्धि आर्थिक तर्क पर आधारित है अथवा क्षणिक है।

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (अक्टूबर 19 से मार्च 21)
चीन जन. गण. से आयात कीमत (सी आई एफ)	भारतीय रु./ मी. ट.	35,822	48,143	46,927	51,203
अन्य देशों से आयात कीमत (सी आई एफ)	भारतीय रु./ मी. ट.	43,048	52,823	50,832	49,010

- ठ. उत्पादकों/ निर्यातकों के बीच सी आई एफ के रूप में सुपुदर्शी का उल्लेख करने की एक प्रथा भी है जबकि इन वस्तुओं को आई सी डी पर सुपुर्द किया गया है और इसके परिणामस्वरूप रिकार्ड पर कीमत में आई सी डी पोर्ट को आयात की पहली पोर्ट से दुलाई लागत की एक अतिरिक्त कीमत तत्व शामिल है। सीमा शुल्क के मूल्यांकन नियमावली के अनुसार, आई सी डी को आयात की पहली पोर्ट भाड़े तत्व को सीमा शुल्क के प्रयोजनों से मूल्य में शामिल नहीं किया जाना है और तदनुसार पाटनरोधी जांच के लिए पहुंच मूल्य की गणना करते समय उसे भी शामिल नहीं किया जाना चाहिए।
- ड. घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग 2019-20 तक स्थिर थी और उसके बाद जांच की अवधि (वार्षिकीकृत) के दौरान गिरावट आई।
- ढ. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में 2018-19 में सुधार हुआ है और उसके बाद लाभप्रदता में पुनः गिरावट 2019-20 से आगे आई। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क संरक्षण वापस ले लिया जाता है तब यह घरेलू उद्योग की लाभप्रदता को और आगे गंभीर रूप से प्रभावित करेगा।
- ण. घरेलू उद्योग के नकद लाभ में 2018-19 में सुधार हुआ है और उसके बाद 2019-20 में लाभप्रदता में फिर गिरावट आई है।
- त. घरेलू उद्योग का आर ओ सी ई बिलकुल ही कम है और कार्यकारी द्वारा अनुमति दिये गये 22 प्रतिशत के मानक रिटर्न से बहुत कम है।
- थ. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं की गुणवत्ता आयात किये गये वस्तुओं के समतुल्य है। घरेलू उद्योग के पास भारतीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है और इस कारण से माल की उपलब्धता एक बाधा नहीं है। सुपुदर्शी संबंधी समस्याएं भी लगभग मौजूद नहीं हैं। अनेक भारतीय ग्राहक उन कीमतों को लगाते हैं जिन पर आयात की गई वस्तुएं भारत में आ रही हैं और घरेलू उद्योग को आयात कीमतों के अनुरूप कीमत रखने के लिए कहना चाहिए।
- द. भारत में घरेलू उत्पादकों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा का आकलन संगत नहीं है। परस्पर प्रतिस्पर्धा ध्यान दिये बिना, कम कीमतों पर चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयात के कारण पाटन और क्षति की स्पष्ट संभावना है। चीन जन. गण. से आयात कीमतों में ऐतिहासिक रुझान यह दर्शाता है कि आयात कीमतें बहुत कम समयावधि में बहुत अधिक हद तक गिर सकती हैं।

छ. 2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोध

41. किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में कोई अनुरोध नहीं किया है।

छ. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

42. अनुबंध-II के साथ पठित इस नियमावली के नियम 11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति के निर्धारण में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो।
43. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा इस प्रकार के आयातों के प्रभाव के कारण अन्य प्रकार से कीमतों पर बहुत अधिक दबाव पड़ने वाला है अथवा कीमत में वृद्धि रुकने वाली है जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक हद तक हुई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए, उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री मात्रा, माल सूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन का परिमाण और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले कारकों पर विचार अनुबंध 11 के अनुसार किया गया है।
44. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में जांच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोधों तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गये अनुरोधों की जांच और उसका समाधान वर्तमान अंतिम जांच परिणामों में किया गया है।

45. इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये विभिन्न अनुरोधों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी ने पाटन और क्षति की संभावना के पहलुओं की जांच करने के लिए कार्यवाही करने के पूर्व घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति, यदि कोई हो की जांच की है।
46. प्राधिकारी ने क्षति और कारणात्मक संबंध पर घरेलू उद्योग द्वारा किये गये विभिन्न अनुरोधों को नोट किया है और रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों और लागू कानूनों पर विचार करते हुए उसका विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण वास्तव में घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोधों पर ध्यान देता है।
47. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में, प्राधिकारी ने 1 अक्टूबर, 2019 से 31 मार्च, 2021 की 18 महीने की लंबी अवधि को जांच की अवधि के रूप में माना है ताकि यह वर्तमान और संभावित पाटन और क्षति जिसके कारण नुकसान घरेलू उद्योग को हो रहा है पर्याप्त समझ देती है। इसके साथ ही अपेक्षाकृत लंबी जांच की अवधि को वर्तमान निर्णायक समीक्षा में उपयुक्त माना गया था क्योंकि 2020-21 की पहली तिमाही में व्यापार कोविड-19 के कारण प्रभावित हुआ था और अपेक्षाकृत लंबी अवधि कथित पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वर्तमान क्षति और क्षति की संभावना आकलन करने के लिए उचित होगा।

क. मांग का आकलन

48. प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत का निर्धारण भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में किया है। इस प्रकार से आकलित मांग नीचे तालिका में दी गई है।

क्र. सं.	विवरण	यू. क्यू. एम.	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)	जांच की अवधि (अक्टूबर 19 से मार्च 21)
1	संबद्ध देश (चीन जन. गण.)	मी. ट.	71,291	1,35,037	44,386	28,476	42,713
		प्रवृत्ति	100	189	62	40	60
2	अन्य देश	मी. ट.	78,602	97,399	45,864	33,311	49,966
		प्रवृत्ति	100	124	58	42	64
3क	भाग लेने वाले उत्पादकों की घरेलू बिक्री	मी. ट.	14,99,885	15,43,966	15,07,705	15,06,722	22,60,083
		प्रवृत्ति	100	103	101	100	151
3ख	समर्थकों की घरेलू बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***	***
		प्रवृत्ति	100	128	221	221	332
4	अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***	***
		प्रवृत्ति	100	107	120	135	202
5	कुल मांग	मी. ट.	39,61,437	43,12,974	46,76,549	49,37,675	74,06,512
		प्रवृत्ति	100	109	118	125	187

49. यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में क्षति की समग्र अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

ख. पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव

- i. आयात की मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

50. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा का प्रभाव की जांच प्राधिकारी द्वारा निम्नानुसार की गई है।

क्र. सं.	विवरण	यू. क्यू. एम.	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)	जांच की अवधि (अक्टूबर 19 से मार्च 21)
1	संबद्ध देश (चीन जन. गण.)	मी. ट.	71,291	1,35,037	44,386	28,476	42,713
2	निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध देश से आयात -						
क	कुल भारतीय उत्पादन	%	2%	3%	1%	1%	1%
ख	खपत	%	2%	3%	1%	1%	1%
ग	कुल आयात	%	48%	58%	49%	46%	46%

51. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयात में क्षति की अवधि और जांच की अवधि के दौरान पूर्ण रूप में तथा कुल भारतीय उत्पादन की तुलना में गिरावट आई है।

ग. पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

52. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में इस तथ्य का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में कथित पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से कीमतों पर अन्य प्रकार से दबाव पड़ने वाला है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से सामान्य प्रक्रिया में हुई होती।

53. तदनुसार, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती और कीमत ह्रास/ न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजन से घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और निवल बिक्री वसूली (एन एस आर) की तुलना संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों की पहुँच कीमत से की गई है।

i. कीमत में कटौती

54. कीमत कटौती का निर्धारण भारत में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से संबद्ध देश से आयातों के पहुँच कीमत की तुलना करते हुए की गई है।

क्र. सं.	विवरण	यू. क्यू. एम.	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (अक्टूबर 19 से मार्च 21)
1	निवल बिक्री प्राप्ति	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
2	पहुँच कीमत - चीन जन. गण.	रु./ मी. ट.	39,512	53,439	52,089	56,548
3	कीमत में कटौती - चीन जन. गण.	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
4	कीमत में कटौती - चीन जन. गण.	%	***	***	***	***
5	कीमत में कटौती - चीन जन. गण.	रेंज	(0-10%)	(10-20%)	(20-30%)	(20-30%)

55. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आयातों की पहुंच कीमत जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अधिक है। इस कारण से कीमत में कटौती चीन जन. गण. से नकारात्मक है।

ii. कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

56. इस तथ्य का निर्धारण करने के उद्देश्य से की पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों पर दबाव पड़ रहा है अथवा वे कम हो रही हैं और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों पर बहुत अधिक हद तक दबाव पड़ने वाला है अथवा कीमत में वृद्धि रुक जाने वाली है जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक हद तक हुई होती, प्राधिकारी क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तन को नोट करते हैं।

क्र. सं.	विवरण	यू क्यू एम	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (अक्टूबर 19 से मार्च 21)
1	पहुंच कीमत – संबद्ध देश	रु./ मी. ट.	39,512	53,439	52,089	56,548
		सूचीबद्ध	100	135	132	143
2	प्रति यूनिट बिक्री की लागत – घरेलू	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	107	105	109
3	प्रति यूनिट बिक्री कीमत – घरेलू	रु./ मी. ट.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	119	101	108

57. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देश से जांच की अवधि के दौरान अधिक पहुंच मूल्य विश्वसनीय प्रतीत नहीं होता है क्योंकि चीन जन. गण. से आयात कीमत जांच की अवधि में अन्य देशों से आयात कीमत से चीन जन. गण. से आयात कीमत में अचानक वृद्धि के कारण अधिक रही है जबकि चीन जन. गण. से आयात कीमत क्षति की जांच की अवधि के पहले तीन वर्षों के दौरान अन्य देशों से आयात कीमत से कम रही है।

घ. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड पर प्रभाव

58. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में इस प्रकार के उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुपरक जांच शामिल होगी। पाटनरोधी नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और तत्वों जिनका घरेलू उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; वे कारक जो घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा पर प्रभाव डालते हों; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। तदनुसार, घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है।

i. उत्पादन, क्षमता, क्षमता का उपयोग और बिक्री

59. प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन, क्षमता, क्षमता का उपयोग और बिक्री की मात्रा पर विचार किया है।

क्र. सं.	विवरण	यू ओ एम	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)	जांच की अवधि (अक्टूबर 19 से मार्च 21)
1	क्षमता	मी. ट.	35,70,000	35,70,000	35,70,000	37,70,000	56,55,000
		सूचीबद्ध	100	100	100	106	158
2	उत्पादन – पी यू सी	मी. ट.	17,58,960	16,83,466	17,60,261	17,48,427	26,22,640
		सूचीबद्ध	100	96	100	99	149

3	उत्पादन – एन पी यू सी	मी. ट.	14,49,785	15,80,904	13,23,442	11,01,787	16,52,680
		सूचीबद्ध	100	109	91	76	114
4	क्षमता का उपयोग		90%	91%	86%	76%	76%
		सूचीबद्ध	100	102	96	84	84
5	घरेलू बिक्री	मी. ट.	14,99,885	15,43,966	15,07,705	15,06,722	22,60,083
		सूचीबद्ध	100	103	101	100	151

60. यह देखा गया है कि :

- क. घरेलू उद्योग की क्षमता क्षति की अवधि के दौरान स्थिर रही है और उसमें जांच की अवधि के दौरान आंशिक रूप से वृद्धि हुई है।
- ख. घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में जांच की अवधि गिरावट आई है।
- ग. क्षति की अवधि के दौरान कुल उत्पादन और घरेलू बिक्री स्थिर रही है।

ii. मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

61. मांग में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है :

क्र. सं.	विवरण	यू ओ एस	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)	जांच की अवधि (अक्टूबर 19 से मार्च 21)
1	संबद्ध देश	%	2%	3%	1%	1%	1%
		%- रेंज	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%
2	अन्य देश	%	2%	2%	1%	1%	1%
		%- रेंज	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%
3	घरेलू उद्योग की बिक्री	%	38%	36%	32%	31%	31%
		%- रेंज	30-40%	30-40%	30-40%	30-40%	30-40%
4	समर्थकों की बिक्री	%	***	***	***	***	***
		%- रेंज	0-10%	0-10%	10-20%	10-20%	10-20%
5	अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	***	***	***	***	***
		%- रेंज	50-60%	50-60%	50-60%	50-60%	50-60%

62. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में क्षति की अवधि के दौरान निरंतर रूप से गिरावट आई है।

iii. मालसूची

63. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति नीचे दी गई है :

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)
औसत माल सूची	मी. ट.	62,088	72,988	1,03,634	1,02,539
	सूचीबद्ध	100	118	167	165

64. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के औसत माल सूची में 2019-20 तक वृद्धि हुई है और फिर उसमें जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है।

iv. लाभ अथवा हानि, नकद लाभ और निवेश पर प्रतिफल

65. घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जंच लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल के संबंध में की गई है।

क्र. सं.	विवरण	यू ओ एम	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)	जांच की अवधि (अक्टूबर 19 से मार्च 21)
1	बिक्री की लागत	रु./ मी. ट.	***	***	***	***	***
		प्रवृत्ति	100	107	105	109	109
2	बिक्री कीमत	रु./ मी. ट.	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	119	101	108	108
3	लाभ / हानि	रु. लाख	(***)	***	(***)	(***)	(***)
		सूचीबद्ध	(100)	473	(263)	(153)	(230)
4	लाभ / हानि	रु./ मी. ट.	(***)	***	(***)	(***)	(***)
		सूचीबद्ध	(100)	459	(261)	(152)	(152)
5	नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	565	28	131	197
6	नकद लाभ	रु./ मी. ट.	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	549	27	131	131
7	पी बी आई टी	रु. लाख	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	419	57	97	146
8	पी बी आई टी	रु./ मी. ट.	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	407	57	97	97
9	लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल	%	***	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	385	47	77	77

66. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि लाभ, नकद लाभ, पी बी आई टी और आर ओ सी ई के संबंध में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में 2018-19 में सुधार हुआ और उसके बाद उसमें 2019-20 से आगे गिरावट आई।

v. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

67. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति की जांच की गई थी।

क्र. सं.	विवरण	यू ओ एम	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)	जांच की अवधि (अक्टूबर 19 से मार्च 21)
1	कर्मचारियों की सं.	सं.	10,754	10,641	11,993	12,904	12,904
		सूचीबद्ध	100	99	112	120	120
2	उत्पादकता प्रतिदिन	मी. ट./ दिन	4,819	4,612	4,823	4,790	4,790
		सूचीबद्ध	100	96	100	99	99
3	उत्पादन प्रति कर्मचारी	मी. ट./ सं.	164	158	147	135	135
		सूचीबद्ध	100	97	90	83	83

68. यह नोट किया जाता है प्रति कर्मचारी उत्पादन में क्षति की अवधि के दौरान सतत् रूप से गिरावट आई है।
- vi. वृद्धि
69. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के वृद्धि संबंधी मापदंडों की जांच नीचे दर्शायी गई है :

क्र. सं.	विवरण	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)
1	उत्पादन – पी यू सी	-4%	5%	-1%
2	क्षमता का उपयोग	2%	-5%	-11%
3	घरेलू बिक्री	3%	-2%	0%
4	लाभ/ (हानि) प्रति मी. ट.	***	(***)	***
5	लाभ/ (हानि) रु. लाख	***	(***)	***
6	नकद लाभ	***	(***)	***
7	पी बी आई टी	***	(***)	***
8	आर ओ आई %	***	(***)	***

70. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि -

- क. घरेलू उद्योग का लाभ, नकद लाभ, पी बी आई टी और आर ओ सी ई की लाभप्रदता में 2018-19 में सुधार हुआ और उसके बाद 2019-20 से आगे उसमें गिरावट आई।
- ख. घरेलू उद्योग के क्षमता के उपयोग में सतत् रूप से गिरावट आई है।

- vii. पाटन का परिमाण

71. यह देखा जा सकता है कि पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है बल्कि वास्तविक भी है।

- viii. नई पूंजी जुटाने की क्षमता

72. घरेलू उद्योग में वे कंपनियां हैं जो बहु उत्पाद कंपनियां हैं। इस कारण से नई पूंजी जुटाने की उनकी क्षमता वही है।

ज. कारणात्मक संबद्ध के लिए संगत कारक

73. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी से अन्य बातों के साथ साथ यह अपेक्षित है कि वे पाटित आयातों को छोड़कर किसी अन्य ज्ञात कारक की जांच करें जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं अथवा जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है ताकि इन अन्य कारकों के कारण हुई क्षति के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। जबकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है और कारणात्मक संबंध की जांच पहले ही मूल जांच में की जा चुकी है, प्राधिकारी ने इस तथ्य कि जांच की कि क्या अन्य ज्ञात सूचीबद्ध कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है अथवा क्षति होने की संभावना है। यह जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य कारक घरेलू उद्योग को हुई क्षति में योगदान कर सकते थे अथवा करने की संभावना है।

74. निर्णायक समीक्षा जांच में कारणात्मक संबंध की जांच करने की आवश्यकता के संबंध में, यूएस – ऑयल कंट्री ट्यूबूलर गुड्स (डब्ल्यू टी/डीएस268) पर पाटनरोधी शुल्क में अपीलिय निकाय ने यह माना कि :

“देखने पर, अनुच्छेद 11.3 में जांच प्राधिकारियों से यह अपेक्षित नहीं है कि वे संभावित पाटन और संभावित क्षति के बीच ‘कारणात्मक संबद्ध’ का मौजूद होना सिद्ध करें।”

- i. तृतीय देश से आयातों की मात्रा और कीमत

75. चीन जन. गण. को छोड़कर, भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयात मुख्य रूप से जापान और कोरिया गणराज्य से होते हैं। जापान और कोरिया गणराज्य से आयात कीमत जांच की अवधि को छोड़कर चीन जन. गण. से आयात कीमत से बहुत अधिक है।
- ii. प्रौद्योगिकी का विकास
76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।
- iii. व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्य पद्धतियां
77. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक कार्य पद्धतियां नहीं हैं।
- iv. निर्यात कार्य निष्पादन
78. प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालनों के लिए आंकड़ों पर विचार किया है। इस कारण से घरेलू उद्योग से नीचे कार्य निष्पादन में कोई संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं हो सकता है।
- v. अन्य उत्पादों का कार्य निष्पादन
79. प्राधिकारी ने केवल संबद्ध वस्तुओं के कार्य निष्पादन से संबंधित आंकड़ों विचार किया है। इस कारण से घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किये गये और बेचे गये अन्य उत्पादों के कार्य निष्पादन का घरेलू उद्योग की क्षति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

झ. क्षति मार्जिन का परिमाण

80. प्राधिकारी ने यथासंशोधित अनुबंध-III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। विचाराधीन उत्पाद के एन आई पी का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराये गये और जांच की अवधि के लिए कार्यरत लेखाकार द्वारा विधिवत प्रमाणित उत्पादन की लागत से संबंधित सूचना/ आंकड़ों को अपनाकर किया गया है। एन आई पी की तुलना संबद्ध देश से पहुंच कीमत के साथ क्षति के मार्जिन की गणना करने के लिए की गई है।
81. एन आई पी का निर्धारण करने के लिए, कच्चे माल और उपयोगिताओं के सर्वोत्तम उपयोग पर क्षति की अवधि के दौरान विचार किया गया है। क्षति की अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। असाधारण अथवा गैर आवर्ती खर्च को उत्पादन की लागत से बाहर रखा गया है। विचाराधीन उत्पाद के लिए लगाई गई औसत पूंजी (अर्थात् औसत निवल निर्धारित परिसंपत्ति योग औसत कार्यशील पूंजी) पर उचित प्रतिफल (कर पूर्व 22 प्रतिशत की दर से) की अनुमति इस नियमावली के अनुबंध- III में यथानिर्धारित और अनुसरण की जा रही एन आई पी तय करने के लिए कर पूर्व लाभ के रूप में दी गई थी।
82. जैसा कि ऊपर में निर्धारित किया गया है एन आई पी और पहुंच कीमत के आधार पर, प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित संबद्ध देश से उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन नीचे तालिका में दिया गया है :

देश	उत्पादक/ निर्यातक	एन आई पी (भारतीय रु./ मी. ट.)	पहुंच मूल्य (भारतीय रु./ मी. ट.)	आई एम (भारतीय रु./ मी. ट.)	आई एम %	रेंज
चीन जन. गण.	कोई भी उत्पादक/ निर्यातक	***	56,548	(***)	(***)	(20-30%)

ञ. पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना

ञ. 1 घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोध

83. घरेलू उद्योग द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान निम्नलिखित अनुरोध किये गये हैं :

क. घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में पाटनरोधी शुल्क के सकारात्मक परिणाम के रूप में कुछ सुधार दर्शाया है। हालांकि, जैसे ही पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त किया जायेगा, चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु चीन जन.

गण. में अत्यधिक क्षमताओं और उनके स्थानीय बाजार में सीमित अथवा स्थिर मांग के कारण बिना कम हुए भारतीय बाजार में होंगे।

- ख. 2020 में 86.98 प्रतिशत की क्षमता उपयोग के साथ “2021-2027 में चीन के वायर रॉड में वर्तमान विकास स्थिति पर विश्लेषण रिपोर्ट” शीर्षक वाली क्यू वार्ड अनुसंधान से रिपोर्ट के अनुसार, चीन के उत्पादकों के पास 25 मिलियन टन की निष्क्रिय क्षमताएं हैं जिसका उपयोग भारत सहित निर्यात स्थानों के लिए विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए किया जा सकता है :

विवरण (मिलियन टन)	2018	2019	2020
क्षमता	180	186	191
उत्पादन	144	157	167
उपयोगिता %	80.16%	84.50%	86.98%
निष्क्रिय क्षमता	36	29	25

- ग. चीन जन. गण. में निष्क्रिय क्षमता भारत में संबद्ध वस्तुओं की कुल वार्षिक मांग के 5 गुणा से अधिक है :

विवरण (मिलियन टन)	2018	2019	2020
निष्क्रिय क्षमता	36	29	25
भारतीय मांग	4.3	4.7	4.9
भारतीय मांग की तुलना में निष्क्रिय क्षमता (गुणा)	8	6	5

- घ. चीन के उत्पादकों के पास 191 मिलियन टन की उत्पादन क्षमता है और चीन जन. गण. में घरेलू मांग 163 मिलियन टन है।

विवरण (मिलियन टन)	2018	2019	2020
क्षमता	180	186	191
उपभोग	139	152	163
निर्यात के लिए उपलब्ध क्षमता	41	34	28

- ड. इसके अलावा, चीन जन. गण. में क्षमता आने वाले वर्षों में बहुत अधिक हद तक बढ़ने की आशा है।

विवरण (मिलियन टन)	2021	2022	2023	2024	2025	2026	2027
क्षमता	205	208	223	234	244	253	268

- च. विचाराधीन उत्पाद का चीन जन. गण. से भारत को औसत निर्यात कीमत अन्य देशों को निर्यात कीमत की तुलना में अधिक रही है। इस प्रकार, भारतीय बाजार अन्य देशों की तुलना में चीन जन. गण. से निर्यातकों के लिए कीमत के संदर्भ में अधिक आकर्षक है।

विवरण	इकाई	2018	2019	2020	जांच की अवधि
एफ ओ बी निर्यात कीमत (भारत को छोड़कर चीन जन. गण. से तीसरे देशों को)	अमरीकी डॉलर/मी. ट.	585	527	501	530

स्रोत: आई एस एस बी

विवरण	इकाई	2018	2019	2020	जांच की अवधि
एफ ओ बी निर्यात कीमत (चीन जन. गण. से भारत को)	अमरीकी डॉलर/मी. ट.	664	659	642	669

स्रोत: आई एस एस बी

छ. संबद्ध देश से भारत में आयात पाटनरोधी शुल्क के लगाये जाने के बाद भी और कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न वैश्विक रूप से आपूर्ति संबंधी दिक्कतों के बाद भी हो रहे हैं। संबद्ध देश से आयातों पर पाटन मार्जिन पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बावजूद जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक रही है।

विवरण	इकाई	पद्धति I	पद्धति II
आयात	मी. ट.	42,713	42,713
निवल निर्यात कीमत	रु./ मी. ट.	37,658	37,658
सामान्य कीमत	रु./ मी. ट.	***	44,336
पाटन मार्जिन	रु./ मी. ट.	***	6,678
पाटन मार्जिन	%	***	18%
प्रवृत्ति	रेंज	10-20%	10-20%

ज. चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयात में कीमत के मामले में तेजी से गिरावट हो सकती है और इसके परिणामस्वरूप चीन जन. गण. से आयात की मात्रा में अचानक उछाल देखा जा सकता है। इसे दिनांक 30 अगस्त, 2017 के मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों में प्राधिकारी द्वारा रिकार्ड किये गये अनुसार संबद्ध वस्तुओं के आयातों में प्रवृत्ति से देखा जा सकता है। संबद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा में क्षति की जांच की मूल अवधि के दौरान बहुत कम समय के भीतर अचानक उछाल देखा जा सकता है। चीन जन. गण. संबद्ध वस्तुओं से आयात के पहुंच मूल्य में क्षति की जांच की मूल अवधि के दौरान तीव्र गिरावट देखी गई थी। वैसी ही प्रवृत्ति संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किये जाने की स्थिति में देखे जाने की संभावना है।

झ. जांच की अवधि के दौरान चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों के संबंध में उपलब्ध सूचना यह दर्शाती है कि चीन जन. गण. से तृतीय देशों को अधिकांश निर्यात पाटित और क्षतिकारक कीमतों पर हुए हैं।

विवरण	यू ओ एम	पाटन मार्जिन		क्षति मार्जिन
		पद्धति I	पद्धति II	
चीन जन. गण. से कुल निर्यात	मी. ट.	***	***	***
सकारात्मक पाटन मार्जिन / क्षति मार्जिन वाला निर्यात	मी. ट.	***	***	***
सकारात्मक पाटन मार्जिन / क्षति मार्जिन वाला निर्यात	%	***	***	***
प्रवृत्ति	रेंज	80-90%	80-90%	20-30%

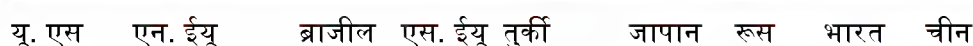
स्रोत – आई आई एस बी आंकड़े

- ज. चीन जन. गण. से तीसरे देशों को अधिकांश निर्यात का सकारात्मक पाटन मार्जिन है। चीन जन. गण. से तीसरे देशों को निर्यात का बहुत बड़ा हिस्सा भी घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है। यदि तृतीय देशों को ये आयात भारत की ओर पाटनरोधी शुल्क वापिस लिये जाने पर विपथित किये जाते हैं तब चीन जन. गण. से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की स्पष्ट संभावना है।
- ट. निम्नलिखित देशों में चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर व्यापार उपचार शुल्क लगाया है/ जारी रखा है।

क्र. सं.	शुल्क लगाने वाले सदस्य	शुल्क का विवरण	उत्पाद विवरण
1.	आस्ट्रेलिया	पाटनरोधी	क्वायल में रॉड
2.	कोलंबिया	पाटनरोधी	निम्न-कार्बन स्टील का बार्स और छड़
3.	डोमिनियन रिपब्लिक	पाटनरोधी	बार्स और छड़
4.	मिस्र	पाटनरोधी	आयरन एलॉय अथवा गैर एलॉय स्टील रिबार का बार्स और छड़
5.	यूरोपीय संघ	पाटनरोधी	वायर रॉड
6.	इण्डोनेशिया	पाटनरोधी	स्टील वायर रॉड
7.	मेक्सिको	पाटनरोधी	स्टील वायर रॉड
8.	थाईलैण्ड	पाटनरोधी	उच्च कार्बन वाला स्टील वायर रॉड
9.	थाईलैण्ड	पाटनरोधी	कम कार्बन वाला स्टील वायर रॉड
10.	संयुक्त राज्य अमेरिका	पाटनरोधी	कार्बन और कुछ एलॉय स्टील वायर रॉड
11.	संयुक्त राज्य अमेरिका	प्रतिसंतुलनकारी शुल्क	कार्बन और कुछ एलॉय स्टील वायर रॉड

- ठ. पाटनरोधी जांच की शुरुआत यूरोपीय यूनियन द्वारा 8 मई, 2008 को मोलदोवा, तुर्की और चीन जन. गण. से वायर रॉड्स के आयातों पर शुरू की गई थी। हालांकि, पाटनरोधी शुल्क 27 जुलाई, 2019 को 5 वर्षों की अवधि के लिए चीन जन. गण. से वायर रॉड्स के आयातों पर लगाया था। पाटनरोधी शुल्क यूरोपीय आयोग द्वारा की गई समीक्षा जांच के समाप्त होने के बाद चीन जन. गण. से आयातों पर पांच वर्षों की आगे की अवधि तक जारी रखा गया था। यूरोपीय यूनियन द्वारा की गई समीक्षा जांच में, यूरोपीय यूनियन में घरेलू उद्योग की स्थिति वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग की स्थिति के समान थी। घरेलू उद्योग ने यूरोपीय यूनियन में क्षति की जांच की अवधि के दौरान जब चीन जन. गण. से कोई निर्यात नहीं हुआ था निवेश और लाभप्रदता पर प्रतिफल में गिरावट देखा। हालांकि, इसने चीन जन. गण. से आयातों के कारण पाटन और क्षति की संभावना के संबंध में यूरोपीय आयोग के अंतिम निष्कर्ष को प्रभावित नहीं किया।
- ड. यूरोपीय आयोग ने चीन जन. गण. से वायर रॉड्स पर पाटनरोधी शुल्क की दूसरी निर्णायक समीक्षा में 13.10.2021 को यह निर्धारित किया है कि पाटनरोधी शुल्क को अन्य 5 वर्षों के लिए जारी रखा जाना है क्योंकि यूरोपीय यूनियन में चीन जन. गण. से वायर रॉड के आयातों के कारण पाटन और क्षति की संभावना है। प्राधिकारी द्वारा चीन जन. गण. से वायर रॉड पर की जा रही वर्तमान निर्णायक समीक्षा के तथ्य वहीं हैं जो यूरोपीय आयोग द्वारा की गई दूसरी निर्णायक समीक्षा के तथ्य हैं।
- ढ. उसी प्रकार से चीन जन. गण. क्वायल में वायर रॉड के आयात पर आस्ट्रेलिया पाटनरोधी आयोग (ए डी सी) द्वारा विधिवत किये गये पाटनरोधी शुल्क की संख्या में मार्च 2021 में उसने अंतिम जांच रिपोर्ट जारी की है। ए डी सी ने चीन जन. गण. से आयातों के कारण क्षति की संभावना के मौजूद होने का निर्धारण किया जब चीन जन. गण. से क्षति की जांच की अवधि के दौरान आस्ट्रेलिया में कोई आयात नहीं हुआ था और आस्ट्रेलिया में घरेलू उद्योग को हानि हो रही थी तथा इसके कार्य निष्पादन में भी गिरावट आ रही थी।

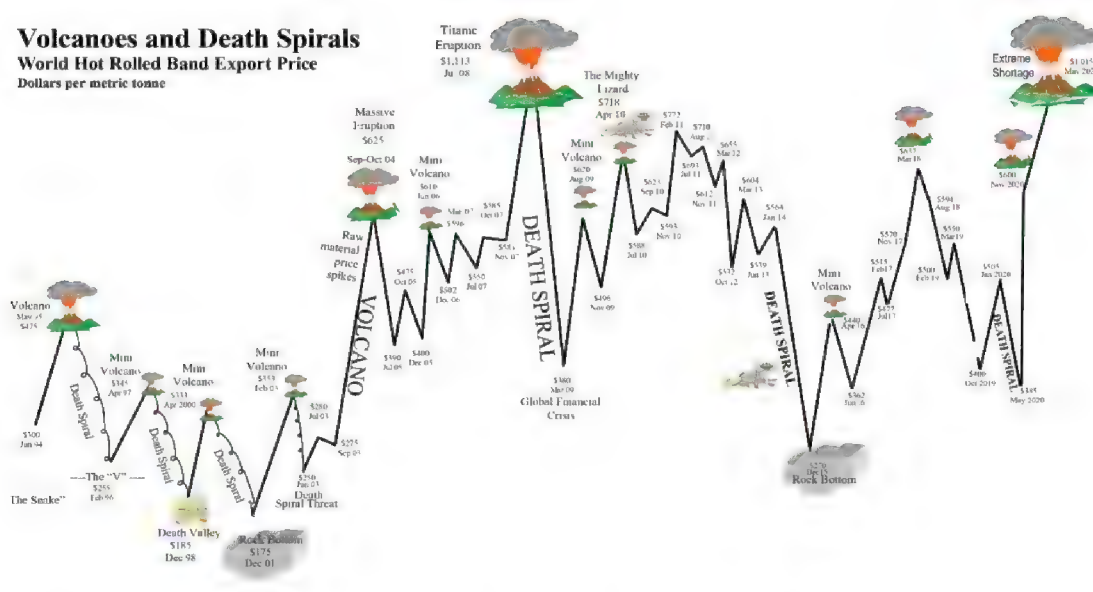
अगस्त 2021 में एच आर सी घरेलू मूल्य (डॉलर/ मी. ट.); (स्रोत: प्लेट/स्टील/मिंट)



त. इस्पात की कीमतें चक्रीय प्रवृत्ति की हैं। 2008 में हॉट रोलड/कोल्ड रोलड स्टील कीमतें अपेक्षाकृत अधिक थी और वे वर्तमान स्तर के समान थे। 2009 में, कीमतों में अचानक गिरावट आई और कीमतें लगभग 65 प्रतिशत तक कम हो गई। स्टील की कीमतों में अचानक से गिरावट आई और दिसंबर, 2015 में वह अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। 2014 की तुलना में इस अवधि के दौरान कीमतों में लगभग 52 प्रतिशत तक गिरावट आई और यह तब हुआ जब भारत में घरेलू उत्पादकों ने भारत सरकार से विभिन्न स्टील उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया। नीचे दिये गये चार्ट स्पष्ट रूप से स्टील बाजार की अत्यधिक सीमा और न्यूनतम सीमा के चक्र को दर्शाता है।

वर्ल्ड हॉट रोलड बैंड निर्यात कीमत

डॉलर प्रति मी. ट.



Source: World Steel Dynamics – Key Developments 2020

स्रोत : वर्ल्ड स्टील डायनेमिक्स – मुख्य घटनाक्रम 2020

- थ. स्टील की कीमतें बहुत अधिक कच्चे माल की कीमतों और आपूर्ति में कमी के कारण इस समय वैश्विक स्तर पर अधिक हैं। हालांकि, वे भावी प्रवृत्तियों के प्रतिनिधिक नहीं हैं। वास्तव में स्टील कीमतों की चक्रीय प्रवृत्ति के अनुसार यह अनुमान लगाया गया है कि कीमतें आने वाले तिमाहियों में कम होंगी। वर्ल्ड स्टील डायनेमिक रिपोर्ट ने आने वाले महीनों में स्टील की कीमतों में तीव्र गिरावट का अनुमान लगाया है।
- द. कीमतों की ऐतिहासिक प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि कीमतों में गिरावट 3 से 4 तिमाहियों के भीतर अचानक होती है और उस समय व्यापार उपचारात्मक शुल्क के प्रति प्रतिक्रिया करने और उसे लगाये जाने की मांग करने का कोई समय नहीं होता। 2015 में जब स्टील की कीमतें तेजी से गिर गई थी तब अनेक स्टील कंपनियां दिवालिया हो गई थीं और उनके परिसमापन की प्रक्रिया शुरू हो गई थी क्योंकि वे कम कीमतों के प्रभाव को झेल पाने में सक्षम नहीं थे।

उदाहरण:

- भूषण पावर एंड स्टील लिमि.
- एस्सार स्टील इंडिया लिमि.
- मोन्ट इस्पात एंड एनर्जी लिमि.
- भूषण स्टील लिमि.
- इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स लिमि.
- ऊषा मार्टिन लिमि.
- एशियन कलर कोटिड इस्पात लिमि.

- ध. एक स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी इस्पात उद्योग राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में इस्पात उद्योग का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 2 प्रतिशत है और यह बहुत अधिक संख्या में प्रत्यक्ष (लगभग 5 लाख) और अप्रत्यक्ष रोजगार (लगभग 20 लाख) सृजित करता है।
- न. 2015 में, जब इस्पात की कीमतों में अचानक गिरावट आई, वायर रॉड (लॉग प्रॉडक्ट्स) की कीमत भी इस अवधि के दौरान अपने न्यूनतम स्तर तक पहुंच गई। चीन जन. गण. से औसत निर्यात कीमतों में 2015 में 319 यू एस डॉलर प्रति मी. ट. (एस बी बी इस्पात कीमतें) तक गिरावट आई। वायर रॉड (लॉग प्रॉडक्ट्स) के चीन जन. गण. से औसत निर्यात कीमत 2014 में 460 यू एस डॉलर प्रति मी. ट. (एस बी बी इस्पात कीमतें) थीं।

वायर रॉड (लॉग प्रॉडक्ट्स)	2015 (औसत)	औसत (2014)
चीन जन. गण. से निर्यात कीमत	319 अमरीकी डॉलर/ मी. ट.	460 अमरीकी डॉलर/ मी. ट.

स्रोत: एस बी बी इस्पात कीमतें – शंघाई

- त. इस प्रकार, जब वैश्विक इस्पात कीमतों में 2015 में गिरावट आई, चीन जन. गण. से लॉग प्रॉडक्ट्स की निर्यात कीमतों में भी बहुत अधिक हद तक गिरावट आई। चीन जन. गण. से, उत्पादक/ निर्यातक कुछ महीनों की समय सीमा के भीतर निर्यात कीमतों को लगभग 140 यू एस डॉलर प्रति मी. ट. अर्थात् 30 प्रतिशत से अधिक तक कम करने में सक्षम थे।
- प. वर्तमान संदर्भ कीमत रूप में पाटनरोधी शुल्क का जनहित पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा था क्योंकि कोई शुल्क वसूला नहीं जा रहा है। हम समझते हैं कि संबद्ध देश से भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयात पर आयातों अथवा प्रयोक्ताओं द्वारा किसी शुल्क का भुगतान नहीं किया गया था क्योंकि आयात उपर्युक्त संदर्भ कीमत से अधिक पर किये गये थे। हालांकि, निर्धारित/ यथा-मूल्य शुल्क की मौजूदगी को मानते हुए घरेलू उद्योग सफेद वस्तुओं में प्रयोक्ता उद्योग और अंतिम उपभोक्ताओं पर शुल्क के मामूली प्रभाव को दर्शाने के लिए निम्नलिखित उदाहरण भी दे रहे हैं।

उदाहरण 1: वायर राड – कार (वायर और फासनरी)

कार का कीमत	5 लाख रु.
कार में वायर राड उत्पादों का वजन = 750 किग्रा. * 34% * 30%	77 किग्रा.
वायर राड की प्रति मी. टन. अनुमानित कीमत	33,825 रु. प्रति मी. टन
20 प्रतिशत की दर से सुनिश्चित पाटनरोधी शुल्क (एडीडी)	रु. 6,765 पी एम टी
प्रति कार पाटनरोधी शुल्क की गणना	= 77/1000 * रु. 6,765
प्रति कार पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव	रु. 521/- और 0.1%

उदाहरण 2: वायर राड – कार टायर

कार टायर की कीमत (15")	रु. 5000
कार टायर में वायर राड उत्पादों का वजन = 9kg * 12%	1.1 किग्रा.
वायर राड की प्रति मी. टन. अनुमानित कीमत	33,825 रु. प्रति मी. टन
20 प्रतिशत की दर से सुनिश्चित पाटनरोधी शुल्क (एडीडी)	रु. 6,765 पी एम टी
प्रति कार टायर पाटनरोधी शुल्क की गणना	= 1.1/1000 * रु. 6,765
प्रति कार टायर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव	रु. 7.4/- और 0.15%

उदाहरण 3: वायर राड – स्टेप्लर पिन्स

स्टेप्लर पिन्स की कीमत (20 बॉक्स / 1000 पिन्स प्रति बॉक्स)	रु. 180
20 बॉक्स / 1000 पिन्स प्रति बॉक्स का वजन	0.44 किग्रा.
वायर राड की प्रति मी. टन. अनुमानित कीमत	33,825 रु. प्रति मी. टन
20 प्रतिशत की दर से सुनिश्चित पाटनरोधी शुल्क (एडीडी)	रु. 6,765 पी एम टी
प्रति 20 बॉक्स / 1000 पिन्स प्रति बॉक्स पाटनरोधी शुल्क की गणना	= 0.44/1000 * रु. 6,765
स्टेप्लर पिन्स के प्रति 20 बॉक्स पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव	रु. 2.98/- और 1.65%

फ. जैसा कि उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है लगभग 20 प्रतिशत पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव वायर राड से बनाये गये अंतिम उत्पादों पर 0-2 प्रतिशत है।

अ. 2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोध

84. किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

अ. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

85. वर्तमान जांच चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है। इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे इस तथ्य का निर्धारण करें कि क्या मौजूदा शुल्क के समाप्त होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है।

86. ऐसी संभावना का विश्लेषण करने के लिए कोई विशिष्ट पद्धति उपलब्ध नहीं है। हालांकि, इस नियमावली के अनुबंध II के खंड (vii) ने अन्य बातों के साथ साथ उन कारकों का प्रावधान है जो क्षति के खतरे के लिए संगत हैं और उन कारकों का उपयोग निर्णायक समीक्षा में भी संभावना के विश्लेषण के लिये किया जा सकता है :
- क) पर्याप्त रूप से बढ़े हुए आयात की संभावना को दर्शाते हुए भारत में पाटित आयातों की वृद्धि का बहुत अधिक दर।
- ख) पर्याप्त निःशुल्क रूप से बिक्री योग्य अथवा आसन्न, निर्यातक की क्षमता में बहुत अधिक वृद्धि जो किसी अतिरिक्त निर्यातों को खपाने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजारों को बहुत अधिक हद तक बढ़े हुए पाटित निर्यातों की संभावना को दर्शाता हो।
- ग) क्या आयात उन कीमतों पर हो रहे हैं जिनका घरेलू कीमतों पर बहुत अधिक ह्रासकारी अथवा न्यूनकारी प्रभाव पड़ेगा तथा आगे आयातों के लिए मांग में संभवतः वृद्धि होगी; और
- घ) जांच की जा रही वस्तु की माल सूची
87. प्राधिकारी ने इस नियमावली के अनुबंध II के खंड (vii) में सूचीबद्ध कारकों तथा अन्य संगत कारकों जिसका घरेलू उद्योग को पाटन और परिणामी क्षति के फिर से होने की संभावना पर प्रभाव पड़ सकता है कि उस सीमा तक जांच की है जिस सीमा तक वे उपयुक्त माने गये हैं।
88. इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि थाई एंक्रेलिक फाइबर कं. लिमि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में, माननीय सेस्टेट ने उस स्थिति में जहां घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है क्षति की संभावना की जांच के संबंध में निम्नानुसार टिप्पणी की :
- “क्षति के निर्धारण के संबंध, यदि पाटनरोधी शुल्क का अपेक्षित प्रभाव पड़ा हो, घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में यह आशा की जायेगी कि यह पाटनरोधी शुल्क के लागू रहने की अवधि के दौरान बढ़ा है। इस कारण से, यह आकलन की क्या क्षति घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों, कीमतों और प्रभाव के अनुमानित स्तरों के आधार पर भविष्य की घटनाओं का एक प्रति तथ्यात्मक विश्लेषण शामिल होगा, जारी रहेगा अथवा फिर से होगा। इस प्रकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस प्रश्न पर ध्यान देना है कि क्या घरेलू उद्योग को शुल्क हटाये जाने पर फिर बहुत अधिक क्षति होने की संभावना है।”*
89. बोरोक्स मोराजी लिमि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी माननीय ट्रिब्यूनल ने यह नोट किया कि :
- “यह अभिव्यक्ति ‘फलस्वरूप संभवतः फिर से होगी’ अपने अर्थ में उस स्थिति को लेगा जहां पाटनरोधी क्षति शुल्क लगाने और उसे जारी रखने जो यदि पांच वर्षों के समाप्त होने पर प्रभावी नहीं होने दिया जाये, के फलस्वरूप पाटन और क्षति के फिर से होने की संभावना है, के कारण समीक्षा के समय नहीं हो सकती है।”*
90. विश्व व्यापार संगठन की अपीलीय निकाय ने यू एस – जंगरोधी इस्पात निर्णायक समीक्षा (जापान) (डी एस 244) ने यह नोट किया कि किसी निर्णायक समीक्षा जांच में निर्धारण एक भावी जांच है जहां प्राधिकारी को आगे की दृष्टि के साथ विश्लेषण करना चाहिए और उस मुद्दे का समाधान करने की कोशिश करनी चाहिए जो शुल्क को समाप्त किये जाने की स्थिति में संभवतः होगा। अपीलीय निकाय ने यह नोट किया :
- “105 यह अपील उन दायित्वों से संबंधित है जो इन शर्तों के समर्थन के संबंध में जांच करने वाले प्राधिकारियों पर लागू होते हैं। यह उस विशिष्ट विषय पर केंद्रित करता है जिसे प्राधिकारी को अनुच्छेद 11.3 “यह कि शुल्क को समाप्त करने के फलस्वरूप पाटन के जारी रहने व उसके फिर से होने की संभावना है,” के अनुसार निर्धारण करने में अवश्य पालन करना चाहिए। इस रिपोर्ट में, हम “संभावना का निर्धारण” के रूप में इस निर्धारण का संदर्भ लेते हैं। संभावना का निर्धारण एक भावी निर्धारण है। अन्य शब्दों में प्राधिकारियों को आगे के दृष्टिकोण के साथ विश्लेषण करना चाहिए और उस मुद्दे का समाधान करने की कोशिश करनी चाहिए, जो शुल्क के समाप्त किये जाने पर संभवतः होगा।”*
91. इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे शुल्क को रद्द किये जाने की स्थिति में क्षति के फिर से होने की संभावना की जांच करें।

92. संबद्ध देश से उत्पादकों/ निर्यातकों के भाग न लिये जाने की स्थिति में, प्राधिकारी ने संभावना का विश्लेषण करने के लिए उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास किया है।

क. बहुत अधिक मात्राओं में सतत आयात

93. क्षति की जांच की अवधि के दौरान आयातों की मात्रा निम्नानुसार है:

विवरण	इकाई	2017-18	2018-19	2019-20	जांच की अवधि (वार्षिकीकृत)	जांच की अवधि
कुल आयात	मी. ट.	1,49,894	2,32,436	90,250	61,787	92,680
चीन जन. गण. से आयात	मी. ट.	71,291	1,35,037	44,386	28,476	42,713
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	78,602	97,399	45,864	33,311	49,966

94 यह देखा गया है कि संबद्ध देश से आयात स्वतंत्र रूप में और भारत में कुल आयातों तथा भारतीय मांग की तुलना में दोनों में बहुत अधिक होना जारी है।

ख. संबद्ध देश से पाटन का जारी रहना

95. संबद्ध देश से आयातों के कारण पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन मूल जांच के दौरान बहुत अधिक था। वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच की जांच की अवधि में पाटन मार्जिन भी बहुत अधिक और न्यूनतम पाटन मार्जिन से बहुत ज्यादा है।

ग चीन जन. गण. में अतिरिक्त क्षमता

96. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. के किसी भी उत्पादक/ निर्यातक ने संबद्ध निर्णायक समीक्षा में भाग नहीं लिया है। इस कारण से कोई भी सूचना प्राधिकारी के पास चीन जन. गण. के उत्पादकों/ निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर उपलब्ध नहीं है।

97. “प्राधिकारी ने 2021-2027 में चीन के वायर रॉड की वर्तमान विकास स्थिति और संभावना पर विश्लेषण रिपोर्ट” शीर्षक वाली यू वाई अनुसंधान से उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखा है।

विवरण (मिलियन टन)	2018	2019	2020
क्षमता	180	186	191
उत्पादन	144	157	167
उपयोगिता %	80.16%	84.50%	86.98%
निष्क्रिय क्षमता	36	29	25

98. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन. गण. में निष्क्रिय क्षमता भारत में संबद्ध वस्तुओं की कुल वार्षिक मांग का 5 गुणा से अधिक है।

विवरण (मिलियन टन)	2018	2019	2020
निष्क्रिय क्षमता	36	29	25
भारतीय मांग	4.3	4.7	4.9
भारतीय मांग की तुलना में निष्क्रिय क्षमता (गुणा)	8	6	5

99. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि चीन जन. गण. में क्षमता आने वाले वर्षों में बहुत अधिक हद तक बढ़ने की आशा है।

विवरण (मिलियन टन)	2021	2022	2023	2024	2025	2026	2027
क्षमता	205	208	223	234	244	253	268

घ. अन्य देशों के द्वारा व्यापार उपचारात्मक शुल्क

100. रिकार्ड पर सूचना के अनुसार, भारत के अलावा अन्य देशों के द्वारा संबद्ध देश के विरुद्ध वर्तमान में अनेक व्यापार उपचारात्मक शुल्क लगाये गये हैं।
101. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के लिये बहुत अधिक उत्पादन आधार वाले प्रायः सभी देशों में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध व्यापार उपचार शुल्क लगाये हैं।

ड. कीमत आकर्षकता

102. चीन के उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता के संबंध में सूचना नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	इकाई	2018	2019	2020	जांच की अवधि
एफ ओ बी निर्यात कीमत (भारत को छोड़कर चीन जन. गण. से तीसरे से)	अमरीकी डॉलर/ मी. ट.	585	527	501	530

स्रोत: आई एस एस बी

103. यह देखा जा सकता है कि चीन जन. गण. से उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा तीसरे देशों के लिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात, भारत को निर्यात कीमत से कम कीमत पर किया गया है। इस प्रकार से भारतीय बाजार, चीन जन. गण. से उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए एक आकर्षक बाजार है।

विवरण	इकाई	2018	2019	2020	जांच की अवधि
एफ ओ बी निर्यात कीमत (चीन जन. गण. से भारत)	अमरीकी डॉलर/ मी. ट.	664	659	642	669

स्रोत: आई एस एस बी

च. पाटित कीमतों पर तीसरे देशों को निर्यात

104. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि की दौरान चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों के संबंध में उपलब्ध सूचना दर्शाती है कि चीन जन. गण. से तीसरे देशों को अधिकांश निर्यात पाटित और क्षतिकारक कीमतों पर हुए हैं।

विवरण	यू ओ एम	पाटन मार्जिन	क्षति मार्जिन
चीन जन. गण. से कुल निर्यात	मी. ट.	***	***
सकारात्मक पाटन मार्जिन/ क्षति मार्जिन वाले निर्यात	मी. ट.	***	***
सकारात्मक पाटन मार्जिन/ क्षति मार्जिन वाले निर्यात	%	***	***
प्रवृत्ति	रेंज	80-90%	20-30%

स्रोत : आई एस एस बी आंकड़े

105. यह पाया गया है कि चीन जन. गण. से तीसरे देशों को निर्यातों का पर्याप्त हिस्सा सकारात्मक पाटन मार्जिन पर है। चीन जन. गण. से तीसरे देशों के लिए निर्यातों का उचित हिस्सा, घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एनआईपी से कम है। यदि तीसरे देशों को कम कीमत के पाटित और क्षतिकारी निर्यातों को, पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में भारत को भेजा जाता है, तो इसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति होगी।

छ. इस्पात कीमतों की चक्रीय प्रवृत्ति

106. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस्पात की कीमतें चक्रीय प्रवृत्ति की है और वे इन वर्षों के दौरान बहुत अधिक अस्थिर रहे हैं। ये कीमतें कुछ अवधियों के दौरान उच्चतम होने और उसके बाद गिरावट के साथ बहुत अधिक परिवर्तन के अध्वधीन हैं। वर्तमान इस्पात कीमतें आपूर्ति में कमी और अत्यधिक कच्चे माल कीमतों के कारण ऊपर की ओर प्रवृत्ति को दर्शाती हैं। इस्पात की कीमतें संभवतः निकट भविष्य में कम होंगी और स्थिर होंगी।

ज. सफेद वस्तुओं में प्रयोक्ता उद्योग और अंतिम उपभोक्ताओं पर शुल्क का मामूली प्रभाव

107. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए आंकड़े/ सूचना यह दर्शाते हैं कि प्रयोक्ता उद्योग के संबंध में पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव अपर्याप्त है।

ट. सतत और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की जांच

108. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों तथा उनमें उठाए गए मामलों की जांच करने के बाद और रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :-

- क. संबद्ध देश से आयात, पूर्ण संदर्भ में और भारत में कुल आयातों तथा भारतीय मांग के संदर्भ में, दोनों में महत्वपूर्ण रूप से जारी रहे।
- ख. संबद्ध देश से आयातों के कारण, पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन मूल जांच के दौरान पर्याप्त था। वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच की जांच की अवधि में पाटन मार्जिन भी पर्याप्त है और न्यूनतम पाटन मार्जिन से अधिक है।
- ग. प्राधिकारी द्वारा एक व्यापक संभावना का विश्लेषण तथा आकलन किया गया, जिससे यह निष्कर्ष निकाला गया है कि शुल्क को हटाए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने/ पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
- घ. प्राधिकारी ने पाटन और क्षति की संभावना की मौजूदगी के लिए निष्कर्ष देने के लिए निम्नलिखित तथ्यों पर भरोसा किया है :-
 - i. संबद्ध देश में उत्पादकों/ निर्यातकों के पास विचाराधीन उत्पाद के लिए भारी मात्रा में सरप्लस क्षमताएं उपलब्ध हैं, जैसा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध स्वतंत्र रिपोर्टों से स्पष्ट है।
 - ii. अधिकांश देशों, जिनके पास संबद्ध वस्तुओं के लिए बेहतर उत्पादन आधार है, ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में व्यापार उपचारी उपाय किए हैं और/ अथवा जारी रखे हैं।
 - iii. संबद्ध देश से तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना की जांच यह दर्शाती है कि तीसरे देशों को निर्यात, भारत को निर्यात कीमत से कम कीमतों पर हैं, जो यह दर्शाता है कि भारतीय बाजार संबद्ध देश से निर्यातकों के लिए कीमत के संबंध में अधिक आकर्षक बाजार है।
 - iv. संबद्ध देश से तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में, रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना की जांच यह दर्शाती है कि तीसरे देशों को महत्वपूर्ण निर्यात, पाटित कीमतों पर हैं।
 - v. वैश्विक इस्पात कीमतों की ऐतिहासिक प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि इस्पात की कीमतें आवर्ती प्रकृति की हैं और जब वैश्विक इस्पात कीमतों में गिरावट हो, तो कम कीमत पर आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।

ठ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटीकरण के उपरांत के विवरण के अनुरोध

ठ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रकटीकरण के उपरांत के विवरण के अनुरोध

109. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रकटीकरण के उपरांत के अनुरोध संक्षेप में इस प्रकार हैं :-

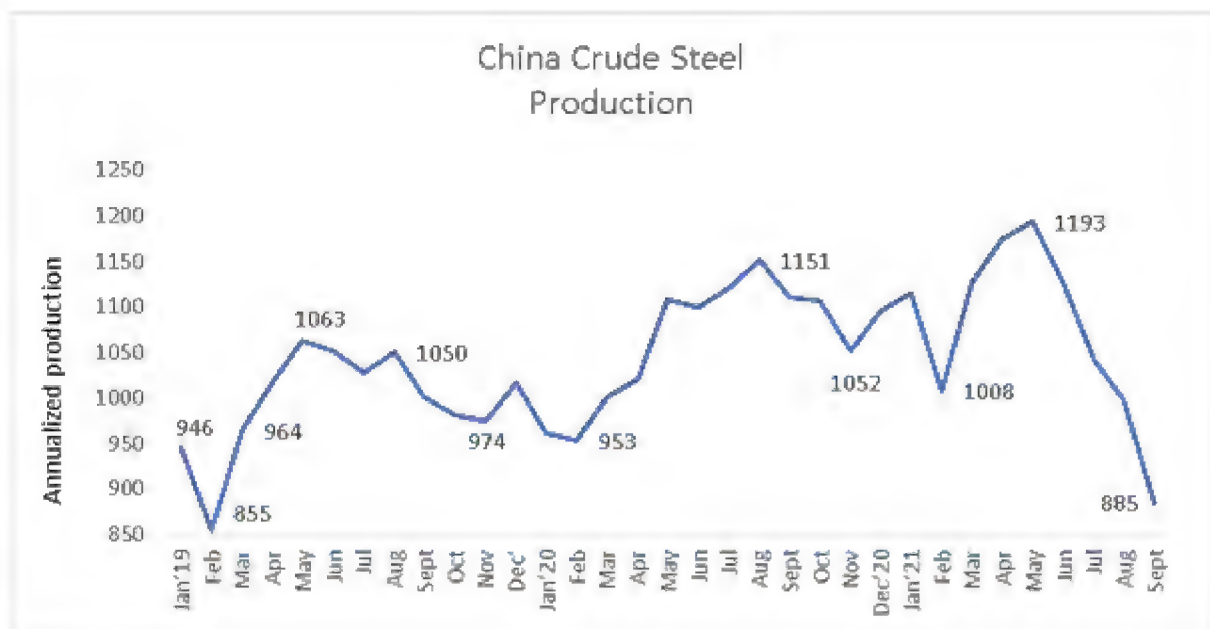
- क. चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमत, कारणात्मक संबंध का विश्लेषण करने के लिए विश्वसनीय नहीं हैं। चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमत में विगत वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में काफी वृद्धि हुई है। जांच की अवधि के दौरान चीन जन. गण. से आयात कीमत, वर्ष 2017-18 से 2019-20 के दौरान तीसरे देशों से कीमत से निरंतर कम रहने के बावजूद, तीसरे देशों से आयात कीमत से अधिक हैं। जांच की अवधि के दौरान चीन जन. गण. से आयात कीमत में अचानक वृद्धि होने के लिए कोई ठोस कारण नहीं है।
- ख. चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयात और घरेलू उद्योग के निष्पादन के बीच कारणात्मक संबंध का अभाव, संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने के लिए एक निर्धारक कारक नहीं है। मैक्सिको से ओसीटीजी पर यूएस - पाटनरोधी शुल्क के मामले में डब्ल्यूटीओ अपील निकाय के निर्णय के संबंध में निर्भरता रखी गई है।
- ग. प्राधिकारी को, यदि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाते हैं, तो चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच करना अपेक्षित है।
- घ. चीन जन. गण. से वायर रॉड के आयातों के संबंध में दूसरी निर्णायक समीक्षा में यूरोपीय आयोग के दिनांक 12 अक्टूबर, 2021 के अन्तिम जांच परिणामों में, इस तथ्य के बावजूद कि घरेलू उद्योग के समक्ष क्षति और चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयात के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं था, यूरोपीय आयोग ने पाटनरोधी शुल्क लगाना जारी रखा था। यूरोपीय आयोग ने इस तथ्य को नोट किया है कि चीन जन. गण. से आयात, जांच की अवधि के दौरान वास्तविक रूप में गायब हो गए थे और उनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकी थी। यूरोपीय आयोग ने अपनी संभावना की जांच में यह नोट किया है कि चीन जन. गण. में उत्पादकों के पास अत्यधिक रूप से अतिरिक्त क्षमता है और यह कि चीन के उत्पादकों ने पाटित कीमतों पर तीसरे देशों को निर्यात जारी रखे हैं तथा यह निष्कर्ष दिया है कि पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना मौजूद है।
- ड. आस्ट्रेलिया पाटनरोधी आयोग (एडीसी) ने चीन जन. गण. से कॉयल में वायर रॉड के संबंध में दिनांक 12 मार्च, 2021 की निर्णायक समीक्षा में यह निष्कर्ष दिया है कि चीन जन. गण. से आयातों के कारण क्षति की संभावना मौजूद है। आस्ट्रेलिया पाटनरोधी - आयोग (एडीसी) के समक्ष तथ्य भी, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा आयोजित की जा रही वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच के समान थी। एडीसी द्वारा आयोजित निर्णायक समीक्षा में क्षति जांच की अवधि के दौरान ऑस्ट्रेलिया में चीन जन. गण. से कोई आयात नहीं थे, जबकि घरेलू उद्योग को हानि हो रही थी और उसका निष्पादन भी गिर रहा था। एडीसी के जांच परिणाम भी नोट किए गए हैं चीन के इस्पात उद्योग के पास पर्याप्त अतिरिक्त क्षमता है और इस प्रकार यह निष्कर्ष दिया जाता है कि पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना मौजूद है।
- च. निर्दिष्ट प्राधिकारी की विगत प्रक्रिया और निर्णीत कानूनी स्थिति का संबंध, क्षति जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा/ कीमत को ध्यान में रखे बिना और घरेलू उद्योग के निष्पादन और संबद्ध वस्तुओं के आयातों के बीच कारणात्मक संबंध के अभाव में, शुल्क को हटाए जाने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच करने से है। इस संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी के निम्नलिखित निर्णयों पर भरोसा किया गया है :-
 - चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पार्थिवली ओरिएंटेड यार्न (पीओवाई) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच- अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 10 फरवरी, 2012.

- चीन जन. गण. और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी फुली ड्रॉन अथवा फुली ओरिएण्टेड यार्न/ स्पिन ड्रॉन यार्न/ फ्लेट यार्न पॉलिस्टर (नॉन टैक्सचर्ड या नॉन पीओवाई) तथा अन्य यार्न के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 22 सितंबर, 2015.
 - यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्रेट के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 3 मार्च, 2008.
 - चीन जन. गण. से सोडियम साइट्रेट के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच – अंतिम जांच परिणाम दिनांक 30 अप्रैल, 2020.
 - साउथ अफ्रीका के मूल की अथवा वहां से निर्यातित फिनोल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा जांच – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 22 दिसंबर, 2020.
- छ. निर्दिष्ट प्राधिकारी के उपरोक्त जांच परिणामों में, चीन जन. गण. से वायर रोड के संबंध में वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच के तथ्यों के समान तथ्य थे।
- ज. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से आयातों के लिए नकारात्मक क्षति मार्जिन निर्धारित किया है। प्राधिकारी को इस तथ्य पर विचार करना चाहिए कि संबद्ध देश से किसी भी उत्पादक/ निर्यातक ने भाग नहीं लिया है और इसीलिए प्राधिकारी संबद्ध देश में व्यक्तिगत उत्पादक (कों)/ निर्यातक (कों) के क्षति मार्जिन और निर्यात कीमत का सत्यापन करने में असमर्थ है। डीजीसीआई ऐंड एस के आंकड़ों के आधार पर प्रदर्शित औसत आयात कीमत सही हो सकती है या सही नहीं भी हो सकती है।
- झ. इसके अतिरिक्त, संबद्ध देश से उत्पादकों/ निर्यातकों ने क्षति जांच की अवधि के दौरान कीमतों को संदर्भ कीमत स्तर से अधिक रखा। यह संबद्ध देश के उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा जान बूझकर किया गया था।
- ञ. जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन सकारात्मक है।
- ट. एक निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन प्राथमिक तत्व, पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की मौजूदगी है। अतः जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक क्षति मार्जिन, घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना का आकलन करने के लिए निर्धारक नहीं है।
- ठ. इस्पात की कीमतों की आवर्ती कीमत पर विचार करते हुए विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमतों में एक बार कीमतों को पीक पर पहुंचने पर अल्प समय में गिरावट आने की संभावना है। यदि कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं है, तो घरेलू उद्योग पर कम कीमतों के आयातों द्वारा प्रभाव डाला जाएगा, जो भविष्य में मौजूद रहने की संभावना है।
- ड. यदि एक निर्णायक समीक्षा जांच में यह प्रमाणित हो जाता है कि पाटन और क्षति के जारी रहने/ पुनरावृत्ति होने की संभावना है, तो प्राधिकारी को, इस तथ्य के बावजूद कि क्षति मार्जिन नकारात्मक है, पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की जरूरत है। निम्नलिखित निर्णायक समीक्षा जांचों में प्राधिकारी के विगत के अन्तिम जांच परिणामों पर निर्भरता रखी गई है :-
- चीन जन. गण. और यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित अलॉय अथवा नॉन अलॉय कलर कोटेड/ प्री पेंटेड फ्लेट उत्पाद – अन्तिम जांच परिणाम, दिनांक 8 अक्तूबर, 2021.
 - चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य, रूस, ब्राजील और इंडोनेशिया से 25 मि. मी. तक की मोटाई और 2100 मि.मी. तक की चौड़ाई के कॉइल में अलॉय अथवा नॉन अलॉय इस्पात के हॉट रोलड फ्लेट उत्पाद – अन्तिम जांच परिणाम, दिनांक 14 सितंबर, 2021.
 - चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य और यूक्रेन से सभी चौड़ाई ओर मोटाई वाले बिनाक्लेड, प्लेट अथवा कोटेड ऑयरन अथवा नॉन-अलॉय स्टील, अथवा अलॉय स्टील के हॉट रोलड/ कोल्ड रिड्यूस्ड फ्लेट स्टील उत्पाद – अन्तिम जांच परिणाम, दिनांक 14 सितंबर, 2021.
 - यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, ताइवान और संयुक्त राज्य अमेरिका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 2-इथाइल हेक्सनोल – अंतिम जांच परिणाम दिनांक 8 मार्च, 2021.

- चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नाइलोन टॉयर कोर्ड फेब्रिक – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 29 अक्तूबर, 2020.
 - कोरिया गणराज्य, सऊदी अरब और ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एसिटोन – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 29 सितंबर, 2020.
 - चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के लिए प्रयुक्त फ्रंट एक्सल बीम और स्टेयरिंग नकल – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 24 दिसंबर, 2020.
 - चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पार्शियली ओरिएंटेड यार्न (पीओवाई) – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 10 फरवरी, 2012.
 - पाकिस्तान, सऊदी अरब और यूएई से क्लीयर फ्लेट ग्लास – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 7 नवंबर, 2019.
 - चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नोनाइल फिनोल – अंतिम जांच परिणाम, दिन 8 नवंबर, 2013.
 - चीन जन. गण., मलेशिया, थाइलैंड, श्रीलंका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 6 मि. मी. अथवा अधिक की मोटाई वाले प्लेन मीडियम डेंसिटी फाइबर बोर्ड – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 8 जनवरी, 2021.
 - चीन जन. गण. और रूस के मूल के अथवा वहां से निर्यातित, रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लैक – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 22 दिसंबर, 2020.
 - चीन जन. गण., थाइलैंड और यूएसए से पीवीसी सस्पेंसन ग्रेड रेजिन – अंतिम जांच परिणाम, दिनांक 18 जुलाई, 2019.
- ढ. माननीय गुजरात उच्च न्यायालय ने निरमा लिमिटेड बनाम भारत संघ मामले [दिनांक 23 फरवरी, 2017 का आदेश, विशेष सिविल याचिका सं. 16426 – 16427/2016] में भी यह कहा है कि नकारात्मक क्षति माजिन से यह निर्धारण करने के लिए आधार नहीं हो सकता कि पाटन और/ या क्षति की कोई संभावना नहीं है।
- ण. घरेलू उद्योग प्राधिकारी से यह अनुरोध करता है कि वे यह विशेष रूप से नोट करें और चीन जन. गण. से वायर रॉड के आयातों पर पाटनरोधी जांच और उसके बाद पाटन और क्षति अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के संबंध में एक दूसरी निर्णायक समीक्षा जांच को जारी रखने के लिए यूरोपीय आयोग के दिनांक 12 अक्तूबर, 2021 के आदेश में टिप्पणियों पर विचार करें।
- त. घरेलू उद्योग प्राधिकारी से अनुरोध करता है कि वे यह विशेष रूप से नोट करें और चीन जन. गण. से कॉइल में वायर रॉड के आयातों के संबंध में पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना पर एडीसी के निर्धारण पर विचार करें, जैसा कि उनकी दिनांक 12 मार्च, 2021 की अंतिम जांच रिपोर्ट में निर्धारित किया गया है।
- थ. चीन जन. गण. जैसी एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था में, उत्पादन और मांग में योगदान करने वाले कारक पारदर्शी नहीं हैं, और कीमतों में अचानक से परिवर्तन, निर्यातों में तेजी और उत्पादन में वृद्धि हो सकती है। चीन के निर्यातों की परिवर्तनशीलता, चीन जन. गण. से लम्बे उत्पादों/ वायर रॉड की औसत निर्यात कीमत से स्पष्ट है। चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं की औसत कीमत में अचानक से उतार-चढ़ाव को नीचे ग्राफ में दर्शाया गया है :-

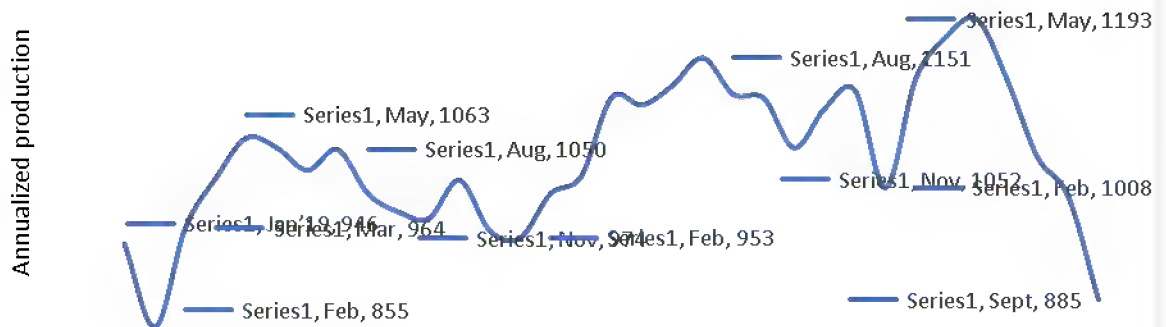


पाटनरोधी शुल्क पर आधारित संदर्भ कीमत के अभाव में चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं की कीमत में अचानक गिरावट आने के मामले में, घरेलू उद्योग को हानि होने की संभावना है।



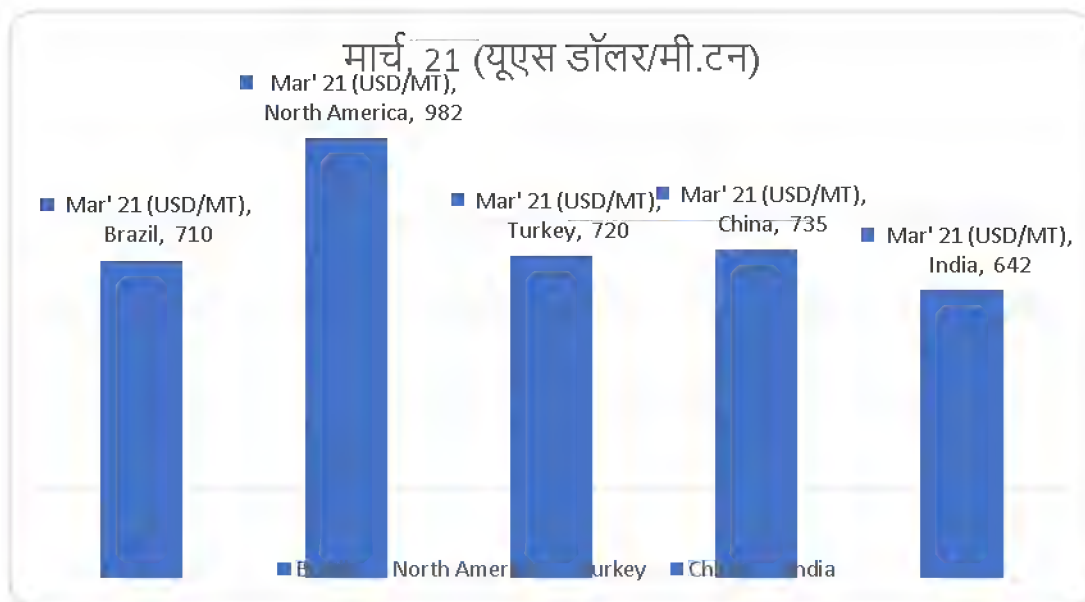
- द. चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के लिए वेट वापसी की दर वर्ष 2013 के बाद से 0 प्रतिशत है और वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच की जांच की अवधि तथा जांच की अवधि के बाद की अवधि के दौरान यह 0 प्रतिशत पर जारी रही है। 0 प्रतिशत की वापसी दर होने के बावजूद चीन जन. गण. से आयात, वर्ष 2013 के बाद से पर्याप्त रहे हैं। चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं पर वर्तमान पाटनरोधी शुल्क बंद होने की स्थिति में, यह संभावना है कि भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों में भारी वृद्धि होगी और इससे घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।
- ध. चीन जन. गण. में कच्चे इस्पात का उत्पादन अप्रत्याशित है और इसमें अनेक उतार-चढ़ाव आते हैं। चीन जन. गण. में कच्चे इस्पात का वार्षिकीकृत उत्पादन (मिलियन टन में) नीचे ग्राफ में दिया गया है :

चीन के कच्चे इस्पात का उत्पादन



ग्राफ से यह स्पष्ट है कि चीन जन. गण. में कच्चे इस्पात का उत्पादन अप्रत्याशित है और कई उतार-चढ़ाव आते हैं। कच्चे इस्पात के उत्पादन में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव और संबद्ध वस्तुओं की कीमत पर इसके परिणामी प्रभाव, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने और उसकी पुनरावृत्ति की संभावना को दर्शाते हैं।

- न. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच चीन जन. गण. के साथ-साथ विभिन्न इस्पात उत्पादों के आयात पर तीन अन्य निर्णायक समीक्षा जांचों (एचआर फ्लेट स्टील उत्पाद, सीआर फ्लेट उत्पाद और कलर कोटेड/ प्री पेंटेड फ्लेट स्टील उत्पाद) के साथ-साथ शुरू की गई थी। प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि चीन जन. गण. के साथ-साथ, पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है और इसमें वर्तमान जांच में उसी आधार का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- प. अन्य तीन निर्णायक समीक्षा जांचों का तथ्यात्मक मेट्रिक्स चीन जन. गण. से वायर रॉड के संबंध में वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच के समान था, जैसा कि निम्नलिखित मापदंडों से देखा जा सकता है :-
- सकारात्मक पाटन मार्जिन और नकारात्मक पाटन मार्जिन की मौजूदगी;
 - संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमत, घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमत से काफी अधिक होना;
 - जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयातों में गिरावट;
 - जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट;
 - पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना को दर्शाने वाले कारक जैसे सरप्लस क्षमता, कीमत आकर्षकता, तीसरे देश के बाजारों में पाटन इत्यादि।
- फ. भारत में लम्बे उत्पादों/ वायर रॉड की घरेलू कीमत, वैश्विक वृद्धि के बावजूद लम्बे उत्पादों/ वायर रॉड की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत से कम रही है, जैसा कि नीचे दिए गए ग्राफ से भी देखा जा सकता है :



स्रोत: एसबीबी इस्पात कीमतें

- ब. भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एमएसएमई क्षेत्र द्वारा है। शुल्क के जारी रहने से एमएसएमई क्षेत्र के हित का संरक्षण करने में भी मदद मिलेगी।
- भ. वर्तमान संदर्भ कीमत में पाटनरोधी शुल्क का प्रयोक्ताओं पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं था क्योंकि आयातकों अथवा प्रयोक्ताओं द्वारा संबद्ध देश से भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयात के संबंध में किसी शुल्क का भुगतान नहीं किया गया था, क्योंकि संदर्भ कीमत से अधिक कीमत पर आयात किए गए थे।
- म. करीब 20 प्रतिशत पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव, वायर रॉड से किए गए अन्तिम उत्पादों पर मात्र 0-2 प्रतिशत है।

ठ.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटीकरण के उपरांत किए गए अनुरोध

110. प्रकटीकरण विवरण के प्रत्युत्तर में किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई भी अनुरोध नहीं किए गए हैं।

ठ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

111. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटीकरण के उपरांत के विवरण की टिप्पणियों की जांच की है और यह नोट किया जाता है कि अधिकांश टिप्पणियां पुनः की गई हैं, जिनकी पहले ही समुचित जांच की जा चुकी है और इन अन्तिम जांच परिणामों के संगत पैरा में पर्याप्त रूप से शामिल की जा चुकी हैं। घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटीकरण के उपरांत की टिप्पणियों/ अनुरोधों में पहली बार उठाए गए मामलों की जांच की गई है, जो नीचे दी गई है।
112. इस अनुरोध के संबंध में कि चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों और घरेलू उद्योग के निष्पादन के बीच कारणात्मक संबंध का अभाव संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने के लिए एक निर्धारक कारक नहीं है, प्राधिकारी इस तथ्य के प्रति सचेत हैं कि कारणात्मक संबंध किसी निर्णायक समीक्षा जांच में निर्धारक कारक नहीं हैं। एक निर्णायक समीक्षा जांच में, शुल्क समाप्त होने की स्थिति में, पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच करने पर बल दिया गया है। इस संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैक्सिको से ओसीटीजी [डब्ल्यूटी/डीएस282/एबी/आर] में डब्ल्यूटीओ अपील निकाय ने यह पाया है कि :

“पहली नज़र में, अनुच्छेद 11.3 में जांच प्राधिकारियों के लिए संभावित पाटन और संभावित क्षति के बीच “कारणात्मक संबंध” की मौजूदगी को प्रमाणित करना अपेक्षित नहीं है। इसकी बजाय, इस शर्त के द्वारा, अनुच्छेद 11.3 में जांच करने वाले प्राधिकारियों के लिए यह निर्धारित किए जाने की अपेक्षा है कि क्या शुल्क के समाप्त होने से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना होगी।

अतः अनुच्छेद 11.3 के तहत एक निर्धारण के लिए जो अनिवार्य है, वह पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का प्रमाण है, यदि पाटनरोधी शुल्क समाप्त हो जाते हैं। यह चूंकि अनुच्छेद

11.3 के तहत एक निर्णायक समीक्षा के लिए अपेक्षाएं हैं, हम यह नहीं देखते कि जीएटीटी 1994 और पाटनरोधी करार के अन्य प्रावधानों से उस अनुच्छेद में संभावित पाटन और संभावित क्षति के बीच एक कारणात्मक संबंध स्थापित करने की अपेक्षा है। वास्तव में, ऐसी अपेक्षा को शामिल किए जाने से निर्णायक समीक्षा को एक मूल जांच में परिवर्तित करने के प्रभाव होंगे, जिन्हें न्यायोचित नहीं कहा जा सकता।”

113. प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से वायर रॉड के आयातों के संबंध में दूसरी निर्णायक समीक्षा जांच में यूरोपीय आयोग और ची जन. गण. से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने/ पुनरावृत्ति होने की संभावना की मौजूदगी को समाप्त करके चीन जन. गण. के कॉइल में स्टील रॉड के आयातों पर पहली निर्णायक समीक्षा जांच में आस्ट्रेलिया के पाटनरोधी आयोग के हाल के निर्णय को नोट किया है। प्राधिकारी ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में निष्कर्ष तक पहुंचने में यूरोपीय आयोग और आस्ट्रेलिया के पाटनरोधी आयोग की टिप्पणियों को नोट किया है।
114. प्राधिकारी ने प्रकटीकरण के उपरांत की अपनी टिप्पणियों में घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित विभिन्न अन्तिम जांच परिणामों को भी नोट किया है, जिसमें कि पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश की गई थी, बावजूद इसके कि घरेलू उद्योग को आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की कमी है। प्राधिकारी इस तथ्य को भी ध्यान में रखते हैं कि प्रत्येक जांच अलग होती है और जो निष्कर्ष निकाला जाता है वह प्रत्येक मामले में अद्वितीय तथ्यों और निष्कर्ष पर आधारित होता है।
115. तदनुसार, प्राधिकारी ने यह जांच करके कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन की संभावित स्थिति क्या होगी और घरेलू उद्योग को क्षति की जांच करके पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना का आकलन किया है, यदि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाते हैं।

ड. घरेलू उद्योग के हित और अन्य मामले

116. प्राधिकारी ने यह विचार किया है कि क्या पाटनरोधी शुल्क जारी रखने से यह प्रतिकूल लोक हित में होगा। यह निर्धारण घरेलू उद्योग सहित विभिन्न पक्षकारों के हितों के आधार पर उत्पाद के आयातक और प्रयोक्ता/ उपभोक्ता सहित रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार किए जाने के आधार पर होगा।
117. प्राधिकारी ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है, जिसमें आयातकों, उपभोक्ताओं/ प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से संबद्ध निर्णायक समीक्षा जांच के संबंध में विचार आमंत्रित किए गए हैं, तथापि, घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने जांच में भाग नहीं लिया है और प्राधिकारी के साथ आंकड़े/ विवरण साझा किए हैं। यहां तक कि प्राधिकारी के पास पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव की मात्रा के लिए और कैसे पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने से उन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, यह बताने के लिए प्रयोक्ताओं के लिए फार्मेट निर्धारित किया है। अतः यह नोट किया जाता है कि किसी भी आयातक/ प्रयोक्ता ने जांच में भाग नहीं लिया है और कोई सूचना प्रदान नहीं की है।
118. यह उत्पाद आसानी से निर्यात किए जाने योग्य श्रेणी का है और इसलिए विभिन्न देशों से आसानी से आयात किया जा सकता है। पाटनरोधी उपायों को जारी रखने से संबद्ध देश से आयातों पर किसी तरह का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और इसीलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। पाटनरोधी शुल्क जारी रखने के साथ ही, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी। सामान्यतः पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन, पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति की पुनर्स्थापना हो सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को जारी रखने से ऐसे विदेशी उत्पादकों, जो पाटन की प्रक्रियाओं में शामिल हैं, द्वारा प्राप्त अनुचित लाभों को दूर किया जाएगा और इस प्रकार घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट को रोका जा सकेगा।
119. संबद्ध वस्तुएं विभिन्न अनुप्रयोगों और क्षेत्रों में प्रयुक्त की जाती हैं, जिनमें ऑटोमोटिव घटक, वेल्डिंग इलैक्ट्रोड, स्प्रिंग, वायर मेश, फास्टनर्स, नट व बोल्ट, नेल, रेलवे स्वीपर्स, सामान्य इंजीनियरी, निर्माण उद्योग के लिए बाइंडिंग वायर, आर्मर केबल इत्यादि शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं है।
120. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने यह दर्शाकर मात्रात्मक सूचना प्रस्तुत की है कि पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने का प्रभाव अन्तिम उत्पाद पर न्यून हो जाएगा। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना के अनुसार,

यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद पर 20 प्रतिशत की दर से पाटनरोधी शुल्क का अनुमान लगाकर प्रभाव को कम किया जाएगा, अर्थात् स्टेपलर पिन, कार टायर आदि जैसे, वायर रॉड से निर्मित उत्पादों पर 0-2 प्रतिशत होगा।

121. लागू संदर्भ कीमत आधारित शुल्क और जिसकी प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच में सिफारिश की गई है, से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि विचाराधीन उत्पाद के प्रयोक्ताओं और आयातकों को भारत में उचित कीमतों पर आयात करने पर दंडित नहीं किया जाए। संदर्भ कीमत आधारित शुल्क से भी यह सुनिश्चित किया जाता है कि घरेलू उद्योग को भारत में कम कीमत के/ अनुचित कीमत के आयातों से क्षति नहीं हो। अतः शुल्क आधारित संदर्भ कीमत से एक ओर आयातकों और प्रयोक्ताओं और दूसरी ओर वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग के हितों के बीच उचित संतुलन होगा।
122. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों की एक बड़ी संख्या है और इसलिए भारतीय बाजार में अच्छी प्रतिस्पर्धा है तथा पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखने से संबद्ध वस्तुओं के लिए भारतीय बाजार में एकाधिकार अथवा अल्पाधिकार की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा एमएसएमई क्षेत्र का है, अतः शुल्क को जारी रखने से एमएसएमई क्षेत्र के हित का संरक्षण करने में भी मदद मिलेगी।
123. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारतीय इस्पात उद्योग भारतीय जीडीपी में इसके योगदान, प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन तथा परिवहन सेवाओं, बंदरगाह सुविधाओं आदि जैसी संबद्ध डाउनस्ट्रीम सेवाओं में इसकी सहायता को ध्यान में रखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। शुल्क को जारी रखने से अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं, वैश्विक इस्पात कीमतों की आवर्ती प्रकृति, जिनका अनुमान निकट भविष्य में गिरावट के लिए होता है और चीन जन. गण. से लम्बे उत्पादों/व्यापार रॉड की कीमतों के उतार-चढ़ाव के कारण घरेलू उद्योग के लिए एक सुरक्षा जाल के रूप में कार्य करेगा।

ड. निष्कर्ष

124. दिए गए तर्कों, प्रदान की गई सूचना, किए गए अनुरोधों तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, जैसा कि ऊपर दर्ज किया गया है और घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के आधार पर, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :
 - i. आवेदक घरेलू उत्पादक, नियमावली के नियम 2 (ख) के तहत घरेलू उद्योग है और घरेलू उत्पादकों की ओर से आवेदक द्वारा दाखिल किया गया आवेदन नियमावली के नियम 5 (3) के संदर्भ में आधार के मापदंडों को पूरा करता है।
 - ii. आवेदन में वर्तमान निर्णायक समीक्षा शुरू करने को न्यायाचित ठहराने के लिए पर्याप्त साक्ष्य निहित हैं।
 - iii. प्राधिकारी ने जांच की अवधि के रूप में अक्टूबर, 2019 से मार्च, 2021 तक की 18 माह की लम्बी अवधि पर विचार किया है। वर्तमान निर्णायक समीक्षा में एक लम्बी जांच की अवधि को उपयुक्त पाया गया था, क्योंकि वर्ष 2020-21 की प्रथम तिमाही में व्यापार पर कोविड-19 के कारण प्रभाव पड़ा था और यह कि कथित पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति और क्षति की संभावना का आकलन करना ज्यादा उचित होगा।
 - iv. संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है, क्योंकि संबद्ध देश से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने भाग नहीं लिया है। संबद्ध देश के लिए पाटन मार्जिन महत्वपूर्ण है। इस प्रकार संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का निरंतर पाटन हो रहा है।
 - v. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है, जिसे जांच की अवधि के दौरान पाटित आयातों के कारण नहीं माना जा सकता।

- vi. प्राधिकारी ने व्यापक संभावना का विश्लेषण किया है और यह नोट किया है कि :-
- क. संबद्ध देश में उत्पादकों/ निर्यातकों के पास विचाराधीन उत्पाद के लिए भारी अतिरिक्त क्षमताएं उपलब्ध हैं, जैसा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध स्वतंत्र रिपोर्टों से स्पष्ट होता है।
 - ख. संबद्ध देश से तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना की जांच यह दर्शाती है कि तीसरे देशों को महत्वपूर्ण निर्यात पाटित कीमतों पर हैं।
 - ग. संबद्ध वस्तुओं के लिए उचित उत्पादन आधार रखने वाले अधिकांश देशों ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर व्यापार उपचार उपाय लगाए हैं/ और अथवा जारी रखे हैं। वास्तव में, यूरोपीय आयोग ने दूसरी निर्णायक समीक्षा जांच में दिनांक 12 अक्तूबर, 2021 को अपने हाल के निर्णय में, चीन जन. गण. से वायर रॉड के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना जारी रखा है।
 - घ. संबद्ध देश से तीसरे देशों को निर्यात कीमत के संबंध में रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना की जांच यह दर्शाती है कि तीसरे देशों को निर्यात, भारत को निर्यात कीमत से कम कीमतों पर हैं, जो यह दर्शाता है कि भारतीय बाजार संबद्ध देश से निर्यातकों के लिए कीमत के संबंध में अधिक आकर्षक बाजार है।
 - ड. वैश्विक इस्पात कीमतों की ऐतिहासिक प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि इस्पात की कीमतें आवर्ती प्रकृति की हैं और जब वैश्विक इस्पात कीमतों में गिरावट हो, तो कम कीमत पर आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।
 - च. चीन जन. गण. से वायर रॉड की निर्यात कीमत की ऐतिहासिक प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि चीन की निर्यात कीमतें अत्यधिक परिवर्तनशील हैं और चीन में वायर रॉड की निर्यात कीमतों में गिरावट होने पर कम कीमत के आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।
- vii. प्राधिकारी द्वारा किया गया आकलन इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि शुल्क को हटाए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति जारी रहने/ पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
- viii. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा है और पाटनरोधी शुल्क के जारी रहने पर संबद्ध वस्तुओं के लिए भारतीय बाजार में एकाधिकार अथवा अल्पाधिकार की स्थिति उत्पन्न होगी।
- ix. वर्तमान निर्णायक समीक्षा में संदर्भ कीमत आधारित शुल्क से यह सुनिश्चित होगा कि विचाराधीन उत्पाद के प्रयोक्ताओं और आयातकों को दंडित नहीं किया जाए, यदि भारत में आयात उचित कीमत पर हैं।

ण. सिफारिशें

125. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्णायक समीक्षा शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों/ प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध तथा पाटन व क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के पहलुओं पर सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। नियमावली में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार, पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करने तथा जांच किए जाने पर प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति को दूर करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है। अतः प्राधिकारी का मत है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्कों को लगाए रखना, जारी रखने की आवश्यकता है।
126. प्राधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से 5 वर्षों की अवधि के लिए संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 3 में उल्लिखित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश, नीचे शुल्क तालिका के कॉलम 3 में वर्णित संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य और नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बीच के अन्तर के रूप में की गई है, बशर्ते कि पहुंच मूल्य,

कॉलम 7 में उल्लिखित मूल्य से कम हो। यदि पहुंच मूल्य कॉलम 7 में दिए गए मूल्य से अधिक है, तो पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं होगा। इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुंच मूल्य आकलन योग्य मूल्य होगा, जैसा कि सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के तहत सीमा शुल्क द्वारा यथानिर्धारित है और सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9के के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमा शुल्क के लागू स्तर पर होगा।

127. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से एक उत्पादक/ निर्यातक ने मूल जांच में भाग लिया था और उसे शुल्क की व्यक्तिगत दर प्रदान की गई थी। चीन जन. गण. से उत्पादकों/ निर्यातकों ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में भाग नहीं लिया है। ऐसे परिदृश्य में प्राधिकारी उक्त उत्पादक/ निर्यातक को प्रदान की गई मौजूदा व्यक्तिगत शुल्क दर का विस्तार न करना उचित समझते हैं।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	वस्तुओं का वर्णन	मूल का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	राशि	इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	7213 और 7227	“आयरन अथवा नॉन एलॉय स्टील अथवा एलॉय स्टील के अनियमित रूप से मुड़े हुए क्वायल में, हॉट रॉल्लड बार और रॉड, जिनमें (i) रोलिंग प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न अभिस्थापन, रिब्स, ग्रूव्स अथवा अन्य विरूपण वाले बार और रॉड, जो टैरिफ मद 72131090 के अंतर्गत आते हैं (जिन्हें सामान्यतः रीबार अथवा टीएमटी बार के रूप में जाना जाता है) (ii) टैरिफ शीर्ष 7221 के अंतर्गत आने वाले बार और स्टेनलेस स्टील के रॉड; और (iii) टैरिफ शीर्ष 72271000 के अंतर्गत आने वाले हाई स्पीड स्टील के बार और रॉड शामिल नहीं हैं।	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई अन्य देश	कोई	546	मी. टन	यूएस डॉलर
2	-वही-	-वही'	चीन जन. गण. के अलावा कोई अन्य देश	चीन जन. गण.	कोई	546	मी. टन	यूएस डॉलर

त. आगे की प्रक्रिया

128. इस सिफारिश के कारण केन्द्र सरकार के आदेश के खिलाफ कोई भी अपील, अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

अनंत स्वरूप, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION
FINAL FINDINGS

New Delhi, the 28th October, 2021

Case No. AD (SSR) - 15/2021

Subject : Sunset review anti-dumping investigation concerning imports of “Wire rod of alloy or non-alloy steel” originating in or exported from China PR.

F. No. 7/17/2021-DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the “Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the “Anti-Dumping Rules” or “Rules” or “AD Rules”);

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. On 2nd June 2016, the Designated Authority (hereinafter referred to as “Authority”) had initiated an investigation to examine the nature and extent of dumping and its injurious effect on the domestic industry with respect to “Wire Rod of Alloy or Non-Alloy Steel” (hereinafter referred to as “subject goods” or “product under consideration” or “PUC”) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as “subject country”). The original petition for imposition of anti-dumping duty was filed by M/s Steel Authority of India Ltd., M/s Rashtriya Ispat Nigam Limited, M/s Tata Steel Long Products Ltd. (erstwhile M/s Usha Martin Limited) and M/s JSW Steel Limited.
2. The Authority issued the preliminary findings on 27th September 2016 vide Notification No. 14/17/2016-DGAD and recommended imposition of provisional anti-dumping duty in the form of reference price. The Central Government imposed the provisional anti-dumping duty on the subject goods on 2nd November 2016 vide Notification No. 51/2016-Customs (ADD) for a period of six months.
3. The Authority issued the final findings on 30th August 2017 vide Notification No. 14/17/2016-DGAD and recommended imposition of anti-dumping duties for five years. On the basis of the aforesaid findings, the Central Government imposed the definitive anti-dumping duty in the form of reference price vide Notification No.48/2017-Customs (ADD) dated 9th October 2017 for a period of five years w.e.f. 2nd November 2016.
4. In terms of Section 9A(5) of the Act, anti-dumping duty imposed shall unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition and the Authority is required to review, whether the expiry of anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. Further, Rule 23(1B) of the Rules provides as follows:

“any definitive antidumping duty levied under the Act, shall be effective for a period not exceeding five years from the date of its imposition, unless the designated authority comes to a conclusion, on a review initiated before that period on its own initiative or upon a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, within a reasonable period of time prior to the expiry of that period, that the expiry of the said anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.”
5. In accordance with the above, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, as to whether the expiry of the anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
6. And whereas, in terms of the above provisions, the Indian Steel Association, on behalf of Rashtriya Ispat Nigam Limited, Steel Authority of India Limited and JSW Steel Limited (hereinafter also referred to as the “Applicant” or “Applicant companies” or “domestic industry”) filed an application

before the Designated Authority in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 and the Anti-Dumping Rules for initiation of sunset review investigation concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country. The petition is supported by Tata Steel Long Products Limited, Jindal Steel and Power Limited and Alloy Producers Association of India.

7. And whereas, in view of the duly substantiated application filed by the applicant, the Authority issued a public notice vide Notification No. F. No. 7/17/2021-DGTR dated 28th July 2021, published in the Gazette of India, initiating sunset review investigation on imports of the product under consideration from China PR in accordance with AD Rules to examine whether the expiry of the said duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.
8. Pursuant to the initiation of sunset review, anti-dumping duty has been extended till 31st January 2022 vide Notification No. 42/2021 dated 1st August 2021.
9. The scope of the present review covers all aspects of the Final Findings Notification No. 14/17/2016-DGAD dated 30th August 2017 which had recommended the imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

B. PROCEDURE

10. The procedure described below has been followed in this investigation:

- i. The Authority vide Notification no. 7/17/2021-DGTR dated 28th July 2021, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiated sunset review of anti-dumping duties imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.
- ii. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 28th July 2021 to the Embassy of the subject country in India, known producers and exporters from the subject country, known importers/users and the other interested parties, as per the available information. The interested parties were advised to provide relevant information in the form and manner prescribed and make their submissions known in writing within the prescribed time-limit.
- iii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassy of subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
- iv. The Embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from its country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to the Embassy along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject country.
- v. The Authority sent exporters' questionnaires to the following known exporters in the subject country in accordance with the Rule 6(4) of the Rules to elicit relevant information:
 - a. Jiuquan Iron & Steel (Group) Co Ltd
 - b. Handan Iron & Steel Group Co Ltd
 - c. Lianyuan Iron & Steel Group Co Ltd
 - d. Baosteel Group Corp
 - e. WISCO - Wuhan Iron & Steel (Group) Corp
 - f. Benxi Iron & Steel (Group) Special Steel Co Ltd
 - g. Lingyuan Iron & Steel (Group) Co Ltd
 - h. Shougang Changzhi Iron & Steel Ltd
 - i. Hangzhou Iron & Steel Group Company
 - j. Tianjin Xuboyuan Iron & Steel Trading Co. Ltd
 - k. Tianjin Xuboyuan Iron & Steel Trading Co. Ltd
 - l. Jiangsu Shagang Material Trade Co. Ltd.
 - m. Jinagsu Shagang International Trade Co. Ltd.

- n. Sinomaterial International Co. Ltd.
 - o. Zenith Steel Group Co. Ltd
 - p. Benxi Beitai Gaosu steel Wire Rod Co. Ltd.
 - q. Jiangyin Xingcheng Special Steel Works Co Ltd
 - r. Jiangsu Yonggang Group Co. Ltd
 - s. Fujian Sangang Mingguang Co., Ltd
 - t. Benxi Beitai High-speed Wire Rod Co., Ltd
 - u. Xingtai Iron Steel Corp. Ltd.
 - v. Zhangjiagang Shajing Steel Co., Ltd
 - w. Minmetals Yingkou Medium Plate Co., Ltd
 - x. Zhangjiagang Rongsheng Steel Co Ltd
 - y. Guangdong Shaogang Songshan Co., Ltd
 - z. Jiangxi Fangda Steel Group Co. Ltd
 - aa. WenAn Steel Iron Co., Ltd
- vi. None of the foreign producers/exporters have filed the exporters questionnaire response in the present sunset review investigation.
- vii. The Authority forwarded a copy of the notification to the following known importers/consumers/user associations of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the prescribed time limit in accordance with the Rule 6(4) of Rules.
- a. A.A.International
 - b. Aggarwal Impex
 - c. D. P. Wires Private Limited
 - d. Garg Inox Limited
 - e. H.D. Wires Private Limited
 - f. Indian Wire and Steel Products
 - g. J.S. Industries Private Limited
 - h. Kadimi Special Steels Private Limited
 - i. Lakshmi Card Clothing Manufacturing Co. Private Limited
 - j. Makalu Trading Limited
 - k. Nirmal Wires Private Limited
 - l. Oceanic Overseas
 - m. Pankaj Steel Corporation
 - n. R.K. Steels
 - o. Stering Tools Limited
 - p. Transnational
 - q. Uday Industries
 - r. Usha Martin Limited
 - s. V.N.C Electrodes
 - t. Vidhi Impex
 - u. Weldwell Electrodes
 - v. Yatin Steels India Private Limited
 - w. Zarhak Steels Limited

- viii. None of the importers/users responded or filed importer/user questionnaire response in the present sunset review investigation.
- ix. Steel Wire Manufacturers Association of India registered itself as an interested party but has not filed any submission during the course of investigation.
- x. The period of investigation for the purpose of the present review is 1st October 2019 to 31st March 2021 (18 months). The injury examination period has been considered as the period 2017-18, 2018-19, 2019-20, and the POI.
- xi. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has relied upon the DGCI&S import data for computation of the volume & value of imports and injury analysis.
- xii. Verification of the information and the data submitted by the domestic industry was carried out to the extent deemed necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of these final findings.
- xiii. The Non-Injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules has been worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiv. The Authority held oral hearing on 16th September 2021 to provide an opportunity to the interested parties to present information orally in accordance with Rule 6(6). Oral hearing was held through video conferencing in view of the special circumstances arising out of the COVID-19 pandemic. The oral hearing was attended by the domestic industry. The interested parties were requested to file written submissions and rejoinders.
- xv. The submissions made by the interested parties during the course of the investigation and the oral hearing, have been addressed in these final findings, to the extent considered relevant by the Authority.
- xvi. As no producer or exporter from the subject country has filed any submissions or questionnaire responses, only the information provided by the domestic industry on confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed in the public record. Wherever possible, it has been directed that confidential information is to be provided in sufficient non-confidential version.
- xvii. In accordance with the Rules, the Authority disclosed the essential facts of the case that would form the basis of its findings in the form of a disclosure statement on 20.10.2021. The comments of the interested parties, to the extent relevant, have been considered by the Authority and have been addressed in these findings.
- xviii. *** in these final findings represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xix. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is US \$1= 74.34 INR.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

C.1. Submissions made by the domestic industry and other interested parties

- 11. The domestic industry or any other interested party has not made any submission with regard to the scope of product under consideration in the present review investigation.

C.2. Examination by the Authority

12. The scope of product under consideration in the present sunset review investigation is the same as was decided by the Authority in the final findings of the original investigation dated 30th August 2017.

13. The product under consideration is:

“Bars and rods, hot rolled, in irregularly wound coils, of iron or non-alloy steel or alloy steel (commonly known as “Wire Rods”).

These products are of prime and non-prime category and are in all sizes. These products conform to various qualities of steels including but not limited to electrode, free cutting, forging, cold heading, low medium high carbon steels, drawing, ball bearing steel, case hardening steel, spring steel, corrosion resistant steel, weathering steel, structural steel and many more qualities of steel. However, following products, are not included in the scope of the product under consideration:

a. Bars and rods containing indentations, ribs, grooves or other deformations produced during the rolling process falling under Tariff Item 72131090 (commonly known as rebars or TMT bars)

b. Bars and rods of Stainless steel falling under Tariff Heading 7221

c. Bars and rods of High-speed steel falling under Tariff Item 72271000”

14. The product under consideration is used in many applications and sectors such as automotive components, welding electrodes, springs, wire mesh, fasteners including nuts and bolts, nails, railway sleepers, general engineering, binding wires for construction industry, armoured cables etc.

15. It is noted that subject goods exported to India are identical to the goods produced by the domestic industry. The subject goods produced by the domestic industry are comparable to the imported goods from the subject country in terms of technical specifications, manufacturing process & technology, functions & uses, pricing, distribution & marketing, and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially interchangeable. Accordingly, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the domestic industry are being treated as ‘Like Article’ to the subject goods being imported from the subject country.

D. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

16. Rule 2(b) of the Antidumping Rules define domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term, ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers.”

D.1. Submissions made by the domestic industry

17. The following submissions have been made by the applicant during the course of the investigation:

- a. The domestic producers constituting the domestic industry comprise of Rashtriya Ispat Nigam Limited, Steel Authority of India Limited and JSW Steel Limited. The domestic industry has 30-40% share in total Indian production of the subject goods during the POI.
- b. A significant proportion of production of PUC in India is undertaken by the small and medium scale enterprises (MSME). The present application for continued imposition of anti-dumping duties is supported by Alloy Steel Producers Association (ASPA). Many small and medium scale producers involved in production of subject goods are members of ASPA. Continued imposition of anti-dumping duty will safeguard the interests of the MSME sector as well.

- c. The share of the domestic industry constitutes a major proportion in the total domestic production in accordance with Rule 2(b) of the AD Rules.
- d. The sunset review application is supported by Tata Steel Long Products Limited, Jindal Steel and Power Limited. The share of the domestic industry and supporters together accounts for 40-50% share in the total Indian production of the subject goods.
- e. Usha Martin Limited was a constituent of the domestic industry in the original investigation. Usha Martin Limited's steel division has been now acquired by Tata Sponge Iron Ltd on 9th April 2019. Tata Sponge Iron Ltd was renamed as Tata Steel Long Products Ltd as on 20th August 2019 and is a supporter in the present sunset review investigation.

D.2. Submissions made by other interested parties

- 18. No submission has been made by any other interested party.

D.3. Examination by the Authority

- 19. The application has been filed by the Indian Steel Association on behalf of Rashtriya Ispat Nigam Limited, Steel Authority of India Limited and JSW Steel Limited. Relevant information and documents have been provided by the applicant association as prescribed by the Authority. The application is supported by Tata Steel Long Products Limited, Jindal Steel and Power Limited and Alloy Steel Association of India.
- 20. The Authority notes that the domestic industry accounts for 30-40% of the total Indian production during the period of investigation. The Authority notes the production of the domestic industry along with supporters' accounts for 40-50% of the total Indian production.
- 21. Rashtriya Ispat Nigam Limited, Steel Authority of India Limited and JSW Steel Limited have neither imported the subject goods from the subject country nor they are related to any exporter or importer of the subject goods. It is noted that the applicant Association has provided necessary information for the purpose of the present sunset review investigation.
- 22. The Authority notes that the domestic industry on their own and also including the supporters, account for a major proportion of the total domestic production.
- 23. The Authority holds that the applicant constitutes domestic industry under rule 2(b) of the Rules and considers that the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.

E. CONFIDENTIALITY

E.1. Submissions made by the domestic industry

- 24. The domestic industry has claimed confidentiality with respect to certain information which it considers confidential and business sensitive in nature. Sufficient non-confidential summary of confidential information has been provided at appropriate places to permit reasonable understanding of the substance of information contained therein.

E.2. Submissions made by other interested parties

- 25. No other interested party has made any submission with respect to the confidentiality claim.

E.3. Examination by the Authority

- 26. The Authority made available non-confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties as per Rule 6(7).
- 27. With regards to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:

“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."

28. The Authority notes that the information provided by the interested parties on confidential basis was duly examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority also notes that all interested parties have claimed their business-related sensitive information as confidential.

29. A list of all interested parties was uploaded on DGTR's website along with the request therein to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all other interested parties since the public file was not accessible physically due to ongoing global pandemic.

F. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

F.1. Normal Value

30. Under Section 9A (1)(c) of the Act, normal value in relation to an article means:

- i. The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- ii. When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*
 - a. comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - b. the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

F.2. Submissions made by the domestic industry

31. The following submissions have been made by the domestic industry during the course of investigation:

- a. Chinese producers of subject goods are operating under non-market economy condition. Normal value for Chinese producers cannot be based on domestic selling prices and costs prevailing in China PR unless it is demonstrated that Chinese producers are operating under market economy conditions.*
- b. In the original investigation as well, the Authority had concluded producers/exporters of subject goods in China PR are operating under non-market economy conditions.*

- c. The European Commission in its report has examined the market distortions that exist in specific sectors in China PR. The European Commission has found that there exist countrywide market distortions related to land, energy, capital, raw materials and other material inputs, and labour in China PR.
- d. The EC report has also examined market distortions that exist in specific sectors including the steel, aluminium, chemical and certain ceramics industries. Within these industries, the EC found that market distortions were caused by the Chinese government's intervention through all levels of government including the national, regional, and municipal levels via various planning and regulatory directives.
- e. The Applicant does not have access to information required for determination of normal value as per first two methods in Para 7. Therefore, normal value has been construed in the following manner:

Method I: In this method, normal value has been constructed in the following manner.

- i. **Raw materials:** International price of major raw materials have been adopted and considered for construction of normal value. Consumption norms of major raw materials have been taken on the basis of domestic industry's experience. Other raw materials have been taken based on the experience of the domestic industry.
- ii. **Utilities:** Utilities costs have been considered based on the experience of the domestic industry.
- iii. **Conversion Costs:** Conversion costs have been considered based on the experience of the domestic industry.
- iv. **SGA Costs and Finance costs:** SGA costs and Finance costs have been considered based on the experience of the domestic industry.
- v. **Profit Margin:** A profit margin of 5% has been considered for working out the normal value.

Method II: Korea RP is the largest exporting country of subject goods to India after China PR. Therefore, domestic industry has determined normal value considering import prices of subject goods from Korea RP into India after adjustment of ocean freight, insurance, inland freight, handling charges, commission and bank charges etc.

- (f) Export price is determined at ex-factory level. From the CIF export price, calculated as per DGCI&S import data, relevant adjustments have been made to arrive at ex-factory export price.
- (g) The dumping margin so determined based on comparison between normal value and export price is positive and substantial.
- (h) It must be noted that producers/exporters from China PR have not participated. Therefore, the Authority should proceed to determine dumping margin for exports from China PR based on facts available.
- (i) Dumping margin based on the average export price into India from subject country during POI is positive. However, the average export price from subject country during the POI may not be accurate because import price from other countries has been consistently higher than import price from China PR during 2017-18 to 2019-20 but during the POI import price from China PR is higher than import price from third countries. Average export price from subject country has increased significantly in the POI as compared to the previous year. Export price of individual producers/exporters is not verifiable because no producer/exporter has participated in the present sunset review investigation. It is also noted that producers/exporters from subject country were aware about the precise period of sunset review and therefore it was possible for them to keep the average prices higher for their exports to India.

F.3. Submissions made by other interested parties

- 32. None of the exporters/importers/ any other interested party has participated in the investigation.

F.4. Examination by the Authority

33. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority.
34. Since none of the producers/exporters of subject goods from the subject country have filed exporter's questionnaire response, the normal value and export price for all producers/exporters from the subject country have been determined based on facts available as follows.

F.5. Normal Value determination

35. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows:

“Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 (“Anti-Dumping Agreement”) and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

- a. In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*
 - i. If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
 - ii. The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*
- b. In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China PR may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China PR.*
- c. The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with sub paragraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with sub paragraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*
- d. Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the nonmarket economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector.”*

36. It is noted that while the provision contained in Article 15 (a) (ii) has expired on 11.12.2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO read with obligation under 15 (a) (i) of the Accession Protocol still require criterion stipulated in para 8 of the Annexure I of the Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming the market economy status. It is noted that since producers/ exporters from China PR have not participated and thus not submitted response to MET/supplementary questionnaire, the normal value computation is required to be done as per provisions of para 7 of Annexure I of the Rules.

37. The normal value has accordingly been determined in accordance with Para 7 of Annexure I of the Rules. In the absence of sufficient information on record, regarding the other methods as are enshrined in Para 7 of Annexure I of the Rules, the Authority has determined the normal value on "any other reasonable basis". The Authority has, therefore, constructed the normal value for China PR on the basis of (a) international prices of major raw materials, (b) consumption norms, other raw materials costs and conversion costs, SGA and finance costs on the basis of the experience of the domestic industry, and (c) a reasonable profit. The Normal Value so constructed is shown in the dumping margin Table.

F.4.2 Determination of Export Price

38. As none of the producers/exporters from China PR have filed questionnaire response, export price from China PR has been determined considering volume and value of imports for the period of investigation as per DGCI&S published data. Adjustments have been made for ocean freight, inland freight, insurance, handling charges, credit cost, commission, bank charges and non-refundable VAT.

F.5 Dumping Margin

39. Considering the normal value and the export price determined, as explained above, it is noted that the dumping margin for China PR is not only more than the *de-minimis* limit prescribed under the Rules but is quite significant.

Country	Producer/Exporter	Normal Value (INR/MT)	NEP (INR/MT)	DM (INR/MT)	DM%	Range
China PR	Any Producer/Exporter	***	37,658	***	***	10-20%

G. EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

D. G.1 Submissions made by the domestic industry

40. The submissions of the domestic industry with regard to injury and causal link are as under:

- In the original investigation, the Authority has already established a causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry, therefore in a sunset review, the investigating authority must establish a link between the expiry of the duty and likelihood of recurrence of dumping and injury and there is no need to establish causal link between dumped imports and injury afresh during the review.
- None of the producers/exporters from China PR have participated in the present sunset review investigation, whereas 35 producers/exporters had filed response to exporter's questionnaire in the original investigation.
- The participation of producers/exporters from China PR would have allowed the Authority to verify the actual export price to India. In the absence of participation by any producer/exporter from China PR, the Authority should apply adverse facts available and conclude that import price from China PR based on DGCI&S data is unreliable and note that higher import price reflected in DGCI&S import data during the POI has no direct bearing on the assessment of dumping, injury and likelihood of dumping and injury to the domestic industry due to imports from China PR.
- Imports from subject country are significant both in absolute terms and in relation to total imports into India and Indian demand even after imposition of anti-dumping duty.
- The subject country has significant excess capacities and limited or static demand. They need export markets and India is the foremost large market with a significant demand. This can create influx of imports into the Indian market if duties are revoked. Moreover, plethora of tariffs and trade remedial measures are currently in effect against the subject country in different export markets. If the existing measures are not extended, India will be the only major export destination for subject country without any trade remedial measures.

- f. There is decline in imports during the POI due to the Covid-19 pandemic. It is expected that the imports will increase once the Covid-19 situation improves.
- g. The price undercutting from China PR is negative. It is pertinent to mention that price undercutting from China PR was negative even during the POI of the original investigation. Anti-dumping duty imposed on the import of subject goods and which has been in force during the injury investigation period has been based on reference price mechanism. The producers/exporters from the subject country kept the prices above reference price level to avoid payment of anti-dumping duty.
- h. No definitive conclusions should be drawn by the Authority based on higher import prices during the POI, and consequent absence or low level of positive dumping margin, price undercutting or price underselling during the POI. In its likelihood examination, the Authority should consider the import prices as if they were (i) reduced to the level existing at the time of original investigation or (ii) reduced below the reference price set by the Authority.
- i. The comparison between the landed price of subject goods from China PR and the domestic selling price of the domestic industry is irrelevant. The Authority should examine the need for continued imposition of anti-dumping duty on subject goods by examining likelihood of dumping and injury in the event of revocation of anti-dumping duty.
- j. In case of reference price based anti-dumping duty, actual import price cannot be simply relied upon for determining price undercutting because the element of anti-dumping duty is inbuilt in import/export price from the subject country. Therefore, price undercutting should be assessed after deducting the 'inbuilt' anti-dumping duty in the import price. If Authority excludes the average antidumping duty as calculated during the original investigation, the price undercutting would turn significantly positive.
- k. The average export price from the subject country during the POI may not be accurate because import price from other countries has been consistently higher than import price from China PR during 2017-18 to 2019-20. Whereas, during the POI, import price from China PR is higher than import price from other countries. Average export price from the subject country has increased significantly in the POI as compared to the previous year. Export price of individual producers/exporters is not verifiable because no producer/exporter has participated in the present sunset review investigation. It is also noted that producers/exporters from the subject country were aware about the precise period of sunset review and therefore it was possible for them to keep the average prices higher for their exports to India. Authority should investigate whether the increase in export price is based on economic rationale or is temporary.

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI (Oct 19 to Mar 21)
Import price from China PR (CIF)	INR/MT	35,822	48,143	46,927	51,203
Import price from other countries (CIF)	INR/MT	43,048	52,823	50,832	49,010

- l. There is also a practice amongst the producers/exporters to specify delivery term as CIF whereas the goods are delivered at ICD and as a result the price on record includes an additional price element of transportation cost from the first port of import to the ICD port. As per Customs Valuation Rules, the freight element from the first port of import to the ICD is not to be included in the value for customs purposes and accordingly the same should also not be included while calculating landed value for anti-dumping investigation.
- m. The capacity utilization of the domestic industry was stable till 2019-20 and thereafter declined during the POI(A).

- n. The profitability of the domestic industry has improved in 2018-19 and thereafter the profitability again declined from 2019-20 onwards. If the current anti-dumping duty protection is withdrawn, it will severely affect the profitability of the domestic industry further.
- o. The cash profits of the domestic industry have improved in 2018-19 and thereafter the profitability again declined in 2019-20.
- p. The ROCE of the domestic industry is quite low and much below the standard 22% return allowed by the Authority.
- q. Quality of the goods produced by the domestic industry is at par with the imported goods. Domestic industry has sufficient capacity to cater to Indian demand and therefore, availability of material is not a constraint. Delivery problems are also almost non-existent. Many of the Indian customers quote the prices at which the imported goods are coming into the country and ask the domestic industry to match the imported prices.
- r. Assessment of inter-se competition between domestic producers in India is irrelevant. Irrespective of inter-se competition, there is clear likelihood of dumping and injury due to import of subject goods from China PR at low prices. Historical trend in import prices from China PR shows that import prices can decline significantly in a very short span of time.

G.2 Submissions made by other interested parties

41. No other interested party has made any submission with regard to injury and causal link.

G.3 Examination by the Authority

42. Rule 11 of the Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve an examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...*”.
43. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules.
44. The submissions made by the domestic industry during the course of the investigation with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed in the present final findings.
45. In consideration of the various submissions made by the interested parties in this regard, the Authority has examined the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury.
46. The Authority has taken note of the various submissions made by the domestic industry on injury and causal link and has analysed the same considering the facts available on record and the applicable laws. The injury analysis made by the Authority ipso facto addresses the submissions made by the domestic industry.
47. In the present sunset review investigation, the Authority has considered a longer period of 18 months from 1st October 2019 to 31st March 2021 as the POI so that it provides enough insight into the current and likely dumping and injury suffered by the domestic industry. Also, a longer POI was deemed appropriate in the present sunset review since trade in the first quarter of 2020-21 was impacted by Covid-19 and a longer period would be proper to assess the current injury and likelihood of injury to the domestic industry caused due to the alleged dumped imports.

a. Assessment of Demand

48. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in India, as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

S. No.	Particulars	UQM	2017-18	2018-19	2019-20	POI (A)	POI (Oct 19 to Mar 21)
1	Subject Country (China PR)	MT	71,291	1,35,037	44,386	28,476	42,713
		Trend	100	189	62	40	60
2	Other Countries	MT	78,602	97,399	45,864	33,311	49,966
		Trend	100	124	58	42	64
3A	Domestic sales of participating producers	MT	14,99,885	15,43,966	15,07,705	15,06,722	22,60,083
		Trend	100	103	101	100	151
3B	Domestic sales of supporters	MT	***	***	***	***	***
		Trend	100	128	221	221	332
4	Domestic sales of other producers	MT	***	***	***	***	***
		Trend	100	107	120	135	202
5	Total demand	MT	39,61,437	43,12,974	46,76,549	49,37,675	74,06,512
		Trend	100	109	118	125	187

49. It is seen that the demand for subject goods has increased during the entire injury period.

b. Volume effect of dumped imports

i. Import volume and share of subject country

50. The effect of the volume of dumped imports from the subject country has been examined by the Authority as follows.

S. No.	Particulars	UQM	2017-18	2018-19	2019-20	POI (A)	POI (Oct 19 to Mar 21)
1	Subject Country (China PR)	MT	71,291	1,35,037	44,386	28,476	42,713
2	Subject country import in relation to -						
A	Total Indian Production	%	2%	3%	1%	1%	1%
B	Consumption	%	2%	3%	1%	1%	1%
C	Total imports	%	48%	58%	49%	46%	46%

51. The Authority notes that imports from subject country has declined during the injury period and POI in absolute terms as well as in relation to total Indian production.

c. Price effect of dumped imports.

52. With regards to the effect of dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in normal course.

53. Accordingly, the impact on the prices of the domestic industry on account of dumped imports of the subject goods from the subject country has been examined with reference to price undercutting and price suppression/depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of sales and Net Sales Realization (NSR) of the domestic industry have been compared with the landed price of imports from the subject country.

i. Price Undercutting

54. Price undercutting has been determined by comparing the landed price of imports from the subject country with the net sales realisation of the domestic industry in India.

SN	Particulars	UQM	2017-18	2018-19	2019-20	POI (Oct 19 to Mar 21)
1	Net Sales Realisation	Rs/MT	***	***	***	***
2	Landed Price – China PR	Rs/MT	39,512	53,439	52,089	56,548
3	Price Undercutting – China PR	Rs/MT	***	***	***	***
4	Price Undercutting – China PR	%	***	***	***	***
5	Price Undercutting – China PR	Range	(0-10%)	(10-20%)	(20-30%)	(20-30%)

55. The Authority notes that the landed price of imports is above the selling price of the domestic industry during the period of investigation. Therefore, the price undercutting is negative from China PR.

ii. Price Suppression/Depression

56. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority notes the changes in the costs and prices over the injury period.

SN	Particulars	UQM	2017-18	2018-19	2019-20	POI (Oct'19 to Mar'21)
1	Landed price – Subject country	Rs/MT	39,512	53,439	52,089	56,548
		Indexed	100	135	132	143
2	Cost of sales per Unit – Domestic	Rs/MT	***	***	***	***
		Indexed	100	107	105	109
3	Selling price per Unit – Domestic	Rs/MT	***	***	***	***
		Indexed	100	119	101	108

57. The domestic industry has contended that the high landed value during the POI from the subject country does not seem to be reliable because import price from China PR has been higher than import price from other countries in the POI due to sudden increase in import price from China PR whereas import price from China PR has remained lower than import price from other countries during the first three years of injury investigation period.

d. Impact on economic parameters of the domestic industry

58. Annexure - II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Anti-Dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. Accordingly, various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below.

i. Capacity, production, capacity utilization and sales.

59. The Authority has considered capacity, production, capacity utilization and sales volume of the domestic industry over the injury period.

S. No.	Particulars	UOM	2017-18	2018-19	2019-20	POI (A)	POI (Oct 19 to Mar 21)
1	Capacity	MT	35,70,000	35,70,000	35,70,000	37,70,000	56,55,000
		Indexed	100	100	100	106	158
2	Production – PUC	MT	17,58,960	16,83,466	17,60,261	17,48,427	26,22,640
		Indexed	100	96	100	99	149
3	Production – NPUC	MT	14,49,785	15,80,904	13,23,442	11,01,787	16,52,680
		Indexed	100	109	91	76	114
4	Capacity utilization		90%	91%	86%	76%	76%
		Indexed	100	102	96	84	84
5	Domestic Sales	MT	14,99,885	15,43,966	15,07,705	15,06,722	22,60,083
		Indexed	100	103	101	100	151

60. It is seen that:

- The capacity of the domestic industry has remained stable during the injury period and has increased marginally during the POI.
- The capacity utilization of domestic industry has declined in the POI.
- The total production and domestic sales remained constant during the injury period.

ii. Market share of domestic industry in demand

61. The effect of the dumped imports on the market share of the domestic industry in demand has been examined as below:

S. No.	Particulars	UOM	2017-18	2018-19	2019-20	POI (A)	POI (Oct'19 to Mar'21)
1	Subject country	%	2%	3%	1%	1%	1%
		%- Range	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%
2	Other countries	%	2%	2%	1%	1%	1%
		%- Range	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%
3	Sales of Domestic industry	%	38%	36%	32%	31%	31%
		%- Range	30-40%	30-40%	30-40%	30-40%	30-40%
4	Sales of Supporters	%	***	***	***	***	***
		%- Range	0-10%	0-10%	10-20%	10-20%	10-20%
5	Sales of Other Indian Producers	%	***	***	***	***	***
		%- Range	50-60%	50-60%	50-60%	50-60%	50-60%

62. It is seen that the market share of the domestic industry has consistently declined during the injury period.

iii. Inventory

63. Inventory position of the domestic industry over the injury period is given below:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI (A)
Average inventory	MT	62,088	72,988	1,03,634	1,02,539
	Indexed	100	118	167	165

64. It is seen that the average inventory of the domestic industry has increased up to 2019-20 and then declined during POI.

iv. Profit or loss, cash profits and return on investment

65. Performance of the domestic industry has been examined in respect of profits, cash profits and return on capital employed.

SN	Particulars	UOM	2017-18	2018-19	2019-20	POI (A)	POI (Oct 19 to Mar 21)
1	Cost of sales	Rs/MT	***	***	***	***	***
		Trend	100	107	105	109	109
2	Selling price	Rs/MT	***	***	***	***	***
		Indexed	100	119	101	108	108
3	Profit / Loss	Rs Lacs	(***)	***	(***)	(***)	(***)
		Indexed	(100)	473	(263)	(153)	(230)
4	Profit / Loss	Rs/MT	(***)	***	(***)	(***)	(***)
		Indexed	(100)	459	(261)	(152)	(152)
5	Cash profits	Rs Lacs	***	***	***	***	***
		Indexed	100	565	28	131	197
6	Cash profits	Rs/MT	***	***	***	***	***
		Indexed	100	549	27	131	131
7	PBIT	Rs Lacs	***	***	***	***	***
		Indexed	100	419	57	97	146
8	PBIT	Rs/MT	***	***	***	***	***
		Indexed	100	407	57	97	97
9	Return on capital employed	%	***	***	***	***	***
		Indexed	100	385	47	77	77

66. It can be seen from the above table that the profitability of the domestic industry in terms of profits, cash profits, PBIT and ROCE improved in 2018-19 and thereafter declined from 2019-20 onwards.

v. Employment, wages and productivity

67. The situation of the domestic industry with regard to employment, wages and productivity was examined.

S. No.	Particulars	UOM	2017-18	2018-19	2019-20	POI (A)	POI (Oct 19 to Mar 21)
1	No. of employees	Nos.	10,754	10,641	11,993	12,904	12,904
		Indexed	100	99	112	120	120
2	Productivity per day	MT/Day	4,819	4,612	4,823	4,790	4,790
		Indexed	100	96	100	99	99
3	Production per employee	MT/Nos	164	158	147	135	135
		Indexed	100	97	90	83	83

68. It is noted that the production per employee has declined consistently during injury period.

vi. Growth

69. Examination of growth parameters of the domestic industry during the injury period is shown below.

S. No.	Particulars	2018-19	2019-20	POI (A)
1	Production - PUC	-4%	5%	-1%
2	Capacity Utilisation	2%	-5%	-11%
3	Domestic Sales	3%	-2%	0%
4	Profit/(Loss) per MT	***	(***)	***
5	Profit/(Loss) Rs Lacs	***	(***)	***
6	Cash Profit	***	(***)	***
7	PBIT	***	(***)	***
8	ROI%	***	(***)	***

70. The Authority notes that:

- The profitability of the domestic industry in terms of profits, cash profits, PBIT and ROCE improved in 2018-19 and thereafter declined from 2019-20 onwards.
- The capacity utilization of domestic industry has declined consistently.

vii. Magnitude of dumping

71. It can be seen that the dumping margin is not only more than de-minimis but also substantial.

viii. Ability to raise fresh capital

72. The domestic industry comprises of companies, which are multi-product companies. Therefore, their ability to raise fresh capital remains intact.

H. FACTORS RELEVANT FOR CAUSAL LINK

73. As per the AD Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than dumped imports which are injuring or are likely to cause injury to the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. While the present investigation is a sunset review investigation and causal link has already been examined in original investigation, the Authority examined whether other known listed factors have caused or are likely to cause injury to the domestic industry. It was examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed or are likely to contribute to the injury suffered by the domestic industry.

74. With regard to the requirement of examining causal link in the sunset review investigation, the Appellate Body in US — Anti-Dumping Measures on Oil Country Tubular Goods [WT/DS268] considered that:

“On its face, Article 11.3 does not require investigating authorities to establish the existence of a ‘causal link’ between likely dumping and likely injury.”

i. Volume and price of imports from third country

75. Apart from China PR, imports of subject goods into India are primarily from Japan and Korea RP. The import price from Japan and Korea RP is significantly higher than the import price from China PR except during POI.

ii. Development of technology

76. The Authority notes that technology for production of the product has not undergone any change.

iii. Trade restrictive practices

77. The Authority notes that there are no trade restrictive practices.

iv. Export performance

78. The Authority has considered data for the domestic operations only. Any possible deterioration in the export performance of the domestic industry, therefore, cannot be a cause for the injury to the domestic industry.

v. Performance of other products

79. The Authority has considered the data relating to the performance of the subject goods only. Therefore, performance of other products produced and sold by the domestic industry will have no bearing on the injury to the domestic industry.

I. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

80. The Authority has determined the NIP for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Anti-Dumping Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the information/data relating to the cost of production provided by the domestic industry and duly certified by the practicing accountant for the period of investigation. The NIP has been compared with the landed price from the subject country for calculating injury margin.

81. For determining the NIP, the best utilisation of the raw materials and utilities has been considered over the injury period. Best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. Extraordinary or non-recurring expenses have been excluded from the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e., average net fixed assets plus average working capital) for the PUC was allowed as pre-tax profit to arrive at the NIP as prescribed in Annexure III of the Rules and being followed.

82. Based on the landed price and NIP determined as above, the injury margin for producers/exporters from subject country as determined by the Authority is provided in the table below.

Country	Producer/Exporter	NIP (INR/MT)	Landed Price (INR/MT)	IM (INR/MT)	IM %	Range
China PR	Any Producer/Exporter	***	56,548	(***)	(***)	(20-30%)

J. LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING & INJURY

J.1 Submissions made by the domestic industry

83. The following submissions have been made by the domestic industry during the course of investigation:

- The performance of the domestic industry has shown some improvement as a positive outcome of the anti-dumping duty. However, once the anti-dumping duties are removed the subject goods from China PR would enter the Indian market unabated due to excess capacities in China PR and limited or static demand in their local market.
- As per the report from QY Research titled “Analysis Report on present development situation in China’s wire rod in 2021-2027”, with a capacity utilization of 86.98% in 2020, the Chinese producers have idle capacities of 25 million tonnes, which could be utilized to produce PUC for export destinations including India:

Particulars (Million Tons)	2018	2019	2020
Capacity	180	186	191
Production	144	157	167
Utilization %	80.16%	84.50%	86.98%
Idle Capacity	36	29	25

- c. The idle capacity in China PR is more than 5 times the total annual demand of subject goods in India:

Particulars (Million Tons)	2018	2019	2020
Idle Capacity	36	29	25
Indian Demand	4.3	4.7	4.9
Idle Capacity in relation to Indian demand (Times)	8	6	5

- d. Chinese producers hold production capacity of 191 million tons and domestic demand in China PR is at 163 Million Tons.

Particulars (Million Tons)	2018	2019	2020
Capacity	180	186	191
Consumption	139	152	163
Capacity available for export	41	34	28

- e. Further, the capacity in China PR is expected to increase significantly in the coming years.

Particulars (Million Tons)	2021	2022	2023	2024	2025	2026	2027
Capacity	205	208	223	234	244	253	268

- f. The average export price from China PR to India of the PUC has remained higher than the export price to other countries. Thus, the Indian market is more lucrative in terms of prices for exporters from China PR as compared to other countries.

Particulars	Unit	2018	2019	2020	POI
FOB Export Price (China PR to Third Countries excluding India)	USD/MT	585	527	501	530

Source: ISSB

Particulars	Unit	2018	2019	2020	POI
FOB Export Price (China PR to India)	USD/MT	664	659	642	669

Source: ISSB

- g. Imports into India from the subject country are occurring even after imposition of anti-dumping duty and even after supply constraints globally that were triggered due to COVID-19 pandemic. Dumping margin on imports from the subject country is also significant during the POI despite imposition of anti-dumping duty:

Particulars	Unit	Method I	Method II
Imports	MT	42,713	42,713
Net Export Price	Rs/MT	37,658	37,658

Normal value	Rs/MT	***	44,336
Dumping Margin	Rs/MT	***	6,678
Dumping Margin	%	***	18%
Trend	Range	10-20%	10-20%

- h. Import of subject goods from China PR are susceptible to sharp decline in price and consequently import quantity from China PR may witness a sudden surge. This is evidenced by the trend in the imports of subject goods as recorded by the Authority in the Final Findings of original investigation dated 30th August 2017. Import quantity of subject goods witnessed a sudden surge within a short span of time during the original injury investigation period. The landed value of import of subject goods from China PR witnessed a sharp decline during the original injury investigation period. Similar trend is likely to occur in the event anti-dumping duty is revoked on the subject goods.
- i. Information available regarding exports of subject goods from China PR during the POI shows that majority of exports of China PR to third countries are at dumped and injurious prices.

Particulars	UOM	Dumping Margin		Injury Margin
		Method I	Method II	
Total Exports from China PR	MT	***	***	***
Exports having Positive Dumping margin/injury margin	MT	***	***	***
Exports having Positive dumping margin/injury margin	%	***	***	***
Trend	Range	80-90%	80-90%	20-30%

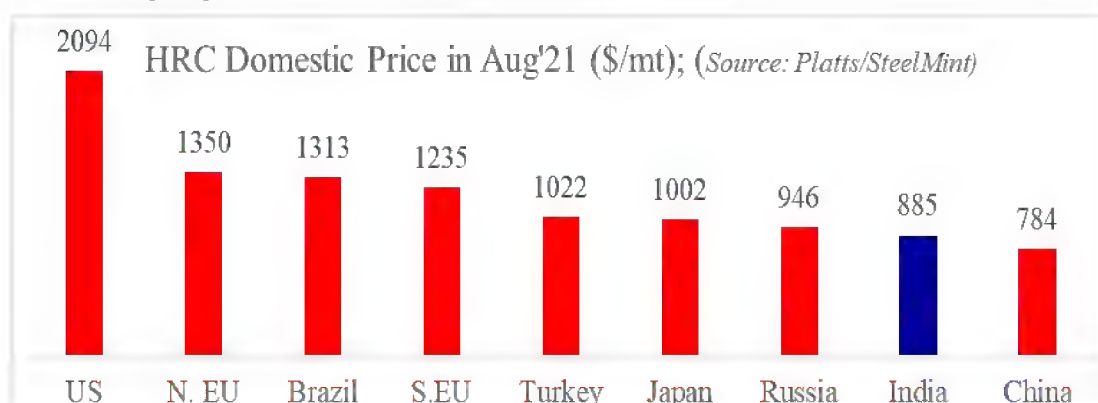
Source: ISSB Data

- j. Majority of exports from China PR to third countries have positive dumping margin. Significant share of exports from China PR to third countries are also below the non-injurious price of domestic industry. If these exports to third countries are diverted to India, upon withdrawal of anti-dumping duty, there is clear likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury from China PR.
- k. Following countries have imposed/continued trade remedy measures on imports of subject goods from China PR:

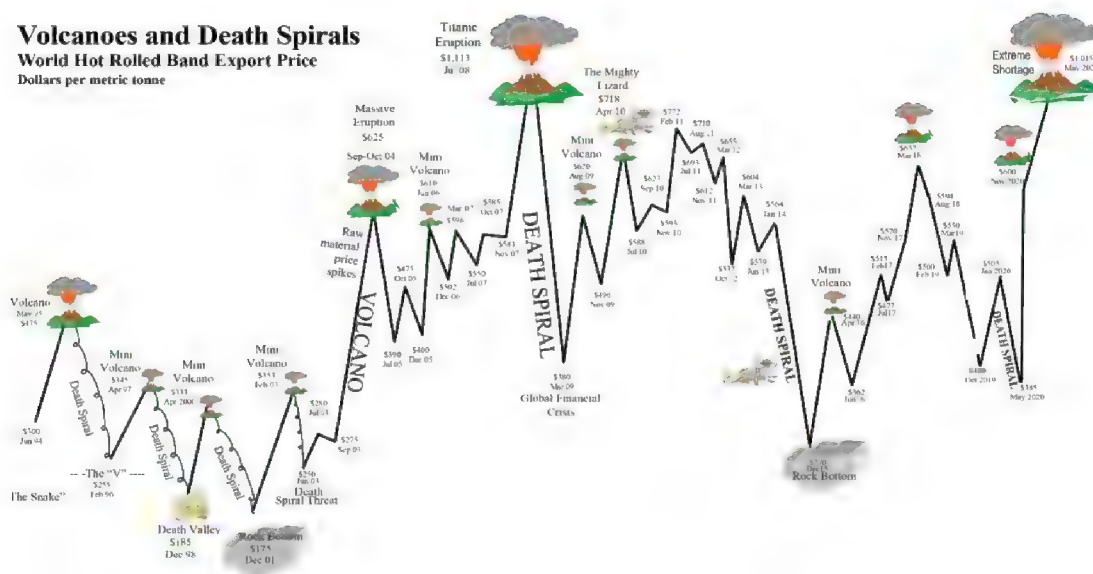
S.No.	Member imposing the measure	Measure description	Product description
1.	Australia	Anti-dumping	Rod in coils
2.	Colombia	Anti-dumping	Bars and rods of low-carbon steel
3.	Dominican Republic	Anti-dumping	Bars and rods
4.	Egypt	Anti-dumping	Bars and rods of iron alloy or non-alloy steel rebar
5.	European Union	Anti-dumping	Wire rod
6.	Indonesia	Anti-dumping	Steel wire rod
7.	Mexico	Anti-dumping	Steel wire rod

S.No.	Member imposing the measure	Measure description	Product description
8.	Thailand	Anti-dumping	High Carbon Steel Wire Rod
9.	Thailand	Anti-dumping	Low Carbon Steel Wire Rods
10.	United States of America	Anti-dumping	Carbon and Certain Alloy Steel Wire Rod
11.	United States of America	Countervailing Duties	Carbon and certain alloy steel wire rod

- l. Anti-dumping investigation was initiated by the European Union on imports of wire rods from Moldova, Turkey and China PR on 8 May 2008. However, anti-dumping duty was imposed on imports of wire rod from China PR for a period of 5 years on 27th July 2009. Anti-dumping duty was continued for a further period of five years on imports from China PR pursuant to the expiry review investigation conducted by the European Commission. In the review investigation conducted by the European Union, situation of domestic industry in the European Union was similar to the situation of domestic industry in the present investigation. The domestic industry in the European Union experienced decline in return on investment and profitability during the injury investigation period when there were almost no imports from China PR. However, it did not affect the final conclusion of the European Commission regarding likelihood of dumping and injury due to imports from China PR.
- m. European Commission on 13.10.2021 in the second SSR of ADD on wire rods from China PR has determined that ADD is to be continued for another 5 years, because there is likelihood of dumping and injury due to imports of Wire rods from China PR into European Union. The facts of the present SSR being conducted by the Authority on wire rod from China PR are same as the facts of the 2nd SSR conducted by the European Commission.
- n. Similarly, in the review of anti-dumping duty conducted by Australia Anti-dumping Commission (ADC) on import of wire rods in coil from China PR, the ADC has issued its final inquire report in March 2021. ADC determined existence of likelihood of injury due to imports from China PR when there were no imports from China PR into Australia during the injury investigation period and the domestic industry in Australia was incurring losses and its performance was also declining
- o. The domestic steel prices in India have remained lower than international steel prices despite global boom as shown in the table below:



- p. The steel prices are cyclical in nature. In 2008 hot rolled/cold rolled steel prices were higher and similar to the current level. In 2009, there was sudden decline in prices and the prices reduced by approximately 65%. Steel prices crashed and reached their lowest levels in December 2015. Prices crashed by almost 52% during this period as compared to 2014 and this is when the domestic producers in India requested Government of India for imposition of anti-dumping duty on various steel products. The below chart clearly depicts the volcanoes and death spirals of the steel market:



Source: World Steel Dynamics – Key Developments 2020

- q. The steel prices are currently on the higher side globally due to high raw material prices and supply side shortage. However, they are not representative of future trends. In fact, going by the cyclical trend of steel prices, it is expected that prices would decline in coming quarters. The word steel dynamics report has projected sharp decline in steel prices in coming months.
- r. Historic trend of prices shows that the decline in prices happen suddenly within 3 to 4 quarters and there is no time to react and seek trade remedial measures at that point of time. In 2015, when the steel prices crashed, a number of steel companies went into bankruptcy and liquidation proceedings as they were not able to sustain onslaught of low prices.

Examples:

- Bhushan Power & Steel Ltd.
 - Essar Steel India Ltd.
 - Monnet Ispat and Energy Ltd.
 - Bhushan Steel Ltd.
 - Electrosteel Steels Ltd.
 - Usha Martin Ltd.
 - Asian Colour Coated Ispat Ltd.
- s. A healthy and competitive steel industry is critical for nation building. The steel industry in India constitutes around 2% of GDP and generates substantial direct (approx. 5 lakhs) and indirect employment (approx. 20 lakhs).
- t. In 2015, when steel prices crashed, price of wire rod (long products) also dipped during this period to its lowest. Average export prices from China PR dropped to 319 USD/MT

(SBB steel prices) in 2015. Average export price from China PR of wire rod (long products) was 460 USD/MT (SBB steel prices) in 2014.

Wire Rod (Long Products)	2015 (Average)	Average (2014)
Export prices from China PR	319 USD/MT	460 USD/MT

Source: SBB Steel Prices - Shanghai

- u. Thus, when global steel prices declined in 2015, export prices of long products from China PR also declined significantly. Producers/exporters from China PR were able to reduce export prices by nearly 140 USD/MT i.e. by more than 30% within a span of few months
- v. Anti-dumping duty in the present reference price form had no adverse impact on public interest as no duty is being collected. We understand that no duty was paid by importers or users upon import of subject goods into India from subject country as imports were made above reference price. However, assuming the existence of fixed/ad-valorem duty, the domestic industry is also providing following examples to demonstrate insignificant impact of duty on the user industry and final consumers in white goods.

Example 1: Wire Rod – Cars (Wire and Fasteners)

Price of Car	Rs. 5 lacs
Weight of Wire Rod Products in car = 750 kg*34%*30%	77 kg
Estimated price of wire rod per MT	Rs. 33,825 PMT
Assumed Anti-dumping duty (ADD) @ 20%	Rs. 6,765 PMT
Calculation of ADD per car	=77/1000 * Rs. 6,765
ADD-impact per car	Rs. 521/- or 0.1%

Example 2: Wire Rod – Cars Tyres

Price of Car Tyre (15")	Rs. 5000
Weight of Wire Rod Products in car tyre = 9kg * 12%	1.1 kg
Estimated price of wire rod per MT	Rs. 33,825 PMT
Assumed Anti-dumping duty (ADD) @ 20%	Rs. 6,765 PMT
Calculation of ADD per car tyre	=1.1/1000 * Rs. 6,765
ADD-impact per car tyre	Rs. 7.4/- or 0.15%

Example 3: Wire Rod – Stapler Pins

Price of Stapler Pins (20 boxes / 1000 pins per box)	Rs. 180
Weight of 20 boxes / 1000 pins per box	0.44 kg
Estimated price of wire rod per MT	Rs. 33,825 PMT
Assumed Anti-dumping duty (ADD) @ 20%	Rs. 6,765 PMT
Calculation of ADD per 20 boxes / 1000 pins per box	=0.44/1000 * Rs. 6,765
ADD-impact per 20 boxes of Stapler Pins	Rs. 2.98/- or 1.65%

- w. As is evident from the above table, the impact of approximately 20% anti-dumping duty is 0-2% on the final products made from wire rod.

J.2 Submissions made by other interested parties

84. No other interested party has made any submission with regard to likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.

J.3 Examination by the Authority

85. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duty on the imports of subject goods from China PR. Under the Rules, the Authority is required to determine whether cessation of existing duty is likely to lead to continuance or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

86. There are no specific methodologies available to conduct such a likelihood analysis. However, Clause (vii) of Annexure II of the Rules provides, inter alia, factors which are relevant for threat of injury and the same factors may be used for likelihood analysis in a sunset review as well:

- a) A significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation.
- b) Sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports.
- c) Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and
- d) Inventories of the article being investigated.

87. The Authority has examined the factors listed in clause (vii) of Annexure II of the Rules to the extent deemed appropriate and also other relevant factors, which could have a bearing on the likelihood of recurrence of dumping and consequent injury to the domestic industry.

88. In this regard, the Authority notes that in *Thai Acrylic Fibre Co. Ltd. vs Designated Authority*, the Hon'ble CESTAT observed as follows with regard to examination of likelihood of injury in a situation where the condition of domestic industry has improved:

"With respect to the injury determination, if the anti-dumping duty has had the desired effect, the condition of the Domestic Industry would be expected to have improved during the period the anti-dumping duty was in effect. Therefore, the assessment whether injury will continue, or recur, would entail a counter-factual analysis of future events, based on projected levels of dumped imports, prices, and impact on domestic producers. Thus the D.A. has to address the question as to whether the Domestic Industry is likely to be materially injured again, if duties are lifted."

89. In *Borax Morarji Limited vs. Designated Authority*, the Hon'ble Tribunal noted that:

"The expression 'likely to lead to recurrence' would take within its fold situation where the dumping and injury may not exist at the time of review due to the imposition and continuance of anti-dumping duty which, if allowed to cease to have effect on the expiry of five years, is likely to lead to recurrence of dumping and injury."

90. The WTO Appellate Body noted in *US- Corrosion-Resistant Steel Sunset Review (Japan) [DS 244]* that the determination in a sunset review investigation is a prospective examination, where the authorities must undertake a forward-looking analysis and seek to resolve the issue of what would be likely to occur if the duty was terminated. The Appellate Body noted:

"105. This appeal concerns the obligations that apply to investigating authorities with respect to the second of these conditions. It focuses on the particular disciplines with which authorities must comply in determining, in accordance with Article 11.3, 'that the expiry of the duty would be likely to lead to continuation or recurrence of dumping'. In this Report, we refer to this determination as the 'likelihood determination'. The likelihood determination is a prospective determination. In

other words, the authorities must undertake a forward-looking analysis and seek to resolve the issue of what would be likely to occur if the duty were terminated.”

91. Thus, it is noted that the Authority is required to examine the likelihood of continuation or recurrence of injury in the event of revocation of duty.

92. In the absence of participation of producers/exporters from subject country, the Authority has relied on facts available for conducting the likelihood analysis.

a. Continued Imports in substantial quantities

93. The volume of imports during the injury investigation period are as follows:

Particulars	Unit	2017-18	2018-19	2019-20	POI (A)	POI
Total Imports	MT	1,49,894	2,32,436	90,250	61,787	92,680
Imports from China PR	MT	71,291	1,35,037	44,386	28,476	42,713
Imports from other countries	MT	78,602	97,399	45,864	33,311	49,966

94. It is seen that imports from subject country continue to be significant both in absolute terms and in relation to total imports into India and Indian demand.

b. Continuation of dumping from subject country

95. Dumping margin and injury margin due to imports from subject country was substantial during the original investigation. The dumping margin in the POI of present sunset review investigation is also substantial and much higher than de-minimis dumping margin.

c. Surplus capacity in China PR

96. It is noted that no producer/exporter from China PR has participated in the subject sunset review. Therefore, no information is available with the Authority based on questionnaire response of producers/exporters from China PR.

97. The Authority has taken note of the available information from QY Research titled “Analysis Report on present development situation and prospect of China’s wire rod in 2021-2027”

Particulars (Million Tons)	2018	2019	2020
Capacity	180	186	191
Production	144	157	167
Utilization %	80.16%	84.50%	86.98%
Idle Capacity	36	29	25

98. The Authority notes that the idle capacity in China PR is more than 5 times the total annual demand of subject goods in India:

Particulars (Million Tons)	2018	2019	2020
Idle Capacity	36	29	25
Indian Demand	4.3	4.7	4.9
Idle Capacity in relation to Indian demand (Times)	8	6	5

99. The Authority further notes that the capacity in China PR is expected to increase significantly in the coming years.

Particulars (Million Tons)	2021	2022	2023	2024	2025	2026	2027
Capacity	205	208	223	234	244	253	268

d. Trade remedial measures by other countries

100. As per the information on record, there are currently a number of trade remedial measures imposed against the subject country by other countries besides India.

101. The Authority notes that almost all the countries having substantial production base for the product under consideration have put in place trade remedy measures against imports of subject goods from subject country.

e. Price attractiveness

102. The information with respect to price attractiveness of the Indian market for Chinese producers/exporters is given in the tables below:

Particulars	Unit	2018	2019	2020	POI
FOB Export Price (China PR to Third Countries excluding India)	USD/MT	585	527	501	530

Source: ISSB

Particulars	Unit	2018	2019	2020	POI
FOB Export Price (China PR to India)	USD/MT	664	659	642	669

Source: ISSB

103. It can be seen that exports of subject goods to third countries by the producers/exporters from China PR are at prices below the export price to India. Thus, Indian market is price attractive for producers/exporters from China PR.

f. Export to third countries at dumped prices

104. The Authority notes the information available regarding exports of subject goods from China PR during POI shows that majority of exports of China PR to third countries are at dumped and injurious prices.

Particulars	UOM	Dumping Margin	Injury Margin
Total Exports from China PR	MT	***	***
Exports having Positive Dumping margin/injury margin	MT	***	***
Exports having Positive dumping margin/injury margin	%	***	***
Trend	Range	80-90%	20-30%

Source: ISSB Data

105. It is observed that substantial share of exports from China PR to third countries have positive dumping margin. Reasonable proportion of exports to third countries from China PR is below the NIP determined for the domestic industry. If the low priced dumped and injurious exports to third countries are diverted to India in the event of revocation of anti-dumping duty, it will cause injury to the domestic industry.

g. Cyclical nature of steel prices

106. The Authority also notes that steel prices are cyclical in nature and have remained extremely volatile over the years. The prices are subject to significant variations with prices peaking over certain periods followed by crashes. Current steel prices show an upward trend due to supply side shortage and high raw material prices. The steel prices are likely to moderate and stabilize in the near future.

h. Insignificant impact of duty on the user industry and final consumers in white goods

107. The Authority notes that the data/information provided by the domestic industry shows that the impact of ADD on user industry is insignificant.

K. EXAMINATION OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY

108. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- a. Imports from subject country continue to be significant both in absolute terms and in relation to total imports into India and Indian demand.
- b. The dumping margin and injury margin due to imports from subject country was substantial during the original investigation. The dumping margin in the POI of the present sunset review investigation is also substantial and higher than de-minimis dumping margin.
- c. An elaborate likelihood analysis and assessment conducted by the Authority leads to the conclusion that there is a likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of duty.
- d. The Authority has relied on the following factors to conclude existence of likelihood of dumping and injury:
 - i. There are huge surplus capacities for product under consideration available with the producers/exporters in subject country as evidenced from the independent reports available on record.
 - ii. Most of the countries having decent production base for the subject goods have imposed and/or continued trade remedy measures on imports of subject goods from subject country.
 - iii. Examination of information on record regarding export price to third countries from subject country shows that exports to third countries are at prices below the export price to India, which shows that Indian market is more price attractive to exporters from subject country.
 - iv. Examination of information on record regarding export price to third countries from subject country shows that significant exports to third countries are at dumped prices.
 - v. Historical trend of global steel prices show that steel prices are cyclical in nature and there is likelihood of injury to the domestic industry due to imports at low price when there is decline in global steel prices.

L. POST DISCLOSURE STATEMENT SUBMISSIONS BY THE INTERESTED PARTIES

L.1. Post disclosure statement submissions by the domestic industry

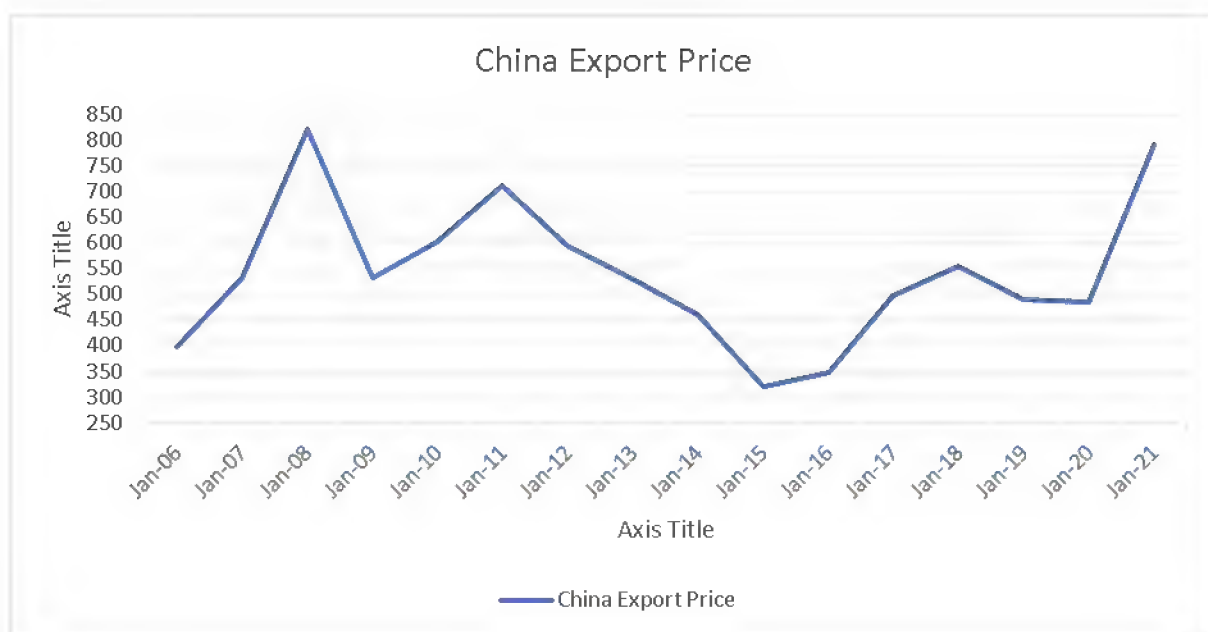
109. Following are in brief the post disclosure statement submissions made by the domestic industry:

- a. The import price of the subject goods from China PR are not reliable for undertaking causal link analysis. The import price of the subject goods from China PR has dramatically increased in the POI in comparison to the previous year. During the POI, import price from China PR is higher than import price from third countries despite being consistently lower than price from third countries during 2017-18 to 2019-20. There is no cogent reason for the sudden increase in the import price from China PR during the POI.
- b. Absence of causal link between import of subject goods from China PR and performance of the domestic industry is not a determinative factor to discontinue the anti-dumping duty on the subject goods. Reliance is placed on the WTO Appellate Body decision in case of US - Anti-dumping duty on OCTG from Mexico.

- c. The Authority is required to examine the likelihood of continuation or recurrence of injury due to the imports of subject goods from China PR if the anti-dumping duty is revoked.
- d. In the final findings of the European Commission dated 12th October, 2021 in the second sunset review concerning imports of wire rod from China PR, the European Commission continued imposition of anti-dumping duty despite the fact that there was no causal link between the injury suffered by the domestic industry and the import of subject goods from China PR. The European Commission noted the fact that the imports from China PR had virtually disappeared during the investigation period and could not have caused injury to the domestic industry. The European Commission in its likelihood examination noted that the producers in China PR possessed excessive spare capacity and that the Chinese producers continue to export to third countries at dumped prices and concluded that there exists likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
- e. The Australia Anti-Dumping Commission (ADC) in a sunset review investigation concerning the imports of wire rods in coil from China PR dated 12th March 2021 concluded that there exists likelihood of injury due to imports from China PR and accordingly continued imposition of anti-dumping duty. The facts before the ADC were also similar to the present sunset review investigation being conducted by the Designated Authority. In the sunset review conducted by ADC, there were no imports from China PR into Australia during the injury investigation period and despite this the domestic industry was incurring losses and its performance was also declining. The findings of the ADC also noted that there is substantial excess capacity with the Chinese steel industry and thus concluded that there exists likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
- f. The settled legal position and the past practice of the Designated Authority is to examine likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in the event of revocation of duty regardless of the quantum/price of import of subject goods into India during the injury investigation period or the lack of causal link between imports of subject goods and performance of the domestic industry. In this regard, reliance is placed on the following decisions of the Designated Authority:
 - Sunset review investigation on anti-dumping duty concerning imports of Partially Oriented Yarn (POY) originating in or exported from China PR – Final Findings dated 10th February 2012.
 - Sunset review investigation on anti-dumping duty concerning imports of All Fully Drawn or Fully Oriented Yarn/Spin Drawn Yarn/Flat Yarn of Polyester (non-textured and non-POY) and other yarns' originating in or exported from China PR and Thailand – Final Findings dated 22nd September 2015.
 - Sunset review investigation on anti-dumping duty concerning imports of Sodium Nitrite originating in or exported from European Union – Final Finding dated 3rd March 2008.
 - Sunset review investigation on anti-dumping duty concerning imports of Sodium Citrate from China PR – Final Findings dated 30th April 2020.
 - Sunset review investigation on anti-dumping duty concerning imports of Phenol originating in or exported from South Africa – Final Findings dated 22nd December 2020.
- g. In the aforementioned findings of the Designated Authority, the facts were similar to the facts of the present sunset review investigation on wire rod from China PR.
- h. The Authority has determined the injury margin to be negative for the imports from the subject country. The Authority should consider the fact that no producer/exporter from subject country has participated and therefore Authority is unable to verify export price and injury margin of individual producer(s)/exporter(s) in subject country. Average import price reflected based on DGCI&S data may or may not be correct.

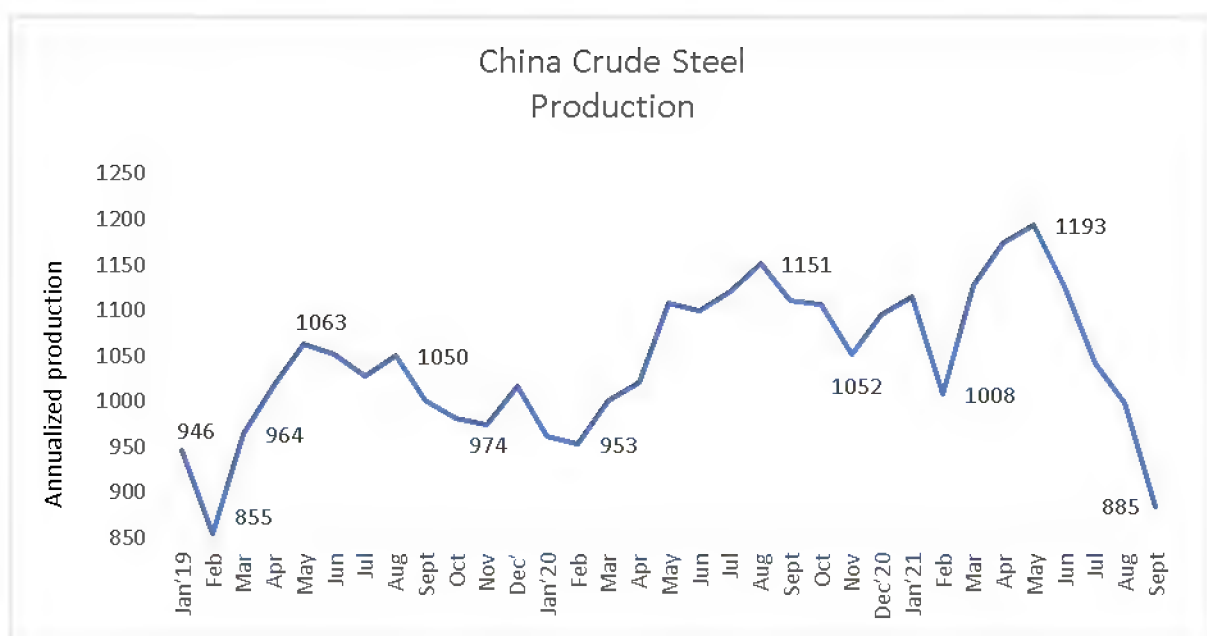
- i. Additionally, producers/exporters from subject country kept prices above reference price level during the injury investigation period. This was done purposely by the producers/exporters of subject country.
- j. The dumping margin during the POI is positive.
- k. The primary element of consideration in a sunset review is the existence of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. Therefore, negative injury margin during the POI is not determinative to assess the likelihood of injury to the domestic industry.
- l. Considering the cyclical nature of steel prices, the import prices of PUC are likely to decline in a short span of time once the prices reach the peak. If there is no anti-dumping duty in place, the domestic industry will be impacted by imports at low prices that are expected to prevail in future.
- m. In case it is established in a sunset review investigation that there is a likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury, the Authority needs to continue the anti-dumping duty irrespective of the fact that injury margin is negative. Reliance is placed on the previous final findings of the Authority in following sunset review investigations:
 - Colour coated/pre-painted flat products of alloy or non-alloy steel originating in or exported from China PR and the European Union – Final Finding dated 8th October 2021.
 - Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel in coils of a width upto 2100mm and thickness upto 25mm from China PR, Japan, Korea RP, Russia, Brazil and Indonesia - Final Finding dated 14th September 2021.
 - Cold rolled/cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel, or other alloy steel of all width and thickness - not clad, plated or coated from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine - Final Finding dated 14th September 2021.
 - 2-Ethyl Hexanol originating in or exported from the European Union, Indonesia, Korea RP, Malaysia, Taiwan and the United States of America – Final Finding dated 8th March 2021
 - Nylon Tyre Cord Fabric originating in or exported from China PR – Final Finding dated 29th October 2020
 - Acetone originating in or exported from the Korea RP, Saudi Arabia and Taiwan – Final Finding dated 29th September 2020
 - Front Axle Beam and Steering Knuckles meant for heavy and medium commercial vehicles originating in or exported from China PR – Final Finding dated 24th December 2020
 - Partially Oriented Yarn (POY) originating in or exported from China PR – Final Finding dated 10th February 2012
 - Clear Float Glass from Pakistan, Saudi Arabia and UAE – Final Finding dated 7th November 2019.
 - Nonyl Phenol originating in or exported from Chinese Taipei – Final Finding dated 8th November 2013.
 - Plain Medium Density Fibreboard having thickness 6mm or more originating in or exported from China PR, Malaysia, Thailand, Sri Lanka – Final Finding dated 8th January 2021.
 - Carbon Black used in Rubber Applications originating in or exported from China PR and Russia – Final Finding dated 22nd December 2020.
 - PVC Suspension Grade Resin from China PR, Thailand and USA – Final Finding dated 18th July 2019.

- n. The Hon'ble Gujarat High Court in *Nirma Limited vs. UOI* [Order dated 23rd February 2017, Special Civil Application No. 16426-16427/2016] has also stated that negative injury margin cannot form the basis for determining that there is no likelihood of dumping and/or injury.
- o. The domestic industry requests the Authority to specifically note and consider the observations of the European Commission in its decision dated 12th October 2021 continuing anti-dumping duty on imports of wire rod from China PR following a second sunset review investigation pertaining to likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
- p. The domestic industry requests the Authority to specifically note and consider the determination of the ADC on likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury on import of wire rods in coil from China PR as determined in its final inquire report of 12th March 2021.
- q. In a non-market economy like China PR, the factors contributing to production and demand are not transparent and there may be sudden changes in price, surge in exports and spurts in production. Volatility of Chinese exports has been evidenced by average export price of long products/Wire Rod from China PR. The sudden fluctuation in the average price of the subject goods from China PR has been graphically represented below:



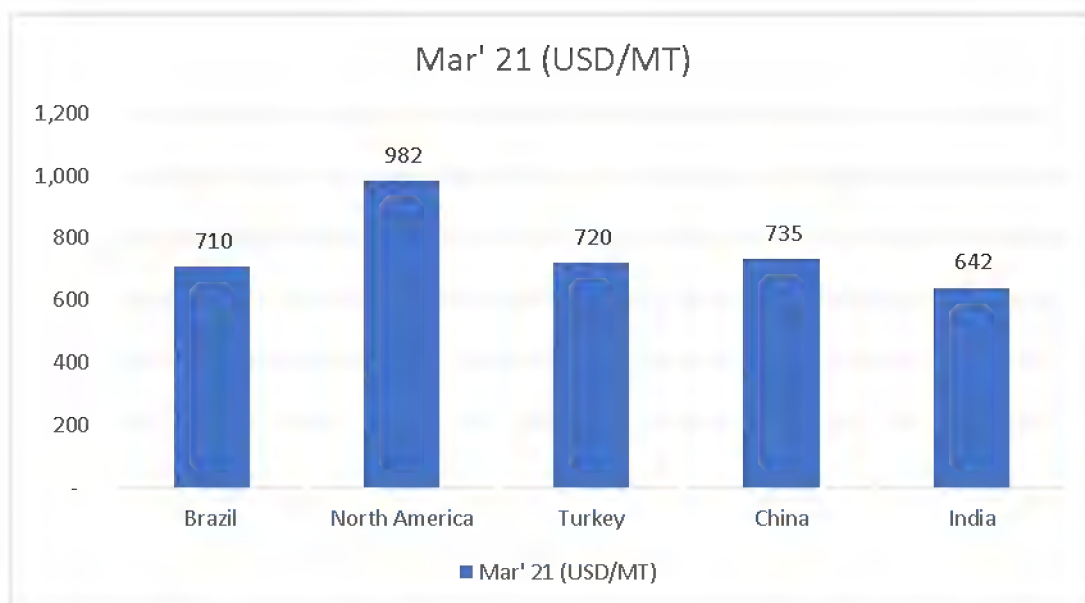
Domestic industry is likely to suffer in case of sudden drop in price of subject goods from China PR in the absence of reference price based anti-dumping duty.

- r. The VAT refund rate for subject goods from China PR is at 0% from 2013 onwards and continues to be at 0% during the POI of the present sunset review investigation and post-POI period. Despite 0% VAT refund, imports from China PR have been substantial from 2013 onwards. In the event of discontinuation of present anti-dumping duty on subject goods from China PR, it is likely that the exports of subject goods to India will increase drastically and is likely to cause injury to the domestic industry.
- s. The production of crude steel in China PR is unpredictable and undergoes several fluctuations. The annualised production (in Million Tonnes) of crude steel in China PR is given in the graph given below:



It is clear from the graph that the production of crude steel in China PR is unpredictable and undergoes several fluctuations. The unpredictable fluctuations in crude steel production and its consequent effects on price of subject goods indicates likelihood of continuation and recurrence of dumping and injury in the event the current anti-dumping duty is discontinued.

- t. The present sunset review investigation had been initiated along with three other sunset review investigations (HR Flat Steel Products, CR Flat Steel Products and Colour Coated/Pre-painted Flat Steel Products) on import of various steel products from *inter alia* China PR. The Authority has noted that there is a likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury from *inter alia* China PR and has recommended for continuation of anti-dumping duty in the other three sunset review investigations and should follow the same stand in the present matter.
- u. The factual matrix of the other three sunset review investigations was similar to the present sunset review investigation on wire rod from China PR, as can be seen from the following parameters:
 - Existence of positive dumping margin and negative injury margin;
 - Import price of subject goods being significantly higher than the domestic selling price of the domestic industry;
 - Decline in imports from subject country during the POI;
 - Decline in performance of the domestic industry during the POI;
 - Factors such as surplus capacity, price attractiveness, dumping in third country markets etc. indicating the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
- v. The domestic price of long products/wire rod in India has remained lower than the international price of long products/wire rod despite global boom as can also be seen from the graph given below:



Source: SBB Steel Prices

- w. A significant portion of the production of subject goods in India is by MSME sector. Continuation of the duty will also help in safeguarding the interest of MSME sector.
- x. Anti-dumping duty in the present reference price form had no adverse impact on the users as no duty was paid by importers or users upon import of subject goods into India from subject country because imports were made above reference price.
- y. The impact of approximately 20% anti-dumping duty is merely 0-2% on the final products made from wire rod.

L.2 Post disclosure statement submissions by other interested parties

110. No other interested party has made any submissions in response to the disclosure statement.

L.3. Examination by the Authority

111. The Authority has examined the post disclosure statement comments of the domestic industry and notes that most of the comments are reiterations which have already been examined suitably and addressed adequately in the relevant paragraphs of these final findings. The issues raised for the first time in the post disclosure comments/submissions by the domestic industry and considered relevant by the Authority are examined below.

112. With regard to the submission that absence of causal link between import of subject goods from China PR and performance of the domestic industry is not a determinative factor to discontinue the anti-dumping duty on subject goods, the Authority is mindful of the fact that causal link is not the determinative factor in a sunset review investigation. In a sunset review investigation, the focus is on examining the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in the event of revocation of duty. In this regard, the Authority notes that WTO Appellate Body observed in US – Anti-dumping duty on OCTG from Mexico [WT/DS282/AB/R] has observed that:

“On its face, Article 11.3 does not require investigating authorities to establish the existence of a “causal link” between likely dumping and likely injury. Instead, by its terms, Article 11.3 requires investigating authorities to determine whether the expiry of the duty would be likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

Therefore, what is essential for an affirmative determination under Article 11.3 is proof of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, if the duty expires..... These being the requirements for a sunset review under Article 11.3, we do not see that the requirement of establishing a causal link between likely dumping and likely injury flows into that Article from other provisions of the GATT 1994 and the Anti-dumping Agreement. Indeed, adding such a requirement would have the effect of converting the sunset review into an original investigation, which cannot be justified.”

113. The Authority has duly noted the recent decisions of the European Commission in the second sunset review investigation on imports of wire rod from China PR and of Anti-dumping Commission of Australia in the first sunset review investigation on imports of steel rod in coil from China PR concluding existence of likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury in the event of revocation of anti-dumping duty on imports from China PR. The Authority has taken note of the observations of the European Commission and the Anti-dumping Commission of Australia in reaching its conclusion in the present sunset review investigation.
114. The Authority has also taken note of various final findings cited by the domestic industry in its post disclosure comments wherein the anti-dumping duty was recommended to be continued despite lack of causal link between imports and injury to the domestic industry. The Authority is also mindful of the fact that every investigation is different and the conclusion drawn are based the unique facts and conclusion in each case.
115. The Authority has accordingly conducted assessment of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury by examining what would be the likely situation of dumping from subject country and injury to the domestic industry if existing anti-dumping duty on imports of subject goods from subject country is discontinued.

M. INDIAN INDUSTRY'S INTERESTS AND OTHER ISSUES

116. The Authority has considered whether the continuation of anti-dumping duty would have adverse public interest. This determination is based on the consideration of the information on record and interests of various parties, including the domestic industry, the importers and the users/consumers of the product.
117. The Authority issued a gazette notification inviting views concerning the subject sunset review investigation from all the interested parties, including the importers, the consumers/users and other interested parties. However, none of the interested parties except domestic industry have participated in the investigation and shared data/ details with the Authority. Even though the Authority has prescribed formats for the users to quantify the impact of the anti-dumping duty and elaborate how the continuation of the anti-dumping duty would adversely impact them, it is noted that none of the importers/users have participated in the investigation and provided any relevant information.
118. The product is under freely importable category, and, therefore can be freely imported from various countries. The continuation of anti-dumping measures would not restrict the imports from the subject country in any way and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. With the continuation of anti-dumping fair competition in the Indian market will not be reduced. The purpose of anti- dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The continuation of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by those foreign producers who indulge in dumping practices and would thus prevent the decline in the performance of the domestic industry.
119. The subject goods are used in several applications and sectors including but not limited to automotive components, welding electrodes, springs, wire mesh, fasteners including nuts and bolts, nails, railway sleepers, general engineering, binding wires for construction industry, armoured cables etc.
120. It is noted that the domestic industry has submitted quantified information showing that the impact of the continuation of the anti-dumping duty shall be miniscule on the final product. As per information made available by domestic industry, it is noted that hypothetically assuming an anti-dumping duty @20% on PUC, the impact would be insignificant i.e., 0-2% on final products made from wire rod such as stapler pins, car tyres etc.

121. Reference price-based duty that is in force and that is recommended by the Authority in the present sunset review would ensure that users and importers of product under consideration are not penalised when imports into India are at fair prices. Reference price-based duty also ensures that the domestic industry is not injured from low priced/unfairly priced imports into India. Thus, reference price-based duty strikes a fine balance between the interest of importers and users on one hand and domestic industry on the other hand in the present case.
122. The Authority notes that there are a large number of producers of the product under consideration in India and so there is healthy competition in the Indian market and continuation of anti-dumping duty would not lead to monopolistic or oligopolistic situation in the Indian market for the subject goods. A significant portion of the production of subject goods in India is by the MSME sector. So, continuation of the duty will also help in safeguarding the interest of the MSME sector.
123. The Authority notes that the Indian steel industry is critical for Indian economy taking into account its contribution to Indian GDP, direct and indirect employment generation and its support to linked downstream services such as transport services, port facilities etc. Continuation of duty would act as a safety net for the domestic industry from unfair trade practices, the cyclical nature of global steel prices that are projected to decline in near future and fluctuating export prices of long products/wire rods from China PR.

N. CONCLUSION

124. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made and facts available before the Authority as recorded above and on the basis of the above analysis of the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry, the Authority concludes that:
 - i. The applicant domestic producers constitute domestic industry under Rule 2(b) of the Rules and the application filed by the applicant on behalf of domestic producers satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.
 - ii. The application contained sufficient evidence to justify initiation of present sunset review.
 - iii. The Authority considered a longer period of 18 months from October 2019 to March 2021 as POI. A longer POI was deemed appropriate in the present sunset review since trade in the first quarter of 2020-21 was impacted by Covid-19 and that it would be more appropriate to assess the current injury and likelihood of injury to the domestic industry caused due to the alleged dumped imports.
 - iv. Considering the normal value and export price for the subject goods, the dumping margin for the subject goods from the subject country has been determined based on facts available as no producer/exporter from subject country has participated. The dumping margin for the subject country is significant. Thus, there is continued dumping of the subject goods from the subject country.
 - v. There is a decline in the performance of the domestic industry during the POI, it cannot be attributed to the dumped imports during POI.
 - vi. The Authority conducted an elaborate likelihood analysis and notes as follows:
 - a. There are huge surplus capacities for product under consideration available with the producers/exporters in the subject country as evidenced from the independent reports available on record.
 - b. Examination of information on record regarding export price to third countries from subject country shows that significant exports to third countries are at dumped prices.

- c. Most of the countries having reasonable production base for the subject goods have imposed and/or continued trade remedy measures on imports of subject goods from subject country. In fact, the European Commission in its recent decision dated 12th October 2021 in the second sunset review investigation has continued the anti-dumping duty on imports of wire rod from China PR.
- d. Examination of information on record regarding export price to third countries from subject country shows that exports to third countries are at prices below the export price to India, which shows that Indian market is more price attractive to exporters from subject country.
- e. Historical trend of global steel prices show that steel prices are cyclical in nature and there is likelihood of injury to the domestic industry due to imports at low price when there is decline in global steel prices.
- f. Historical trend of export price of wire rod from China PR shows that the Chinese export prices are highly volatile and there is likelihood of injury to the domestic industry due to imports at low price when there is decline in Chinese export prices of wire rod.
- vii. Assessment conducted by the Authority leads to the conclusion that there is a likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of duty.
- viii. The Authority further notes that there is healthy competition in the Indian market and continuation of anti-dumping duty would not lead to monopolistic or oligopolistic situation in the Indian market for the subject goods.
- ix. Reference price-based duty in the present sunset review would ensure that users and importers of product under consideration are not penalised when imports into India are at fair price.

O. RECOMMENDATIONS

125. The Authority notes that the sunset review was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers/users and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and the causal link and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury. Having initiated and conducted the sunset review in terms of provisions laid down under the Rules, the Authority is of the view that continued imposition of anti-dumping duty is required on the imports of the subject goods from the subject country.
126. The Authority recommends continuation of anti-dumping duty on the imports of the subject goods described in Col. 3 of the duty table below originating in or exported from the subject country for a period of 5 years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government. The anti-dumping duty is recommended as the difference between the landed value of the subject goods described in Col. 3 of the duty table below and the amount indicated in Col. 7 of the duty table appended below, provided the landed value is less than the value indicated in Col. 7. If the landed value is more than the value indicated in Col. 7, anti-dumping duty will not be applicable. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
127. The Authority notes that one producer/exporter from China PR had participated in the original investigation and was accorded an individual rate of duty. This producer/exporter from China PR has not participated in the present sunset review investigation. In such a scenario, the Authority deems appropriate not to extend the existing individual duty rate awarded to the said producer/exporter.

DUTY TABLE

S. No	Heading/ Subheading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	7213 and 7227	Bars and rods, hot rolled, in irregularly wound coils, of iron or non-alloy steel or alloy steel, excluding (i) bars and rods containing indentations, ribs, grooves or other deformations produced during the rolling process falling under tariff item 72131090 (commonly known as rebars or TMT bars), (ii) bars and rods of stainless steel falling under tariff heading 7221 and (iii) bars and rods of high-speed steel falling under tariff heading 72271000	China PR	Any country including China PR	Any	546	MT	USD
2	-do-	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any	546	MT	USD

P. FURTHER PROCEDURE

128. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of this Act.

ANANT SWARUP, Designated Authority